epaper.dehatsandesh.com

3 नेताजी सुभाष चंद्र बोस को पुष्पांजलि अर्पित की

5 अर्शदीप भारत के लिए सबसे ज्यादा टी 20 विकेट लेने वाले गेंदबाज बने

8 ईसबगोल एक अत्यंत महत्वपूर्ण औषधीय फसल

मौसम जम्मू
न्यूनतम 8
अधिकतम 19

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

देहात संदेश

वर्ष-22, जम्मू तवी, अंक-23 | जम्मू तवी, शुक्रवार 24 जनवरी, 2025 | मूल्य-3 रूपये- (लेह)4 रूपये | पृष्ठ -8

कंफर्ट जोन से बचें, श्रेष्ठता, दक्षता पर फोकस करें युवा: मोदी

नयी दिल्ली, 23 जनवरी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए देश के युवाओं का आह्वान किया कि वे विकसित भारत के निर्माण के लिए आरामतलबी से दूर रह कर श्रेष्ठता, परिश्रम एवं दक्षता पर फोकस करके वैश्विक स्तर पर सर्वश्रेष्ठ हासिल करें।

श्री मोदी ने नेताजी की जयंती पर ओडिशा के कटक में आयोजित पराक्रम दिवस कार्यक्रम को वीडियो लिंक से संबोधित करते हुए कहा कि आज जब हमारा देश विकसित भारत के संकल्प की सिद्धि में जुटा है, तब नेताजी सुभाष के जीवन से हमें निरंतर प्रेरणा मिलती है। नेताजी के जीवन का सबसे बड़ा लक्ष्य था- आजाद हिंद। उन्होंने अपने संकल्प की सिद्धि के लिए अपने फैसले को एक ही कसौटी पर परखा- आजाद

हिंद।

प्रधानमंत्री ने कहा, नेताजी एक समृद्ध परिवार में जन्मे, उन्होंने सिविल सर्विसेस की परीक्षा पास की। वो चाहते तो अंग्रेजी शासन में एक वरिष्ठ अधिकारी बनकर आराम की जिंदगी जीते, लेकिन उन्होंने आजादी के लिए कष्टों को चुना, चुनौतियों को चुना, देश विदेश में भटकना पसंद किया, नेता जी सुभाष कंफर्ट जोन के बंधन में नहीं बंधे। इसी तरह आज हम सभी को विकसित भारत के निर्माण के लिए अपने कंफर्ट जोन से बाहर निकलना है। हमें खुद को ग्लोबली बेस्ट बनाना है, एक्सीलेंस को चुनना ही है, एफिशिएंसी पर फोकस करना है।

उन्होंने कहा कि नेताजी ने देश की स्वतंत्रता के लिए आजाद हिंद फौज बनाई, इसमें देश के हर क्षेत्र हर वर्ग के वीर और वीरांगनाएं शामिल थीं। सबकी भाषाएं अलग-अलग थीं, लेकिन भावना एक थी देश की आजादी। यही एकजुटता आज विकसित भारत के लिए भी बहुत बड़ी सीख है। तब स्वराज के लिए हमें एक होना था, आज विकसित भारत के लिए हमें एक रहना है। श्री मोदी कहा, आज देश में विश्व में हर तरफ भारत की प्रगति के लिए अनुकूल माहौल है। दुनिया भारत की ओर देख रही है कि कैसे हम इस 21वीं सदी को भारत की शताब्दी बनाते हैं और ऐसे महत्वपूर्ण कालखंड में हमें नेताजी सुभाष की प्रेरणा से भारत की एकजुटता पर बल देना है। हमें उन लोगों से भी सतर्क रहना है, जो देश को कमजोर करना चाहते हैं, जो देश की एकता को तोड़ना चाहते हैं उन्होंने कहा, नेताजी सुभाष भारत की विरासत पर बहुत गर्व करते थे। वे अक्सर भारत के समृद्ध लोकतांत्रिक इतिहास की चर्चा करते थे और उससे प्रेरणा लेने के लिए समर्थक थे।

मुख्यमंत्री उमर ने जम्मू-कश्मीर में प्रमुख जलविद्युत परियोजनाओं को शीघ्र पूरा करने पर जोर दिया

जम्मू 23 जनवरी। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने नागरिक सचिवालय में जम्मू-कश्मीर राज्य विद्युत विकास निगम लिमिटेड की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें नई जलविद्युत परियोजनाओं के क्रियान्वयन में हुई प्रगति और इन परियोजनाओं से विद्युत उत्पादन में अपेक्षित वृद्धि का आकलन किया गया।

इस बैठक में मुख्यमंत्री के सलाहकार नासिर असलम वानी, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव धीरज गुप्ता, विद्युत विकास विभाग के प्रमुख सचिव राजेश एच. प्रसाद, वित्त विभाग के प्रमुख सचिव संतोष डी. वैद्य, जेकेएसपीडीसी के प्रबंध निदेशक पंकज मगोत्रा तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने इन परियोजनाओं की जन उपयोगिता सुनिश्चित करने के लिए समय पर क्रियान्वयन की आवश्यकता पर बल दिया और निर्माणाधीन परियोजनाओं के मामले में संविदा संबंधी मुद्दों, समय और वित्तीय ओवररन तथा चालू परियोजनाओं के संचालन और रखरखाव के मुद्दों जैसी चुनौतियों से निपटने के महत्व पर बल दिया।

अगले पांच वर्षों के लिए रोडमैप प्रस्तुत किया

गया, जिसमें बढ़ती ऊर्जा मांगों को पूरा करने के लिए पर्याप्त क्षमता वृद्धि दिखाई गई, जिससे धीरे-धीरे बिजली आयात पर निर्भरता कम होगी और राज्य की ऊर्जा आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिलेगा। आगामी परियोजनाओं, विस्तृत परियोजना रिपोर्ट निर्माण और मूल्यांकन पर भी चर्चा की गई और जेकेएसपीडीसी को चेनाब, झेलम, रावी और सिंधु नदियों पर जलविद्युत परिसंपत्तियों के विकास के लिए रणनीतिक परियोजना नियोजन पर ध्यान केंद्रित करने के लिए कहा गया। सतत ऊर्जा के लिए सरकार की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डालते हुए, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने अधिकारियों से रुकी हुई परियोजनाओं के पुनरुद्धार योजनाओं का अध्ययन करने और उन्हें कुशलतापूर्वक निष्पादित करने का आग्रह किया। उन्होंने जेकेएसपीडीसी के सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान करने के लिए सक्रिय दृष्टिकोण अपनाने का आह्वान किया और इस बात पर जोर दिया कि हमारी ऊर्जा मांग को पूरा करने के लिए जम्मू-कश्मीर की जलविद्युत क्षमता को बढ़ाना आवश्यक है। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा, जम्मू-कश्मीर को बिजली अधिशेष वाले राज्य के रूप में विकसित करने के लिए जलविद्युत परियोजनाओं का समय पर क्रियान्वयन आवश्यक है। मैं सभी हितधारकों से आग्रह करता हूं कि वे चुनौतियों का सक्रियता से समाधान करें और जनहित में चल रहे कार्यों में तेजी लाएं।卐 इससे पहले, प्रमुख सचिव पीडीडी ने जम्मू-कश्मीर में जलविद्युत विकास की स्थिति पर विस्तृत जानकारी दी।

एडीजीपी जम्मू के नाम से एक फर्जी फेसबुक अकाउंट बना, कानूनी कार्रवाई शुरू

जम्मू, 23 जनवरी । अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजीपी) जम्मू के नाम से एक फर्जी फेसबुक अकाउंट बनाया गया है। पुलिस ने इस संबंध में कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

एक पुलिस प्रवक्ता ने कहा कि यह हमारे ध्यान में आया है कि आनंद जैन आईपीएस के नाम का उपयोग करके एक फर्जी फेसबुक अकाउंट बनाया गया है जिसमें एडीजीपी की प्रोफाइल तस्वीर और एक भ्रामक परिचय है जो विभाग जम्मू और कश्मीर एडीजीपी, निदेशक, अग्निशमन और आपातकालीन सेवाएं, जेएंडके से जुड़ा होने का दावा करता है। इस धोखाधड़ी वाले खाते का इस्तेमाल जनता को गुमराह करने और उनके भरोसे का फायदा उठाने के लिए किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि हम इस तरह की अनैतिक और धोखाधड़ी गतिविधियों की कड़ी निंदा करते हैं

। जनता से सतर्क रहने और ऐसे फर्जी प्रोफाइल से संदेशों, मित्र अनुरोधों या किसी भी आग्रह का जवाब देने से बचने की अपील की जाती है। अतीत में इसी तरह के घोटाले के उदाहरणों से पीड़ितों को वित्तीय नुकसान और भावनात्मक संकट हुआ है। इस बीच एडीजीपी ने जोर देकर कहा कि यह धोखाधड़ी वाला कार्य एक गंभीर उल्लंघन है और जनता को गुमराह करने का प्रयास है।

पुलिस ने रामसू और गूल में चरस और हेरोइन के साथ दो लोगों को गिरफ्तार किया

जम्मू 23 जनवरी । ऑपरेशन संजीवनी के तहत मादक पदार्थों की तस्करी पर कड़ी कार्रवाई करते हुए एसएसपी रामबन श्री कुलबीर सिंह के नेतृत्व में रामबन पुलिस ने रामसू और गूल में मादक पदार्थों की तस्करी की कोशिशों को नाकाम करते हुए चरस और हेरोइन के साथ दो लोगों को गिरफ्तार किया है। रामसू थाने की पुलिस पार्टी ने गंगरो में विशेष नाका लगाया था। नाके के दौरान पुलिस पार्टी ने एक पैदल यात्री को रोका। पूछताछ करने पर उसने अपनी पहचान सुरजीत सिंह पुत्र भगत राम निवासी लूरू तहसील रामसू जिला रामबन के रूप में बताई। नाके के दौरान उसके पास से लगभग 89 ग्राम चरस बरामद की। इस संबंध में मामला दर्ज कर आगे की कार्यवाही शुरू कर दी है।

एक अन्य मामले में थाना गूल के एक पुलिस दल ने घोरा गली क्षेत्र में नाका चेकिंग ड्यूटी के दौरान एक पैदल यात्री को रोका जिसने अपनी पहचान मोहम्मद इरफान पुत्र अब्दुल रहमान निवासी प्रतमुल्ला गूल के रूप में बताई। जांच के दौरान उसके कब्जे से लगभग 03 ग्राम हेरोइन जैसा पदार्थ बरामद किया गया। एनडीपीएस अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत थाना गूल में मामला दर्ज किया गया। आरोपी व्यक्तियों को गिरफ्तार कर लिया गया है और प्रतिबंधित सामान जब्त कर आगे की जांच जारी है।

खेलो इंडिया विंटर गेम्स आने वाली प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करेगा : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली, 23 जनवरी । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लेह (लद्दाख) के एनडीएस स्टेडियम में गुरुवार से शुरू हुए खेलो इंडिया शीतकालीन खेल-2025 में भाग लेने वाले सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह टूर्नामेंट आने वाली प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करेगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने खेलो इंडिया विंटर गेम्स की कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर साझा करते हुए लिखा, 卐5वें खेलो इंडिया विंटर गेम्स 2025 में भाग लेने वाले सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं। मुझे यकीन है कि यह टूर्नामेंट आने वाली प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करेगा। उम्मीद है कि ये खेल खेल भावना का उत्सव भी बनेंगे।卐

उल्लेखनीय है कि इस आयोजन का पहला चरण केंद्रशासित प्रदेश लद्दाख की मेजबानी में हो रहा है और यह 27 जनवरी तक चलेगा। लद्दाख में आयोजित खेलों में कुल 594 प्रतिभागी शामिल हैं, जिनमें से 428 एथलीट हैं। केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर 22 से 25 फरवरी तक बर्फ के खेलों की मेजबानी करेगा।

इससे पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने खेलो इंडिया शीतकालीन खेल-2025 को दिए अपने संदेश में पूरे भारत में खेल गतिविधियों को फैलाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि लद्दाख और जम्मू-कश्मीर ने न केवल हमारे देश में खेल संस्कृति को ऊंचा किया है, बल्कि देश की सुंदरता और विविधता को प्रदर्शित करते हुए पर्यटन को भी बढ़ावा दिया है।

नागरिक जल संचय के लिए परकोलेटिंग वेल और सौर ऊर्जा के लिए सोलर रूफटॉप अपनाएं : अमित शाह

अहमदाबाद, 23 जनवरी। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को अहमदाबाद में 651 करोड़ रुपए के कुल 37 विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, स्वास्थ्य मंत्री ऋषिकेश पटेल और राज्य मंत्री जगदीशभाई विश्वकर्मा भी उपस्थित रहे।

केंद्रीय गृह मंत्री ने अहमदाबाद पूर्व, अहमदाबाद पश्चिम और गांधीनगर लोकसभा क्षेत्र में अहमदाबाद महानगर पालिका (एएमसी) के 95 करोड़ के 10 विकास कार्यों का लोकार्पण और 556 करोड़ रुपए के 27 कार्यों का शिलान्यास किया।

इस अवसर पर केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने 'भारत माता की जय' के नारे के साथ कहा कि, 卐आज नेताजी सुभाषचंद्र बोस की जयंती है, इस अवसर पर उन्हें श्रद्धांजलि देकर वंदन करता हूं।卐 उन्होंने कहा कि भारत माता के महान सपूत नेताजी ने गुलामी की जंजीरों को तोड़ने और देश को अंग्रेजों की गुलामी से मुक्त कराने के लिए दो नारे दिए थे- 'चलो दिल्ली' और 'तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा।' शाह ने कहा कि नेताजी ने आजाद हिंद फौज का गठन कर अपना पूरा जीवन देश की आजादी के लिए समर्पित कर दिया था। नेताजी युगों-युगों तक भारत के युवाओं के लिए पथप्रदर्शक बने रहेंगे। केंद्रीय गृह मंत्री ने राणीप क्षेत्र की जनता के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि, 卐इस क्षेत्र के लोगों ने मुझे पांच बार विधायक और दो बार सांसद चुना है। इस क्षेत्र के लोगों के लिए काम करना मेरा कर्तव्य है। चंद्रभागा नाला सहित आज जिन कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास हुआ है, उससे इस क्षेत्र की कई समस्याओं का स्थायी समाधान होगा। उन्होंने कहा कि मध्यमवर्ग के बच्चों के मनोरंजन के लिए एम्यूजमेंट पार्क बनाया जाएगा।

पंथाचौक में घर से तलाशी के दौरान कोडीन फॉस्फेट की 290 बोतलें बरामद, आरोपी गिरफ्तार

श्रीनगर, 23 जनवरी। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने एक गुप्त सूचना के आधार पर श्रीनगर के पंथाचौक इलाके में एक घर से तलाशी अभियान के दौरान कोडीन फॉस्फेट की 290 बोतलें बरामद कीं और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने गुरुवार को बताया कि विश्वसनीय सूचना के आधार पर पंथाचौक पुलिस स्टेशन द्वारा अठवाजन निवासी इरफान अहमद गनी के घर पर तलाशी अभियान चलाया गया जिसमें कोडीन फॉस्फेट की 290 बोतलें बरामद की गईं। तलाशी अभियान तहसीलदार पंथाचौक की मौजूदगी में चलाया गया। एनडीपीएस अधिनियम की धारा 8/21 के तहत मामला दर्ज किया गया है और आगे की जांच अभी जारी है

भारत में तेजी से बढ़ रहे मतदाता, 99.1 करोड़ हुई वोटर्स की संख्या

नई दिल्ली, 23 जनवरी। भारत में मतदाताओं की संख्या अब 99.1 करोड़ हो गई है, जो पिछले वर्ष लोकसभा चुनाव के समय 96.88 करोड़ थी। इसकी जानकारी चुनाव आयोग के आंकड़ों में दी गई है।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस से पहले जारी एक बयान में, चुनाव आयोग ने बुधवार को कहा कि मतदाता सूची युवा और लिंग-संतुलित दिखती है, जिसमें 18-29 आयु वर्ग के 21.7 करोड़ मतदाता हैं और मतदाता लिंग अनुपात 2024 में 948 से छह अंक बढ़कर 2025 में 954 हो गया है।

25 जनवरी को राष्ट्रीय मतदाता दिवस

राष्ट्रीय मतदाता दिवस हर वर्ष 25 जनवरी को निर्वाचन आयोग के स्थापना दिवस के रूप में मनाया जाता है, जिसकी स्थापना 1950 में इसी दिन हुई थी। नई दिल्ली। भारत में मतदाताओं की संख्या अब 99.1 करोड़ हो गई है, जो पिछले वर्ष लोकसभा चुनाव के समय 96.88 करोड़ थी। इसकी जानकारी चुनाव आयोग के आंकड़ों में दी गई है।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस से पहले जारी एक बयान में, चुनाव आयोग ने बुधवार को कहा कि मतदाता सूची युवा और लिंग-संतुलित दिखती है, जिसमें 18-29 आयु वर्ग के 21.7 करोड़ मतदाता हैं और मतदाता लिंग अनुपात 2024 में 948 से छह अंक बढ़कर 2025 में 954 हो गया है।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस हर वर्ष 25 जनवरी को निर्वाचन आयोग के स्थापना दिवस के रूप में मनाया जाता है, जिसकी स्थापना 1950 में इसी दिन हुई थी। 7 जनवरी को दिल्ली विधानसभा चुनाव कार्यक्रम की घोषणा करते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) राजीव कुमार ने कहा था कि भारत जल्द ही एक अरब से अधिक मतदाताओं का नया रिकॉर्ड बनाएगा।

उन्होंने कहा था, मतदाता सूची कल (6 जनवरी) जारी की गई। हमारे मतदाताओं की संख्या 99 करोड़ को पार कर गई है... हम बहुत जल्द एक अरब मतदाताओं वाला देश बनने जा रहे हैं, जो मतदान का एक और रिकॉर्ड होगा। मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, बिहार और पंजाब द्वारा एसएसआर (विशेष सारांश संशोधन) की घोषणा के बाद, जिसके परिणाम आज घोषित किए जाएंगे, हम पहली बार 99 करोड़ मतदाताओं को पार कर जाएंगे।

अवंतीपोरा में सरकारी स्कूल से हथियार और गोला-बारूद बरामद

पुलवामा, 23 जनवरी। सुरक्षाबलों ने जम्मू-कश्मीर के पुलवामा जिले के अवंतीपोरा इलाके में एक सरकारी स्कूल से हथियार और गोला-बारूद बरामद किया है। एक अधिकारी ने आज बताया कि पुलिस, सेना की 42 आरआर और सीआरपीएफ की 130 बटालियन के संयुक्त अभियान में सरकारी प्राथमिक स्कूल लारमूह से हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया है। उन्होंने कहा कि हथियारों और गोला-बारूद में एक ग्रेनेड, यूबीजीएल, इलेक्ट्रिक डेटोनेटर, नॉन-इलेक्ट्रिक डेटोनेटर, 10 गोलियां, एक पिस्तौल की मैगजीन शामिल हैं। इस संबंध में आगे की जांच जारी है।

सरकार बर्फ से ढके सुदूर इलाकों में शुरू करेगी हेलीकॉप्टर सेवा

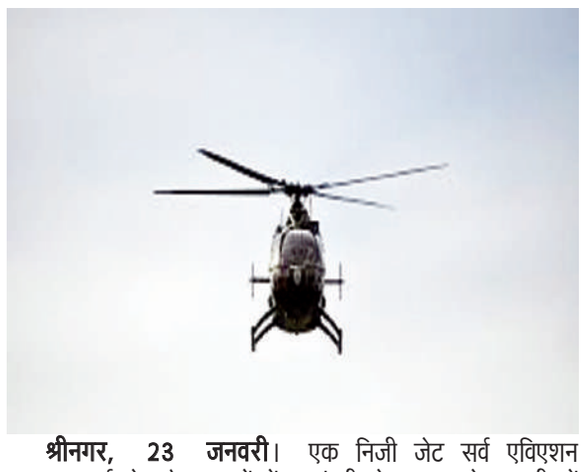

श्रीनगर, 23 जनवरी। सरकार बर्फ से ढके इलाकों में कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने के लिए गुरेज करनाह और तंगधार समेत सुदूर इलाकों में हेलीकॉप्टर सेवा शुरू करने जा रही है।

एक अधिकारी ने बताया कि एक निजी जेट सर्व एविएशन कंपनी ने आज गुरेज घाटी में हेलीकॉप्टर सेवा के लिए ट्रायल रन किया। उन्होंने बताया कि गुरेज के बागटोर इलाके में ट्रायल रन किया गया और बागटोर बडुआब, दावर और बडुगाम गांवों के लिए हेलीकॉप्टर सेवा जल्द ही शुरू होगी। उन्होंने बताया कि करनाह और तंगधार समेत अन्य बर्फ से ढके इलाकों में भी इसी तरह के ट्रायल किए जाएंगे। अधिकारी ने बताया कि आपात स्थिति के दौरान हवाई संपर्क प्रदान करने की व्यवहार्यता का आकलन करने के लिए यह सेवा शुरू की गई है। अधिकारी ने बताया कि हेलीकॉप्टर सेवा मुख्य रूप से मरीजों सरकारी कर्मचारियों और छात्रों सहित अन्य लोगों को आपातकालीन निकासी के लिए इस्तेमाल की जाएगी। भारी बर्फबारी के कारण इन इलाकों में आवाजाही बंद हो गई है क्योंकि बांदीपुरा-गुरेज़, कुपवाड़ा-तंगधार और करनाह-चौकीबल सड़कें बंद हैं।

सत शर्मा ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए नामांकन दाखिल किया

जम्मू 23 जनवरी । जम्मू-कश्मीर भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष सत शर्मा ने गुरूवार को भाजपा मुख्यालय त्रिकुटा नगर जम्मू में पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए नामांकन पत्र दाखिल किया।

सत शर्मा ने राष्ट्रीय स्तर पर पार्टी के चल रहे संगठन पर्व के तहत संगठनात्मक चुनावों के लिए राष्ट्रीय पर्यवेक्षक श्रीकांत शर्मा की मौजूदगी में प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए रिटर्निंग ऑफिसर संजय भाटिया को नामांकन पत्र दाखिल किया। बाद में भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सौदान सिंह भी चुनाव प्रक्रिया में शामिल हुए पूर्व भाजपा अध्यक्ष अशोक खजूरिया, संगठनात्मक चुनावों के लिए राज्य आरओ राकेश महाजन भी मंच पर मौजूद थे। इस अवसर पर महासचिव अशोक कौल, भाजपा के राष्ट्रीय सचिव डॉ. नरिंदर सिंह, सांसद जुगल किशोर शर्मा, सांसद राज्यसभा गुलाम अली खटाना, पूर्व उपमुख्यमंत्री डॉ. निर्मल सिंह, पूर्व उपमुख्यमंत्री कविंदर गुप्ता, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष रविंदर रैना, डॉ. देविंदर कुमार मन्याल, राज्य परिषद के सदस्य और राज्य अध्यक्ष चुनाव के लिए अन्य पात्र मतदाता मंच पर उपस्थित थे। पात्र भाजपा कार्यकर्ताओं ने जम्मू.कश्मीर से भाजपा राष्ट्रीय परिषद सदस्य के लिए भी फार्म भरे। इस अवसर पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए संजय भाटिया ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी को पूर्ण आंतरिक लोकतंत्र का अभ्यास करने का गौरव प्राप्त है जो संगठन में लोकतांत्रिक सिद्धांत की पहचान है। उन्होंने कहा कि एक निश्चित अवधि के बाद पार्टी प्रत्येक समर्पित पार्टी कार्यकर्ता को उसकी क्षमताओं के अनुसार उपयुक्त पद पर पार्टी की सेवा करने का मौका देती है।

कठुआ पुलिस ने अवैध खनन में लिप्त 02 डंपर किए जब्त

कठुआ 23 जनवरी । जब से कठुआ जिला खनन अधिकारी को प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ने निलंबित किया है तब से कठुआ में अवैध खनन, बिना ए फॉर्म और ओवरलोडिंग धडल्ले से जारी है। हालांकि जम्मू जिला खनन अधिकारी को कठुआ का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। लेकिन खनन विभाग का कोई भी कर्मचारी अधिकारी अवैध खनन पर नकेल कसने को तैयार नहीं। वहीं दूसरी और जम्मू कश्मीर पुलिस खनन विभाग का काम भी बखूबी निभा रही है। इसी क्रम में जम्मू-कश्मीर पुलिस कठुआ ने हटली क्षेत्र में अवैध खनन में लिप्त 02 डंपर जब्त किए।

जानकारी के अनुसार हटली पुलिस चैकी के प्रभारी पीएसआई शुभम महाजन के नेतृत्व में पुलिस चैकी हटली की एक पुलिस टीम ने डीएसपी मुख्यालय कठुआ मंजीत सिंह और एसएचओ पुलिस स्टेशन कठुआ के मार्गदर्शन में अपने अधिकार क्षेत्र हटली में गश्त के दौरान पंजीकरण संख्या जेके19ए-3305 और जेके02डीएन-4748 वाले दो डंपर जब्त किए, जो बिना किसी कानूनी अनुमति के अवैध खनन (खनिजों का परिवहन) में लिप्त थे। इस बीच अवैध खनन में लिप्त उक्त डंपरों को जब्त कर लिया गया और आगे की कार्रवाई के लिए तुरंत भूगर्भीय और खनन विभाग कठुआ के अधिकारियों को सौंप दिया गया।

साभार : अशोक कुमार मुनडेतिया

कैसे बचाएं बच्चों को ठंड से

इन दिनों जाड़ा चरम अवस्था पर है और बच्चे अपने रोग-प्रतिरोधक तंत्र के कमजोर होने के कारण इस मौसम में तकलीफें कुछ ज्यादा पाते हैं। नवजात शिशु से लेकर 8 से 10 साल की उम्र तक के बच्चे जाड़े में अधिक प्रभावित होते हैं।

नवजात शिशु और सजगता

सर्दियों के मौसम में शिशु का जन्म एक गर्म स्थान पर होना चाहिए। घर हो या अस्पताल जन्म के पहले ही नवजात के लिए एक गर्म स्थान की व्यवस्था कर लेनी चाहिए। जाड़े के मौसम में अगर बच्चे को गर्म स्थान न मिले, तो उसे सांस लेने तक में समस्या आ सकती है। नवजात को गर्मी देने के लिए रेडिएन्ट हीटर (तार वाला हीटर) या 200 वाट के दो बल्ब प्रयोग में लाये जा सकते हैं। प्रसव के स्थान पर धुएंदार अंगीठी या कंडे का प्रयोग न करें। इससे कार्बन मोनॉक्साइड पैदा होती है, जो सांस के जरिये फेफड़े के लिए अति हानिकारक हैं।

जन्मोपरांत बच्चे को गर्मी देने के लिए इसी प्रकार हीटर या 200 वाट के बल्ब का प्रयोग करें। परन्तु उत्तर प्रदेश में बिजली की आपूर्ति एक समस्या है। ऐसे में बच्चे को गर्मी देने के लिए उसके बिस्तर में, परन्तु उसके शरीर से कुछ दूर, गुनगुने पानी की बोतलें रखी जा सकती हैं। कमरे व बोतलों की गर्मी उचित तापमान में रहनी चाहिए। अगर कमरा 28 डिग्री सेंटीग्रेड पर गर्म है और बच्चे के शरीर का तापमान 98 से 99 डिग्री के बीच है, तो यह उचित होगा।

अन्य रोगों का अंदेशा

जाड़े के मौसम में बच्चों को सर्दी, खांसी और यहां तक कि निमोनिया (न्यूमोनिया) होने का खतरा बढ़ जाता है। निमोनिया का कारण वायरस और बैक्टीरिया का इन्फेक्शन दोनों ही हो सकते हैं। बच्चों को अधिक समय तक बन्द, गर्म और ऐसे कमरों (जिसमें अत्यधिक लोग आते-जाते हैं) में रखने से वाइरस और बैक्टीरिया के संक्रमण की आशंका बढ़ जाती है। इसके बचाव के लिए दिन के समय घरों के दरवाजे खुले रखे जा सकते हैं ताकि ताजी हवा घर के अन्दर आ सके। खुली हवा और धूप दोनों ही घर के अन्दर के संक्रमण को खत्म करने में

सहायक होते हैं। थोड़ी-बहुत सर्दी, जुकाम के लिये दवाएं सहायक नहीं होतीं बल्कि ऐसे में बिजली की केतली की सहायता से दिन में तीन चार बार बच्चे को भाप देना उचित होगा। भाप सादे पानी की ही दें। उसमें कोई दवा न डालें। दवाओं से एलर्जी बढ़ने का खतरा होता है।

वाइरल डायरिया

जाड़ों में अक्सर बच्चे वाइरल डायरिया से भी ग्रस्त हो सकते हैं। इस रोग का अन्य कारणों के साथ एक कारण जाड़े में हाथों या बर्तनों का ठीक से न धोना भी हो सकता है। बच्चों के हाथ साबुन से धुलवाएं। इस काम में आलस्य न करें या फिर हैंड सेनीटाइजर का प्रयोग करें। हैंड सेनीटाइजर सूखे हाथों पर ही लगाएं और लगाने के बाद ठीक प्रकार से दोनों हाथों को आपस में रगड़ लें। हैन्ड सेनीटाइजर का प्रयोग जीवाणुओं की रोकथाम का एक प्रभावी उपाय है।

तेल व क्रीम का प्रयोग

जैसे तिल, सरसों या नारियल का या फिर वैसलीन या क्रीम अवश्य लगाएं। शरीर पर तैलीय पदार्थ लगाने से त्वचा भी सुरक्षित रहती है।

इस मौसम में कपड़ों का चयन भी सावधानी से करें। बाजार में बहुत ही आकर्षक और गर्म दिखने वाले कपड़े दिखायी पड़ते हैं, परंतु वे उतने गर्म नहीं होते। जाड़े से बचाव के लिए कपड़े प्योर ऊल के ही लें। बच्चों के सिर का साइज उनके शरीर के अनुपात में बड़ा होता है। इसे ढक कर रखने से भी जाड़े से काफी बचत होती है।

बच्चों को गर्म रखने के लिए कुछ अधिक ऊर्जा की भी आवश्कता होती है। मेवा से स्वास्थ्यकर फूड कैलोरी मिलती है। बड़े बच्चों को मेवा देना बेहतर होगा।

रखें ध्यान, ठंड से न पड़ जाएं बीमार

ठंड का कहर न केवल बुजुर्गो बल्कि युवाओं पर भी भारी पड़ सकता है। ऐसे में यह आवश्यक है कि लोग अपनी सुरक्षा खुद करें और बचाव की राह पर चलें। सभी को शरीर को पूरी तरह ढक कर रखना चाहिए। बुजुर्ग व बच्चे सुबह व शाम के समय घर से बाहर निकलने से बचें और बीमार लोग सुबह के समय रक्तचाप की जांच जरूर कराएं, डॉक्टर के संपर्क में रहें तथा रक्तचाप नियंत्रित करने के लिए दवाएं लेते रहें।

इन बातों का भी रखें ध्यान

- स्कूटर व मोटरसाइकिल से चलने वाले लोग इस बात का ध्यान रखें कि हवा सीधे छाती पर न लगे।
- सूर्योदय के बाद ही सुबह टहलने के लिए निकलें, सुबह की सैर पर जाने से पहले गरम पदार्थ न लें।

- सुबह की सैर हवा के रुख के साथ करें।
- ध्यान रखें कि बच्चों के कपड़े गीले तो नहीं हैं।
- बच्चों के हाथ-पैर आदि धोने के लिए गर्म पानी का प्रयोग करें।
- आइसक्रीम, शीतल पेय व शरबत जैसी ठंडी चीजों का सेवन न करें।
- त्वचा की सफाई के लिए साबुन व शैंपू की जगह बेसन व दही का प्रयोग करें।
- नहाने अथवा हाथ-मुंह धोने के लिए गुनगुने पानी का प्रयोग करें।

कहीं सर्दी में अकड़ न जाए घुटना

सर्दी में लोग चटपटा खाना ज्यादा पसंद करते हैं। लेकिन, कहीं ऐसा न हो कि वसा युक्त अधिक खाना सेहत के लिए भारी पड़ जाए। विशेषकर गठिया के मरीजों के लिए ऐसा भोजन बहुत नुकसानदेह साबित हो सकता है। इससे पहले कि चलना फिरना भी मुश्किल हो जाए, सचेत हो जाएं। क्योंकि सर्दियों में गठिया की परेशानी बढ़ जाती है।

एम्स के रुमेटोलॉजी विभाग की प्रमुख प्रो. उमा कुमार ने बताया कि ठंड के मौसम में ऑस्टियो अर्थाराइटिस की परेशानी ज्यादा होती है। इसका कारण यह है कि इस मौसम में लोग ज्यादा खाना खाते हैं। लेकिन, घी, तेल, व वसा युक्त भोजन का इस्तेमाल अधिक करते हैं। ठंड के कारण लोग व्यायाम नहीं करते। अधिक खाने व व्यायाम नहीं करने से शरीर का वजन बढ़ जाता है। इस कारण गठिया के मरीजों का शरीर अकड़ने लगता है। इसके अलावा इस बीमारी का कारण विटामिन डी की कमी है। सर्दी में धूप कम निकलने से शरीर को पर्याप्त विटामिन डी नहीं मिल पाता। इस वजह से गठिया की परेशानी बढ़ जाती है। उन्होंने बताया कि जिन लोगों में विटामिन डी की कमी हो वे विटामिन डी की दवा ले सकते हैं। डॉ उमा ने बताया कि यह बीमारी घुटने में होती है। इसके कारण घुटना में सूजन व तेज दर्द होता है। गठिया देश में एक सामान्य बीमारी है। देश की करीब 20 फीसद जनसंख्या इस बीमारी से ग्रसित है। करीब 4.60 करोड़ लोगों को घुटने की गठिया है।

जानिए कैसे बनाए मातृत्व का अहसास खूबसूरत

खुबसूरत अहसास है मातृत्व। जैसे ही आपको पता चलता है कि आप मां बनने वाली हैं, उसी समय से गर्भस्थ शिशु के साथ एक रिश्ता बन जाता है। उसका विकास सही ढंग से हो, इसके लिए आप हर एहतियात बरतने की कोशिश करती हैं। इस लिहाज से खानपान पर ध्यान देना सबसे जरूरी हैं, क्योंकि आपके जरिए ही पोषण गर्भस्थ शिशु तक पहुंचता है। अगर आपका खानपान ठीक नहीं है तो यह और भी जरूरी हो जाता है कि आप संतुलित आहार के सेवन की आदत डालें। गर्भावस्था के दौरान आपका शरीर भोजन के जरिए प्राप्त होने वाली ऊर्जा का बेहतर इस्तेमाल सुनिश्चत करता है। इस दौरान आपको अपना खानपान ऐसा रखना चाहिए कि शरीर को कुछ विशेष विटामिन्स और मिनरल्स जैसे फोलिक एसिड और आयरन इत्यादि और कुछ अधिक कैलोरी प्राप्त हो सके। इसके साथ ही कोशिश करनी चाहिए कि जंक फूड से दूर रहें। यदि किसी महिला का खानपान पहले से ही संतुलित पोषण वाला रहा है तो उसके शरीर में इन तत्वों का कुछ भंडार रहता है, जिससे गर्भस्थ शिशु की जरूरत पूरी हो सके। ऐसे में मां की सेहत को भी कोई नुकसान नहीं पहुंचता।

भोजन की मात्रा :

अक्सर लोग सलाह देते हैं कि गर्भावस्था के दौरान मां को दो लोगों की जरूरत के अनुसार भोजन ग्रहण करना चाहिए, जबकि हकीकत में एक सामान्य महिला को गर्भावस्था के पहले छह माह तक अतिरिक्त कैलोरी की आवश्यकता नहीं होती। इस दौरान भूख के अनुसार भोजन करना ही काफी रहता है।

जरूरत के मुताबिक आहार :

शरीर की बढ़ी हुई जरूरतों के अनुसार आपको संतुलित भोजन करना चाहिए। संतुलित आहार वह है जिसमें विभिन्न प्रकार का पोषण प्रदान करने वाले खाद्य पदार्थ शामिल हों। उदाहरण के तौर पर ऊर्जा देने वाले पोषक तत्व (कार्बोहाइड्रेट्स),शरीर का निर्माण करने वाले तत्व (प्रोटीन) और सुरक्षा प्रदान करने वाले तत्व (मिनरल्स-विटामिन्स) इत्यादि की उचित मात्रा वाला आहार संतुलित आहार कहलाता है। शरीर की अवस्था के अनुसार भोजन में इन पोषक तत्वों को पर्याप्त मात्रा में शामिल करना चाहिए, क्योंकि गर्भावस्था, शरीर की बनावट या शारीरिक मेहनत के अनुसार इस जरूरत का निर्धारण होता है।

ऊर्जा :

आमतौर पर गर्भावस्था के अंतिम महीनों में शरीर को कुछ अधिक मात्रा में कैलोरी की जरूरत होती है (हालांकि यह बढ़ोत्तरी 15 प्रतिशत से अधिक नहीं होनी चाहिए। आहार विशेषज्ञ भोजन में रोजाना 300 कैलोरी अधिक शामिल करने की सलाह देते हैं। इस जरूरत को आप हाई कैलोरी वाले खाद्य पदार्थो जैसे दूध, नट्स, सूखे मेवों, सोया उत्पादों के सेवन के जरिए पूरा कर सकती हैं।

प्रोटीन :

प्रोटीन की अतिरिक्त मात्रा गर्भस्थ शिशु के तेजी से विकास, गर्भनाल, स्तन ग्रंथियों व गर्भाशय के विस्तार, एमनियोटिक फ्लूइड के निर्माण व भंडारण, सहज प्रसव, मां के दूध के निमार्ण के लिए जरूरी है। मां के जरिए गर्भस्थ शिशु तक अमीनो एसिड पहुंचाने के लिए भी यह जरूरी है। गर्भावस्था के दौरान रोजाना आहार में 15 ग्राम प्रोटीन की अतिरिक्त मात्रा शामिल करने की सलाह दी जाती है। दूध, मांस, अंडा और चीज इत्यादि प्रोटीन के अच्छे स्रोत हैं।

आयरन :

गर्भावस्था के दौरान आहार में रोजाना आठ ग्राम आयरन की अतिरिक्त मात्रा यानी 38 ग्राम आयरन प्रतिदिन भोजन में शामिल करने की सलाह दी जाती है। आमतौर पर जन्म के समय शिशु के रक्त में हीमोग्लोबिन का स्तर 18-22 मिली./डीएल (डेसीलीटर) रहता है। गर्भस्थ शिशु और गर्भनाल के विकास के लिए आयरन बहुत जरूरी है। रक्त में हीमोग्लोबिन का स्तर बढ़ाने के लिए भी इसकी समुचित मात्रा प्राप्त होना आवश्यक है। हरी सब्जियां, अंडा, दालों और आयरन युक्त नमक इसका अच्छा स्रोत हैं।

फोलिक एसिड :

एक सामान्य महिला को रोजाना 100 मिलीग्राम फोलिक एसिड की जरूरत होती है, पर विशेषज्ञ गर्भावस्था के दौरान रोजाना 400 मिलीग्राम फोलिक एसिड प्राप्त करने की सलाह देते हैं। इसकी कमी से गर्भावस्था में मैक्रोसाइटिक एनीमिया व गर्भस्थ शिशु के मस्तिष्क व रीढ़ के विकास में दोष उत्पन्न हो सकता है। गहरे हरे रंग की पत्तेदार सब्जियों जैसे पालक व सिट्रस फलों में यह अ%छी मात्रा में पाया जाता है।

कैल्शियम :

गर्भस्थ शिशु की हड्डियों व दांतों के विकास के लिए कैल्शियम की आवश्यकता होती है। गर्भावस्था की अंतिम तिमाही में इसकी करीब 25-30 ग्राम मात्रा गर्भस्थ शिशु तक पहुंचती है। दूध, दही, मट्ठा इत्यादि इसके अच्छे स्रोत हैं। इनमें उच्च मात्रा में कैल्शियम के साथ ही विटामिन बी 12 भी पाया जाता है। अगर आपको दूध और उससे निर्मित उत्पादों से एलर्जी है तो इन तत्वों के सेवन के विषय में अपने चिकित्सक से परामर्श ले सकती हैं।

विटामिन ए :

आमतौर पर एक महिला को 2400 माइक्रोग्राम बी कैरोटिन की आवश्यकता होती है। गर्भावस्था के दौरान भी इसकी इतनी ही मात्रा ग्रहण करने की जरूरत होती है। अंडे की जर्दी, मक्खन, गहरे हरे और पीले रंग की सब्जियां और फल विटामिन ए के अच्छे स्रोत हैं।

विटामिन डी :

मां का शरीर कैल्शियम को भली प्रकार एब्जा ?र्ब्व कर सके, इसके लिए विटामिन डी लेना बेहद जरूरी है। सूरज की किरणों से विटामिन डी मिलता है, जिसकी मदद से शरीर दूध, दालों इत्यादि से मिलने वाले कैल्शियम को भली प्रकार ग्रहण कर पाता है।

सोडियम :

किसी प्रकार के विकारों, डिसऑर्डर और कमी से बचने के लिए एक सामान्य महिला के शरीर में सोडियम की समुचित मात्रा पहुंचनी चाहिए। आहार में इसकी कमी से हार्मोन संबंधी बदलाव उत्पन्न हो सकते हैं। गर्भावस्था के दौरान ऐसी दवाओं से बचना चाहिए, जिनसे बार बार-बार टॉयलेट जाने की आवश्यकता महसूस हो, क्योंकि इससे शरीर से जरूरी सोडियम भी निकल जाता है। अगर हाइपरटेंशन जैसी कोई समस्या है, तब सोडियम की मात्रा सीमित करने की सलाह दी जाती है।

तरल पदार्थ :

शरीर में पानी की कमी न होने दें। भरपूर मात्रा में पानी पीने के साथ ही ताजे फलों का रस ग्रहण करें। जब भी घर से बाहर जाएं तो पीने का पानी साथ ले जाएं, क्योंकि बहुत सी बीमारियां अशुद्ध पानी के कारण होती हैं।

वसा :

इस दौरान अपने कुकिंग ऑयल व वसा पर ध्यान देना भी जरूरी है। घी, मक्खन और नारियल तेल में सैचुरेटेड फैट्स काफी ज्यादा होते हैं, इसलिए इनके सेवन से बचना चाहिए। इनके अलावा वनस्पति घी में ट्रांस फैट्स की मात्रा अधिक होती है और यह भी सैचुरेटेड फैट के जितना ही नुकसानदेह होता है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुंद्रक – नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड़, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-बी, फेस- 2, इंडस्ट्रियल इस्टेट, गंग्याल जम्मू से मुद्रित। संपादक– नीलम सिंह गिल। फोन नंबर : (95) 191-2574109, 2548103 RNI Regd. No: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

नेताजी सुभाष चंद्र बोस को पुष्पांजलि अर्पित की

कठुआ 23 जनवरी (हि.स.)। जीडीसी महानपुर की एनएसएस इकाई ने नेता जी सुभाष चंद्र बोस की जयंती मनाई। इस अवसर पर जीडीसी महानपुर के स्टाफ सदस्यों द्वारा नेताजी को पुष्पांजलि अर्पित की गई।

यह पूरा कार्यक्रम प्रिंसिपल डॉ संगीता सूदन के कुशल मार्गदर्शन में आयोजित किया गया था। उन्होंने बताया कि यह राष्ट्रीय कार्यक्रम भारत में प्रमुख भारतीय स्वतंत्रता सेनानी नेताजी सुभाष चंद्र बोस के जन्मदिन को चिह्नित करने के लिए मनाया जाता है। उन्होंने भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। कार्यक्रम में मौजूद स्टाफ सदस्यों में प्रोफेसर मोहिंदर नाथ शर्मा, डॉ सुदेश कुमार, निशा, डॉ जोगबिंदर सिंह सूदन, डॉ सपना देवी, डॉ निशा, डॉ बबली, डॉ अंजू बाला, डॉ योगराज, डॉ निशु, नमिता ट्रोगिया, दिव्या, डॉ सुहैल अहमद डार, समीक्षा शर्मा, मोनिका देवी, अनुराधा, पूजा संब्याल, शिवानी पनूच शामिल थे।

एसएमवीडीयू के छात्रों ने विश्वकर्मा पुरस्कार में अपना जलवा बिखेरा

जम्मू, 23 जनवरी (हि.स.)। श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय (एसएमवीडीयू) के मैकेनिकल इंजीनियरिंग स्कूल के छात्रों की एक टीम ने एक असाधारण उपलब्धि हासिल करते हुए प्रतिष्ठित विश्वकर्मा पुरस्कार 2024 में 600 टीमों में से 11वां स्थान हासिल किया।

आईआईटी हैदराबाद के सहयोग से मेकर भवन द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम का विषय स्वच्छ और हरित प्रौद्योगिकी था।

एसएमवीडीयू की टीम ने अपने अभूतपूर्व आविष्कार - एक गैर-इलेक्ट्रिक स्वचालित गड्ढे भरने वाली मशीन के लिए ध्यान आकर्षित किया। यह पर्यावरण अनुकूल नवाचार बुनियादी ढांचे के रखरखाव की चुनौती के लिए एक टिकाऊ और कुशल समाधान प्रदान करता है, जो गड्ढों की मरम्मत के तरीके को बदलने का वादा करता है।

वी. यश राज के नेतृत्व वाली और सात्विक शर्मा, सहज प्रताप सिंह और ज़फीर अशरफ बेग की टीम ने असाधारण सरलता और टीम वर्क का प्रदर्शन किया।

उनके प्रोजेक्ट का मार्गदर्शन डॉ. संजय मोहन ने किया जिनकी सलाह ने उनके डिजाइन और निष्पादन को निखारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विश्वकर्मा पुरस्कार प्रतिभा को पहचानने और अभिनव प्रौद्योगिकी के माध्यम से सतत विकास को आगे बढ़ाने के लिए मनाए जाते हैं। प्रतिभागियों के एक विविध समूह के साथ प्रतिस्पर्धा करते हुए, एसएमवीडीयू की टीम अपने व्यावहारिक दृष्टिकोण और पर्यावरणीय स्थिरता के प्रति प्रतिबद्धता के लिए सबसे आगे रही, और अपने उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रशंसा अर्जित की।

'जेजेएम ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में पानी की समस्या को कम कर रहा'

कठुआ, 23 जनवरी (हि.स.)। जसरोटा विधायक राजीव जसरोटिया ने गुरूवार को ब्लॉक डिंगा अंब की पंचायत चिल्ख पश्चिम में 4.35 करोड़ रुपये की लागत वाली जल जीवन मिशन परियोजना का उद्घाटन किया, जिससे क्षेत्र की 2500 आबादी को लाभ मिलेगा।

इस अवसर पर बोलते हुए जसरोटिया ने कहा कि जम्मू कश्मीर में जल शक्ति मिशन बहुत महत्वपूर्ण है। खासकर ग्रामीण पहाड़ी क्षेत्रों में।

मिशन का प्राथमिक उद्देश्य व्यक्तिगत घरेलू नल कनेक्शन के माध्यम से सुरक्षित और पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराना है। जसरोटिया ने कहा कि विभाग के प्रयास स्थायी जल प्रबंधन समाधान प्रदान करने पर केंद्रित हैं, खासकर ग्रामीण पहाड़ी क्षेत्रों में जहां स्वच्छ पेयजल तक पहुंच एक बड़ी चुनौती है। जसरोटिया ने कहा कि समय की मांग है कि जल-बचत उपायों को लागू किया जाए और स्थानीय समुदाय के बीच जल संरक्षण प्रथाओं को बढ़ावा दिया जाए, जिससे ग्रामीण परिवारों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए जलापूर्ति योजनाओं को विकसित और उन्नत करने में मदद मिलेगी। 2019 में शुरू किया गया जल शक्ति अभियान जल-तनावग्रस्त जिलों और ब्लॉकों पर केंद्रित है, जो विभिन्न मंत्रालयों और राज्य सरकारों के बीच सहयोगात्मक प्रयासों को बढ़ावा देता है।

जसरोटिया ने कहा कि अभियान में मनरेगा और प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना जैसी योजनाओं से धन का उपयोग करके ग्रामीण क्षेत्रों में जल निकायों का जीर्णोद्धार भी शामिल है। विधायक जसरोटा ने जल संरक्षण और प्रबंधन में क्षेत्र की प्रगति को प्रदर्शित करते हुए जम्मू-कश्मीर में पीएम मोदी सरकार की उपलब्धियों पर भी प्रकाश डाला। भाजपा सरकार वास्तव में जम्मू-कश्मीर में लोगों के दरवाजे पर सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। यह प्रतिबद्धता क्षेत्र में शांति, स्थिरता और विकास सुनिश्चित करने के उनके प्रयासों में परिलक्षित होती है।

विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए लड़कियों को सशक्त बनाना विषय पर संगोष्ठी का आयोजन

जम्मू 23 जनवरी (हि.स.)। राष्ट्रीय बालिका दिवस की पूर्व संध्या पर महिला अध्ययन केंद्र ने जम्मू विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए लड़कियों को सशक्त बनाना विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया।

प्रो. सविता नैयर, निदेशक महिला अध्ययन केंद्र, जम्मू विश्वविद्यालय ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाने के महत्व पर प्रकाश डाला।

उन्होंने उदाहरणों की मदद से इस वर्ष के विषय यानी उज्ज्वल भविष्य के लिए लड़कियों को सशक्त बनाना को समझाया और इसे वर्तमान समाज से जोड़ा तथा सतत विकास के लिए लड़कियों के सशक्तीकरण के महत्व पर ध्यान केंद्रित किया।

उन्होंने बालिकाओं के घटते लिंग अनुपात के कारणों को समझाया और समाजीकरण की प्रक्रिया पर भी प्रकाश डाला जो समाज में पुरुष और महिला से अलग.अलग लिंग अपेक्षाएं पैदा करने वाली विभिन्न लिंग भूमिकाओं को जन्म देती है। इसके अलावा उन्होंने कहा कि इस तरह की गतिविधियों का आयोजन करके केंद्र विश्वविद्यालय में जागरूकता और समावेशी माहौल बनाने की कोशिश कर रहा है।

पुंछ में डीएम शतरंज चैंपियनशिप का समापन

पुंछ 23 जनवरी (हि.स.)। डीएनआरएम गर्ल्स हायर सेकेंडरी स्कूल में तीन दिनों की कड़ी प्रतिस्पर्धा के बाद डीएम शतरंज चैंपियनशिप का सफलतापूर्वक समापन हुआ जिसमें पुरुष और महिला दोनों ही प्रतिभागियों ने उल्लेखनीय प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

समापन समारोह में उपायुक्त विकास कुंडल ने प्रतिभागियों से बातचीत की और उन्हें बधाई और समर्थन दिया।कार्यक्रम अधिकारी आईसीडीएस खालिद हुसैन वफा, डिप्टी एसएसओ मूल राज उत्तम, प्रो. शमीम बांडे, प्रिंसिपल अंजुमन शाहीन और पीईएम विजय कुमार तथा अन्य सम्बंधित अधिकारी भी उपस्थित थे।

चैंपियनशिप में कुल 57 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। महिला वर्ग में हीना मीर ने शीर्ष स्थान हासिल किया जबकि वंशिका रैना और आर्य कौसर ने क्रमशः दूसरा और तीसरा पुरस्कार जीता। लड़कों की श्रेणी में सर्वजोत सिंह ने पहला पुरस्कार जीता, उसके बाद दीराज शर्मा ने दूसरा और नितिन शर्मा ने तीसरा स्थान हासिल किया।

बाद में उपायुक्त ने विजेताओं को पुरस्कार और चेक प्रदान किए और खेल के प्रति उनकी कड़ी मेहनत और समर्पण की सराहना की। इस आयोजन ने न केवल खिलाड़ियों के कौशल को उजागर किया बल्कि समुदाय के भीतर सौहार्द और खेल भावना को भी बढ़ावा दिया।

रैली निकाल क्षय रोग के प्रति किया जागरूक

कठुआ 23 जनवरी (हि.स.)। जिला क्षय रोग अधिकारी कठुआ डॉ राधा कृष्ण के निर्देशों पर गर्ल्स हायर सेकेंडरी स्कूल की छात्राओं द्वारा एक रैली का आयोजन किया गया। रैली का उद्देश्य जिला कठुआ में क्षय रोग को खत्म करने के लिए 100 दिनों के सक्रिय केस फाइंडिंग अभियान के प्रति आम जनता को जागरूक करना था।

रैली गर्ल्स हायर सेकेंडरी स्कूल कठुआ से शुरू होकर मुखर्जी चैक मुख्य बाजार कठुआ तक गई। रैली का समापन डीटीसी कठुआ में हुआ। यह 100 दिवसीय एसीएफ अभियान भारत के 347 जिलों और केंद्र शासित प्रदेश जम्मू कश्मीर के 4 जिलों में शुरू किया गया है, कठुआ जिला उनमें से एक है। इस अभियान का उद्देश्य टीबी के छूटे हुए मामलों का पता लगाना है। हालांकि सरकार के प्रयासों से महत्वपूर्ण परिणाम मिल रहे हैं, लेकिन समुदाय और समाज में संस्थान अंतराल को भरने और सामाजिक निर्धारकों को संबोधित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं, जिससे भारत को टीबी मुक्त बनाने के राष्ट्रीय लक्ष्य में योगदान दिया जा सके।

विधायक ने जम्मू में जन शिकायत शिविर लगाया

जम्मू 23 जनवरी (हि.स.)। भाजपा नेता एवं पूर्वी विधानसभा क्षेत्र के विधायक युद्धवीर सेठी ने पंडित प्रेम नाथ डोगरा भवन कच्ची छावनी जम्मू में जन शिकायत शिविर लगाया और जनता की समस्याएं सुनीं। शिविर में जम्मू शहर से बड़ी संख्या में लोग पहुंचे और वरिष्ठ भाजपा नेताओं से अपनी समस्याएं साझा कीं। शिविर में व्यक्तिगत रूप से विभिन्न प्रतिनिधिमंडलों ने राशन, शिक्षा, पेंशन, पीएचई, पीडीडी, राजस्व, बिजली, पानी की कमी, सड़कें और अन्य विकास संबंधी विषयों के साथ.साथ व्यक्तिगत मुद्दों पर अपनी शिकायतें प्रस्तुत कीं। युद्धवीर सेठी ने प्रतिनिधिमंडलों की समस्याओं को ध्यान से सुना और उनकी अधिकांश समस्याओं का तत्काल समाधान किया। सेठी ने कहा कि भाजपा आम लोगों और विशेष रूप से जम्मू शहर के लोगों की रोजमर्रा की समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्ध है और पार्टी प्रशासन और लोगों के बीच की खाई को कम करने का ईमानदार प्रयास कर रही है। वरिष्ठ भाजपा नेता ने कहा कि केवल भाजपा ही जम्मू-कश्मीर के लोगों के सपनों और आकांक्षाओं को पूरा कर सकती है और उनकी समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर हल कर सकती है।

अटल सेतु बसोहली पर शानदार लाइटिंग का अनावरण

कठुआ 23 जनवरी (हि.स.)। बसोहली स्थित प्रतिष्ठित अटल सेतु को शानदार रूप दिया गया है जिससे यह स्थानीय लोगों और पर्यटकों के लिए और भी आकर्षक बन गया है। विधायक बसोहली दर्शन सिंह, एसीबी निदेशक शक्ति पाठक और डीसी डॉ. राकेश मिन्हास ने नई लाइट्स का औपचारिक रूप से उद्घाटन किया।

जिला प्रशासन की यह पहल लंबे समय से लंबित सार्वजनिक मांग को पूरा करती है, जिसका उद्देश्य पुल के दृश्य आकर्षण को बढ़ाना और क्षेत्र में एक प्रमुख पर्यटक आकर्षण के रूप में इसकी स्थिति को मजबूत करना है। इस अवसर पर बोलते हुए विधायक बसोहली दर्शन सिंह ने इस मांग को पूरा करने में जिला प्रशासन के प्रयासों की सराहना की, उन्होंने कहा कि सामने की लाइट्स बसोहली शहर के सौंदर्य को बढ़ाएँगी और क्षेत्र में अधिक आगंतुकों को आकर्षित करेंगी। निदेशक एसीबी शक्ति पाठक जो धरतीपुत्र हैं ने कहा कि लाइटिंग ने अटल सेतु के आकर्षण में एक नया आयाम जोड़ा है। उन्होंने अद्वितीय बसोहली आर्ट ऑन हाउस बिल्डिंग्स की अगुवाई करने के लिए प्रशासन की पहल की भी सराहना की, जिसने शहर को पारंपरिक कला और संस्कृति के जीवंत केंद्र में बदल दिया है।

कठुआ के डिप्टी कमिश्नर डॉ. राकेश मिन्हास ने इंजीनियरिंग उत्कृष्टता और क्षेत्रीय प्रगति के प्रतीक के रूप में अटल सेतु के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि अटल सेतु एक पुल से कहीं बढ़कर है यह कनेक्टिविटी, विकास और वास्तुकला की चमक का एक मील का पत्थर है। सामने की लाइटिंग इसकी भव्यता को और बढ़ा देती है, खासकर रात के समय जो इसे एक जरूरी जगह बनाती है। यह पहल निस्संदेह पर्यटन को बढ़ावा देगी और बसोहली को वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर प्रमुखता से स्थान दिलाएगी। डॉ. मिन्हास ने बसोहली को कला, संस्कृति और साहसिक पर्यटन के केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए जिला प्रशासन की प्रतिबद्धता को दोहराया।

गौरतलब है कि जम्मू-कश्मीर में उत्तर भारत का पहला केबल-स्टेड ब्रिज, अटल सेतु, रावी नदी पर बना है, जो केंद्र शासित प्रदेश को पंजाब और हिमाचल प्रदेश से जोड़ता है।

मुख्यमंत्री उमर ने बड़ी ब्राह्मणा में डॉ. बी.आर. अंबेडकर भवन का उद्घाटन किया

सांबा 23 जनवरी। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने समानता और न्याय को आगे बढ़ाने में डॉ. बी.आर. अंबेडकर और शेख मोहम्मद अब्दुल्ला के परिवर्तनकारी .ष्टिकोण पर जोर दिया।

बड़ी ब्राह्मणा में डॉ. बी.आर. अंबेडकर एजुकेशनल सोसाइटी द्वारा निर्मित डॉ. बी.आर. अंबेडकर भवन के उद्घाटन के अवसर पर बोलते हुए उन्होंने जम्मू-कश्मीर में शोषितों को सशक्त बनाने की दिशा में एक कदम के रूप में भूमि सुधारों के महत्व पर प्रकाश डाला। मुख्यमंत्री ने कहा डॉ. अंबेडकर ने भारत को उसका संविधान दिया, जिसमें बिना किसी भेदभाव के समान अधिकार दिए गए। उन्होंने हाशिए पर पड़े समुदायों के अधिकारों के लिए अथक संघर्ष किया, उन्हें आवाज, पहचान और सम्मान की भावना दी। जम्मू-कश्मीर में शेख मोहम्मद अब्दुल्ला ने शोषितों को सम्मान और भविष्य बहाल करने वाले भूमि सुधारों को लागू करके उनके .ष्टिकोण को पूरा किया। भूमि पहचान से गहराई से जुड़ी हुई है और इसे संरक्षित करना हमारी विरासत और भविष्य की सुरक्षा के लिए आवश्यक है। उन्होंने परिवर्तन के उत्प्रेरक के रूप में शिक्षा पर डॉ. अंबेडकर के जोर की प्रशंसा की।

उन्होंने कहा फ्रडॉ. अंबेडकर के नाम पर इस शिक्षा सोसायटी की स्थापना उनकी दूरदर्शिता को दर्शाती है। इस भूमि को व्यावसायिक उपयोग के बजाय एक पुस्तकालय, अध्ययन मंडल और सामुदायिक हॉल के लिए समर्पित किया गया है।

ये सुविधाएं युवाओं को डॉ. अंबेडकर के कार्यों का अध्ययन करने और शोध करने में सक्षम बनाएंगी, साथ ही जरूरतमंद लोगों के लिए सामाजिक समारोहों के लिए एक स्थान भी प्रदान करेंगी।

भारत के संविधान को तैयार करने में डॉ. अंबेडकर की भूमिका को याद करते हुए, उमर अब्दुल्ला ने इसके क्रांतिकारी सिद्धांतों का उल्लेख किया।

डॉ. बी.आर. अंबेडकर को बताया महिला सशक्तिकरण का प्रतीक

जम्मू, 23 जनवरी (हि.स.)। डॉ. बी.आर. अंबेडकर की लैंगिक समानता और न्याय के प्रति अटूट प्रतिबद्धता पीढ़ियों को प्रेरित करती रही है और महिला सशक्तिकरण के लिए भारत के सामाजिक-राजनीतिक ढांचे की आधारशिला बनी हुई है। इस विरासत पर प्रकाश डालते हुए जम्मू-कश्मीर भाजपा के प्रवक्ता और पूर्व उपाध्यक्ष बलबीर राम रतन ने गुरुवार को भाजपा महिला नेताओं के एक समूह को संबोधित किया।

भाजपा सचिव और महिला मोर्चा सहप्रभारी वीनू खन्ना, राज्य कार्यकारी सदस्य शैलजा गुप्ता, सुषमा रानी, पूजा ग्रोवर और सोनिका राव के साथ चर्चा के दौरान रतन ने महिलाओं के उत्थान के लिए डॉ. अंबेडकर के प्रगतिशील दृष्टिकोण पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अंबेडकर का दृढ़ विश्वास था कि कोई भी समाज अपनी महिलाओं को सशक्त किए बिना सच्ची प्रगति हासिल नहीं कर सकता। भारतीय संविधान की प्रारूप समिति के अध्यक्ष के रूप में डॉ. अंबेडकर ने महिलाओं के लिए समान अधिकारों की वकालत की, भेदभाव से बचाव के लिए प्रावधान किए और शिक्षा, संपत्ति के स्वामित्व और शोषण से सुरक्षा के अवसर सुनिश्चित किए। इन क्रांतिकारी सुधारों ने लैंगिक असमानताओं को दूर करने और महिलाओं की स्वतंत्रता को बढ़ावा देने की नींव रखी।

रतन ने डॉ. अंबेडकर की शिक्षा, आर्थिक स्वायत्तता और समान प्रतिनिधित्व को महिला सशक्तिकरण के लिए आवश्यक उपकरण के रूप में मानने की मान्यता को भी रेखांकित किया। उन्होंने कहा उनकी दृष्टि लैंगिक समानता की वकालत करने वाले आधुनिक आंदोलनों को प्रेरित करती रहती है।

बड़ी ब्राह्मणा औद्योगिक संघ के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री के सलाहकार से भेंट की

जम्मू 23 जनवरी। उमर के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा पेश किए जाने वाले पहले बजट से पहले बड़ी ब्राह्मणा उद्योग संघ के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री के सलाहकार नासिर असलम वानी से भेंट की और अपनी इकाइयों को आकर्षक बनाने के लिए मांगों की एक विस्तृत सूची प्रस्तुत की।

एसोसिएशन ने जम्मू-कश्मीर की मौजूदा परिचालन औद्योगिक इकाइयों को समर्थन और प्रोत्साहन देने के लिए टर्नओवर-आधारित प्रोत्साहनों के कार्यान्वयन को बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

इसने औद्योगिक इकाइयों को वित्तीय राहत सुनिश्चित करने के लिए बिना किसी सीमा के कार्यशील पूंजी ब्याज अनुदान के लिए एक समर्पित बजट की भी मांग की।

उनकी अन्य मांगों में स्थानीय एमएसएमई के लिए उनकी प्रतिस्पर्धात्मकता और बाजार हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए मूल्य और खरीद वरीयताओं की शुरूआत शामिल है। प्रतिनिधिमंडल ने जम्मू-कश्मीर में मौजूदा औद्योगिक इकाइयों के लिए लीजहोल्डर अधिकारों को फ्रीहोल्ड अधिकारों में बदलने के लिए कदम उठाने की भी मांग की।

इसके अलावा उन्होंने औद्योगिक एस्टेट बड़ी ब्राह्मणा में बुनियादी ढांचे के उन्नयन, जीएसटी से जुड़े प्रोत्साहन, सभी सरकारी विभागों द्वारा व्यापार करने में आसानी के सिद्धांतों को अपनाने, अनुमोदन और प्रक्रियाओं को कारगर बनाने के लिए एकल खिड़की प्रणाली पर शामिल होने की मांग की।

70 लाख रुपये की लागत के विकास कार्यों का शुभारंभ

बिश्नाह 23 जनवरी (हि.स.)। बिश्नाह विधानसभा क्षेत्र के विधायक डॉ. राजीव ने गुरूवार को बिश्नाह विधानसभा क्षेत्र की पंचायत कनहाल और पंचायत सेहोरा.बी में विकास कार्यों का उद्घाटन किया। लोगों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने और उनके घर.द्वार पर पूरी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए कैपेक्स और सीडी एंड पंचायत के तहत पंचायत कनहाल में 28 लाख रुपये और पंचायत सेहोरा.बी में 42 लाख रुपये की लागत से विकास कार्य शुरू किए गए। इस अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए डॉ. राजीव भगत ने बिश्नाह विधानसभा क्षेत्र के भविष्य के लिए अपने विजन को व्यक्त किया और इसे आदर्श विधानसभा क्षेत्र बनाने के लिए अपने अटूट समर्पण को व्यक्त किया।

नशीली दवाओं के दुरुपयोग पर जागरूकता व्याख्यान आयोजित किया

जम्मू, 23 जनवरी (हि.स.)। युवाओं और समुदाय को मादक द्रव्यों के सेवन के हानिकारक प्रभावों के बारे में शिक्षित करने के लिए भारतीय सेना ने सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय चन्नी परात में नशीली दवाओं के दुरुपयोग के महत्वपूर्ण मुद्दे पर एक प्रभावशाली व्याख्यान आयोजित किया। इस सत्र में 50 लड़के, 35 लड़कियाँ और 4 शिक्षक शामिल हुए जिसका उद्देश्य नशीली दवाओं की लत से होने वाले शारीरिक, मनोवैज्ञानिक और सामाजिक नुकसान को संबोधित करते हुए एक स्वस्थ और अनुशासित जीवन शैली को बढ़ावा देना था।

व्याख्यान की शुरुआत शराब, तंबाकू, भांग और सिंथेटिक ड्रग्स जैसे आम तौर पर दुरुपयोग किए जाने वाले पदार्थों के अवलोकन से हुई जिसमें बताया गया कि ये पदार्थ मस्तिष्क और शरीर को कैसे प्रभावित करते हैं जिससे लत और गंभीर स्वास्थ्य जटिलताएँ होती हैं। उपस्थित लोगों को नशीली दवाओं के दुरुपयोग के दीर्घकालिक परिणामों के बारे में बताया गया जिसमें अवसाद और चिंता जैसे मानसिक स्वास्थ्य मुद्दे, लीवर की क्षति और श्वसन संबंधी समस्याएँ जैसी शारीरिक बीमारियाँ और व्यक्तिगत और पारिवारिक संबंधों का टूटना शामिल है। सत्र में नशीली दवाओं की लत के सामाजिक नतीजों पर भी प्रकाश डाला गया जिसमें अपराध दर में वृद्धि और आर्थिक नुकसान शामिल हैं। साथियों का दबाव, तनाव, जागरूकता की कमी और नशीली दवाओं की आसान उपलब्धता जैसे प्रमुख योगदान कारकों पर चर्चा की गई जिससे समस्या से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए इन मूल कारणों को संबोधित करने की आवश्यकता पर बल दिया गया। सेना ने नशे की लत से जूझ रहे व्यक्तियों के लिए पुनर्वास के महत्व पर जोर दिया और सहायता प्रणालियों, हेल्पलाइनों और पुनर्वास केंद्रों के बारे में बहुमूल्य जानकारी प्रदान की जो व्यक्तियों को ठीक होने और समाज में फिर से शामिल होने में मदद कर सकती हैं।

तीन दिवसीय साइबर फर्स्ट रिस्पॉन्डर प्रोग्राम कार्यशाला का उद्घाटन

जम्मू, 23 जनवरी (हि.स.)। पीएसपीएस गवर्नमेंट कॉलेज फॉर विमेन, गांधीनगर में वीरवार को साइबर फर्स्ट रिस्पॉन्डर प्रोग्राम पर तीन दिवसीय इंटरैक्टिव कार्यशाला का उद्घाटन किया गया। यूनाइटेड सर्विस इंस्टीट्यूशन (यूएसआई) ऑफ इंडिया और साइबर पीस फाउंडेशन के सहयोग से जम्मू, कश्मीर और लद्दाख के एनसीसी निदेशालय द्वारा आयोजित इस पहल का उद्देश्य एनसीसी कैडेटों को आवश्यक साइबर सुरक्षा कौशल और प्रमाणन के साथ सशक्त बनाना है।

मेजर जनरल अनुपिंदर बेवली, विशिष्ट सेवा मेडल और जम्मू, कश्मीर और लद्दाख के एनसीसी निदेशालय के अतिरिक्त महानिदेशक के नेतृत्व में इस कार्यक्रम का उद्देश्य कैडेटों को बुनियादी साइबर सुरक्षा ज्ञान से लैस करना है। इसका उद्देश्य उन्हें साइबर राजदूत के रूप में तैयार करना भी है जो सुरक्षित डिजिटल प्रथाओं को बढ़ावा देने, कमजोर उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा करने और साइबर खतरों का प्रभावी ढंग से मुकाबला करने में सक्षम हों।

कार्यशाला का संचालन साइबर पीस फाउंडेशन के एक अत्यधिक अनुभवी साइबर सुरक्षा शोधकर्ता और मास्टर ट्रेनर दीपक यादव द्वारा किया जा रहा है। डिजिटल फोरेंसिक और नेटवर्क सुरक्षा में सात वर्षों से अधिक की विशेषज्ञता के साथ यादव ने 40,000 से अधिक सरकारी अधिकारियों और दस लाख से अधिक छात्रों को प्रशिक्षित किया है

नील टॉप पर बर्फ कला प्रतियोगिता आयोजित की

जम्मू, 23 जनवरी (हि.स.)। रचनात्मकता को प्रेरित करने और सामुदायिक बंधनों को मजबूत करने की एक दिल को छू लेने वाली पहल में भारतीय सेना ने पीर पंजाल रेंज में नील टॉप पर बच्चों के लिए बर्फ कला प्रतियोगिता आयोजित की।

इस कार्यक्रम में 45 स्थानीय बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया जिन्होंने बर्फ से ढके परिदृश्य को देशभक्ति और एकता के कैनवास में बदल दिया।

राष्ट्रीय गौरव और एकजुटता पर केंद्रित थीम के साथ युवा प्रतिभागियों ने आश्चर्यजनक बर्फ की मूर्तियाँ बनाकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। उनकी कृतियाँ न केवल राष्ट्र के प्रति उनके प्रेम को दर्शाती हैं बल्कि क्षेत्र के युवाओं की जीवंत कल्पना और कलात्मक क्षमता को भी दर्शाती हैं।प्रतिभागियों को उनके सपनों को साकार करने के लिए सभी आवश्यक संसाधन और मार्गदर्शन प्रदान किया गया। प्रोत्साहन के प्रतीक के रूप में बच्चों की असाधारण रचनात्मकता और प्रयास को स्वीकार करते हुए शीर्ष पाँच मूर्तियों को पुरस्कार दिए गए।

यह पहल क्षेत्र में विकास, एकता और सद्भाव को बढ़ावा देने के लिए भारतीय सेना के समर्पण का एक और उदाहरण है। युवाओं के साथ जुड़कर और इस तरह की अभिनव अभिव्यक्तियों को प्रोत्साहित करके सेना बनिहाल के लोगों के लिए समर्थन और प्रगति के प्रतीक के रूप में कार्य करती है

संपादकीय

जंगल में आग की बढ़ सकती हैं घटनाएं !

यह वास्तव में बहुत चिंता का विषय है कि जम्मू क्षेत्र में लगातार सूखे के कारण ऐसी स्थिति पैदा हो गई है, जहां जंगल में आग लगने की संभावना कई गुना बढ़ गई है और इसलिए यह आवश्यक है कि सभी बुनियादी सावधानियों से लेकर उन्नत सावधानियों को अपनाया जाए, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि हरा सोना और अन्य वन संपदा सुरक्षित रहे, साथ ही इन वन क्षेत्रों के आसपास रहने वाले लोगों की सुरक्षा भी सुनिश्चित की जा सके, जो क्षेत्र में वर्षा में असाधारण कमी के कारण आग लगने की घटनाओं के लिए अतिसंवेदनशील हैं।

इस भेद्यता की पुष्टि किसी और ने नहीं बल्कि ऐसी आपदाओं के लिए बने प्राधिकरण यानी राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) ने की है, क्योंकि कथित तौर पर इसने अगले सात दिनों में जम्मू और कश्मीर में जंगल में आग लगने के बहुत अधिक जोखिम की चेतावनी जारी की है। क्षेत्र में लंबे समय तक सूखे के कारण जंगल में आग लगने की घटनाओं की संभावना बढ़ गई है, खासकर जम्मू क्षेत्र में।

इसलिए यह सलाह दी जाती है कि चेतावनी को बहुत गंभीरता से लिया जाए और हितधारकों, विशेष रूप से वन विभाग तथा अन्य स्थानीय अधिकारियों को वनों के आस-पास रहने वाले लोगों के बीच सूचना प्रसारित करने के लिए एक व्यापक योजना बनानी चाहिए, ताकि वे वनों में और उनके आस-पास जाते समय अतिरिक्त सावधानी बरतें, क्योंकि ऐसी भयावह स्थितियों में जलती हुई सिगरेट का बट भी विनाशकारी साबित हो सकता है, इसलिए किसी भी तरह की मानव निर्मित आपदा को रोकने के लिए चेतावनी के बारे में जागरूकता बहुत जरूरी है।

चूंकि एनडीएमए ने लोगों से वनों में आग लगने की स्थिति में 112 डायल करने के लिए कहा है, इसलिए वनों के आस-पास रहने वाले समुदायों को जिम्मेदारी से काम करना चाहिए और उनके प्रतिनिधियों को विशेष रूप से इस सप्ताह के दौरान संबंधित अधिकारियों के साथ निकट संपर्क में रहना चाहिए, जो एनडीएमए के अनुसार यूटी में हरे सोने वाले स्थानों में जंगल की आग के लिए सबसे अधिक संवेदनशील है।

हालांकि परंपरागत रूप से जम्मू-कश्मीर के जंगल आग के प्रति बहुत संवेदनशील नहीं हैं, लेकिन लंबे समय तक सूखे के दौरान जोखिम बढ़ जाता है, जो अभी भी मामला है क्योंकि यूटी के कई क्षेत्र, विशेष रूप से जम्मू क्षेत्र, पिछले कई महीनों से सूखे जैसी स्थिति का सामना कर रहे हैं, जिससे जंगल की आग के साथ एक गंभीर स्थिति बन गई है।

छात्रों की आत्महत्या की बढ़ती संख्या, जीवन-मरण का प्रश्न बनती प्रतिस्पर्धा

- डॉ. सत्यवान सौरभ

वैसे तो इस दौर में पूरी युवा पीढ़ी ही भयावह मानसिक व्याधि से विचलित है, इनमें विशेषत- छात्र विचलन गंभीर चिंता का विषय है। हमारे देश में प्रति 100 में 15 से अधिक छात्र अवसाद, चिंता और आत्मघात से पीड़ित पाए जा रहे हैं। कठिन प्रतिस्पर्धा और पढ़ाई-लिखाई में अनुशासन आदि को लेकर तनाव बढ़ रहा है, उससे न सिर्फ शिक्षा व्यवस्था से जुड़े लोगों बल्कि पूरे समाज की चिंता बढ़ती गई है।

पारिवारिक दबाव, शैक्षिक तनाव और पढ़ाई में अव्वल आने की महत्वाकांक्षा ने छात्रों के एक बड़े वर्ग को गहरे मानसिक अवसाद में डाल दिया है। अभिभावकों की उम्मीदों पर खरा नही उतर पाने वाले, परीक्षा में खराब प्रदर्शन करने वाले बच्चों को घर पर पिटना पड़ता है। परीक्षा और नतीजों के दबाव में छात्रों की आत्महत्याएँ आम होती जा रही हैं। छात्र आत्महत्याओं में बेतहाशा वृद्धि के पीछे मानसिक तनाव सबसे आम कारक बन चुका है। तनावग्रस्त छात्रों की आत्महत्याओं का ग्राफ बढ़ रहा है। जैसे-जैसे परीक्षा के दिन निकट आते हैं, छात्रों का तनाव हद से गुजरने लगता है। पूरी युवा पीढ़ी का परीक्षा के दिनों में ऐसे हालात से दो-चार होना देश और समाज, अभिभावकों और शिक्षाविदों, सभी के लिए गंभीर चिंता का विषय है। शिक्षा क्षेत्र में दशकों से व्याप्त कई बुनियादी गंभीर समस्याओं और चुनौतियों पर अभी तक पार पाने में कामयाबी नहीं मिली है।

व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं को अनिवार्य कर दिए जाने के बाद से छात्रों को प्रतिस्पर्धा करने और प्रदर्शन करने के लिए भारी तनाव का सामना करना पड़ता है। प्रदर्शन के दबाव को संभालने, माता-पिता की अपेक्षाओं को पूरा करने और आकांक्षाओं को प्राप्त करने में असमर्थता मनोवैज्ञानिक संकट और बाद में अवसाद का कारण बन सकती है।

आधुनिक शिक्षा प्रणाली में अकादमिक उत्कृष्टता की निरंतर खोज ने अनजाने में छात्रों के बीच तीव्र दबाव और प्रतिस्पर्धा का माहौल पैदा कर दिया है। शैक्षणिक उपलब्धियों पर अत्यधिक ध्यान देने के साथ-साथ सामाजिक अपेक्षाओं और असफलता के डर ने छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य पर महत्त्वपूर्ण प्रभाव डाला है। इसने चिंता, अवसाद और तनाव की वृद्धि में योगदान दिया है। बढ़ती प्रतिस्पर्धा को देखते हुए कई बार छात्रों पर अच्छा प्रदर्शन करने का लगातार दबाव रहता है। वे अपनी तुलना दूसरों से करते हैं। यह अंतर्निहित दबाव मानसिक परेशानी के विभिन्न रूपों में प्रकट हो सकता है, जिसमें चिंता, विफलता का डर और कम आत्मसम्मान शामिल है। गंभीर मामलों में, मानसिक स्वास्थ्य सम्बंधी समस्याएँ आत्म-नुकसान का कारण बन सकती हैं और यहाँ तक कि आत्महत्या के प्रयासों के विचार को भी जन्म दे सकती हैं।

प्रतियोगी पाठ्यक्रम के भारी-भरकम बोझ से बच्चों का मानसिक विकास अवरुद्ध हो रहा है। इससे बच्चों को भारी नुकसान झेलना पड़ रहा है। बच्चों के जीवन में तनाव के पौध की बड़ी वजह यह भी है कि लंबे समय तक स्कूल के घंटों के बाद बच्चे घर लौटते ही होमवर्क निपटाने में जुट जाते हैं। इसके बाद ट्यूशन के लिए दौड़ पड़ते हैं। खाना-पीना, सोना, खेलकूद, सब हराम हो जाता है।

आराम करने और अन्य पाठ्येतर गतिविधियाँ करने का उन्हें समय ही नहीं मिलता है। ऐसे में छात्रों के लिए कम नींद और अवसाद की स्थिति या गंभीर तनाव का सबब बनी रहती है। वर्तमान प्रतियोगी दौर में छात्रों की आत्महत्या के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। परीक्षा केंद्रित शिक्षा से भारत में छात्रों की आत्महत्याओं में अंक, अध्ययन और प्रदर्शन के दबाव के साथ अकादमिक उत्कृष्टता की तुलना करना इस अवसाद के पीछे महत्त्वपूर्ण कारक हैं। भारत में प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे किसी भी छात्र के साथ एक साधारण साक्षात्कार, चाहे वह जेईई, एनईईटी या सीएलएटी हो, यह प्रकट करेगा कि छात्रों के बीच मानसिक संकट का प्रमुख स्रोत उन पर दबाव की असहनीय मात्रा है जो लगभग हर एक द्वारा डाला जाता है। हर शिक्षक, हर रिश्तेदार कठिन अध्ययन और एक अच्छे कॉलेज में प्रवेश पाने के महत्व को दोहराते हैं।

जबकि छात्र स्नातक होने के बाद क्या करने की आकांक्षा रखता है या जहाँ उसकी रुचियाँ हैं, उसके बारे में सहज पूछताछ बहुत कम की जाती है।

इन सभी परीक्षाओं की अत्यधिक जटिल प्रकृति (सभी नहीं) का अनिवार्य रूप से मतलब है कि उन्हें पास करने के लिए माता-पिता को अपने बच्चों को प्रतिष्ठित कोचिंग सेंटरों में दाखिला दिलाने का सपना पूरा करना होगा, इससे छात्र के लिए एक से अधिक तरीकों से समस्या बढ़ जाती है क्योंकि वह कोचिंग पर माता-पिता द्वारा खर्च किए गए पैसे को चुकाने के लिए अब परीक्षा को पास करने का दबाव बढ़ गया है और उसे कोचिंग संस्थान के अतिरिक्त दबावों का भी सामना करना पड़ता है। जब तक देश की परीक्षा संस्कृति से इस कुत्सित व्यवस्था को समाप्त नहीं किया जाता है, तब तक छात्रों में आत्महत्या की दर को रोकने के मामले में कोई प्रत्यक्ष परिवर्तन नहीं देखा जाएगा। सरकार को इस मुद्दे पर संज्ञान लेना चाहिए, अगर वास्तव में हम सोचते है कि आज के बच्चे कल के भविष्य हैं। जबरन करियर विकल्प देने से कई छात्र बहुत अधिक मात्रा में दबाव के आगे झुक जाते हैं, खासकर उनके परिवार और शिक्षकों से उनके करियर विकल्पों और पढ़ाई के मामले में। शैक्षिक संस्थानों से समर्थन की कमी के चलते बच्चों और किशोरों के मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों से निपटने के लिए सुसज्जित नहीं है और मार्गदर्शन और परामर्श के लिए केंद्रों और प्रशिक्षित मानव संसाधन की कमी है।

ऐसे कठिन दौर में आज छात्रों में आत्महत्या की प्रकृति और प्रवृत्ति का नए सिरे से अध्ययन करने की भी बहुत जरूरत है, क्योंकि देश की पूरी युवा बौद्धिक संपदा दांव पर लगी हुई है, जिसके दूरगामी गंभीर नतीजे पूरे राष्ट्र के माथे पर गहरा शिकन ला सकते हैं। युवाओं के कंधे पर स्थापित विकासशील प्रगति का पूरा ढांचा ही भरभरा कर गिर सकता है। छात्रों को इसे चुनौती के रूप में लेते हुए पूरी क्षमता के साथ इसका सामना करना चाहिए। परीक्षा जीवन-मृत्यु का प्रश्न नहीं है। परीक्षा परिणामों को जीवन का अंतिम आधार न मानकर अपनी सफलता की राह स्वयं बनानी होती है। बिना श्रम के जीवन के किसी भी क्षेत्र में सफलता नहीं मिलती। अभिभावकों को यह समझना है कि उन्हें अपने बच्चों के साथ कैसा बर्ताव करना है। छात्रों के बीच मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों की बढ़ती व्यापकता से निपटने के लिए बहुआयामी दृष्टिकोण की आवश्यकता है जिसमें व्यक्ति, संस्थान और समग्र रूप से समाज शामिल हो। सफलता को फिर से परिभाषित करना और छात्रों को अपने जुनून और रुचियों को आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करना उनके मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक है। केवल शैक्षणिक उपलब्धियों पर आधारित सफलता की संकीर्ण परिभाषा से आगे बढ़ने से छात्रों को अपनी अद्वितीय प्रतिभा का पता लगाने और अपने चुने हुए रास्ते में पूर्णता पाने का मौका मिलता है।

आत्महत्या के जोखिम कारकों को कम करने के लिए शिक्षकों को प्रशिक्षित करना और परीक्षा के नवीन तरीकों को अपनाया जाना चाहिए। छात्रों की सराहना करने की आवश्यकता है और यह बदलना महत्वपूर्ण है कि भारतीय समाज शिक्षा को कैसे देखता है। प्रयासों का उत्सव होना चाहिए न कि अंकों का। छात्रों की चिंताओं, अवसाद और अन्य मानसिक स्वास्थ्य मुद्दों को दूर करने के लिए सभी स्कूलों/कॉलेजों/कोचिंग केंद्रों में प्रभावी परामर्श केंद्र स्थापित किए जाने चाहिए। बढ़ते संकट को दूर करने के लिए अतीत की विफलताओं से सीखना और छात्रों, अभिभावकों, शिक्षकों, संस्थानों और नीति निर्माताओं सभी हितधारकों को शामिल करने वाले तत्काल कदम उठाने की आवश्यकता है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।

बच्चियों को उड़ने की आजादी दें, पंख खुद लगा लेंगी

विशेषडॉ. रमेश ठाकुर

देश में 'राष्ट्रीय बालिका दिवस' का आज 17 संस्करण मनाया जा रहा है। इस महत्वपूर्ण दिवस की शुरुआत केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा सन-2008 से हुई। इसी दिन यानी 24 जनवरी 1966 को इंदिरा गांधी ने पहली बार बतौर प्रधानमंत्री कार्यभार संभाला था। राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर पूरे भारत में विभिन्न स्तरीय कार्यक्रम आयोजित होते हैं, जिनमें 'सेव द गर्ल चाइल्ड', 'चाइल्ड सेक्स रेशियो' व 'चाइल्ड क्राइम प्रोटेक्शन' अभियानों के अलावा बालिकाओं के स्वास्थ्य और उन्हें सुरक्षित वातावरण देने सहित तमाम तरह की जागरूकता मुहिम चलाई जाती है। इसमें सामाजिक और सरकारी संस्थानों की भागीदारी होती है।अफसोस, ऐसी तमाम कोशिशों के बावजूद बालिकाओं के विरुद्ध होने वाले जुल्म और अपराध कम नहीं हो रहे।

किशोरियों की तस्करी सबसे बड़ा चिंता का विषय है। कई राज्यों में बच्चियां अपने घरों में बंदिशों की बेड़ियों में जकड़ी हुई हैं। केंद्र सरकार ने हाल ही में संपन्न हुए संसद के शीतकालीन सत्र में आंकड़ा पेश कर बताया कि पूरे देश में अभी लाखों की संख्या में बच्चियों को उनके अभिभावक स्कूलों में नहीं भेजते। ये हाल तब है जब बच्चियों की शिक्षा पर केंद्र व राज्य सरकारें सजगता से लगी हुई हैं। यहां सरकारों को दोष नहीं दे सकते। बच्चियों से जुड़ी मौजूदा समय की सबसे विकराल समस्या 'बाल तस्करी' ही है। इस विकट समस्या का कैसे समाधान हो, इसे लेकर जनमानस कैसे जागरूक हों आदि विषय को ध्यान में रखकर ही सालाना 24 जनवरी को पूरे भारत में 'राष्ट्रीय बालिका दिवस' मनाया जाता है।

बेटियों के सम्मान में केंद्र सरकार का 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' का नारा जबरदस्त सफल रहा है। इससे बालिका लिंगानुपात में भी इजाफा हुआ है। 2014 में बेटियों के जन्मानुपात का आंकड़ा 918 था, तो वहीं 2022-23 में 15 अंकों की छलांग लगाकर ये आंकड़ा 933 तक जा पहुंचा। इस आंकड़े में हरियाणा अभी भी पिछड़ा हुआ है। देश की तरक्की में बेटियों को उड़ने की आजादी मिलनी चाहिए। उनकी शिक्षा-दीक्षा में कोई कोर-कसर नहीं छोड़नी चाहिए। हालांकि किशोरियों के लिए जबसे माहौल बदला है, उन्होंने अपनी काबीलियत साबित कर दी है। रक्षा से लेकर खेल तक कोई ऐसा क्षेत्र नहीं हैं जहां बेटियां परचम न फहरा रही हों। लड़कियों के प्रति रुढ़िवादी सोच से लोग अब किनारा करने लगे हैं। कुछ लोग जो इस सोच से बाहर नहीं निकल रहे, वे अपनी लड़की को उनके अधिकारों से वंचित रखते हैं, इससे उनका करियर बन ही नहीं पाता। बच्चियों के भविष्य को अंधकार में धकेलने में परिवारों की भी बड़ी भूमिका होती हैं। परिवार ऐसा न करें, उनको समझाने के लिए ही आज का ये खास दिवस मनाया जाता है।

बच्चियों पर जुल्म समाज का सबसे बड़ा कलंक माना जाता है। इस कलंक को मिलकर मिटाना होगा। एनसीआरबी की मानें तो भारत में सालाना हजारों की संख्या में बच्चियां लापता होती हैं, जिनमें से अधिकांश बच्चियों उम्र महज 8-10 वर्ष होती हैं। गृह मंत्रालय के मुताबिक, साल 2019 से 2021 में 13.13 लाख गायब महिलाओं में ज्यादातर लड़कियां की संख्या रही। वहीं, केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के अनुसार बीते 5 सालों में 2.75 लाख बच्चे गुम हुए जिनमें से 2.12 लाख सिर्फ लड़कियां थीं। लापता बच्चों के मामले में पश्चिम बंगाल अव्वल है जहां साल-2022 में 12,546 लड़कियां गुम हुईं। मध्य प्रदेश दूसरे नंबर पर है जहां 11,161 किशोरियां गायब हुईं। बाकी प्रदेशों के हाल भी अच्छे नहीं हैं। इसके अलावा बाल तस्करी, बाल विवाह और नाबालिगों के साथ यौन शोषण की घटनाएं भी कम होने के जगह बढ़ी हैं। इन्हें सामूहिक प्रयासों से रोकना होगा।

निश्चित रूप से 'राष्ट्रीय बालिका दिवस' समूचे भारत में बच्चियों के समक्ष आने वाली चुनौतियों की शिनाख्त कर उन चुनौतियों से जूझने की तरफ ध्यान आकर्षित करता है। हमारी सामाजिक जिम्मेदारी ये बनती है कि बच्चियों के विरुद्ध घटित अपराधों और संभावित खतरों से मुंह नहीं फेरना चाहिए। सबसे पहले बालिकाओं की तस्करी पर अंकुश लगना चाहिए क्योंकि यह किसी भी देश के लिए घोर कलंक जैसा है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

रेवड़ियों पर केंद्रित होता दिल्ली विधानसभा चुनाव

सुरेश हिंदुस्तानी

दिल्ली में चुनावी घमासान के बीच रेवड़ी बांटने की प्रतिस्पर्धा-सी दिख रही है। ऐसा लगता है कि अब दिल्ली की सत्ता तक पहुँचने का मार्ग केवल मुफ्त की रेवड़ी ही है। दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए राजनीतिक दल जनता के बीच अपने पिटारे से मुफ्त वाली विभिन्न योजनाएं गिना रहे हैं। इस होड़ में आम आदमी पार्टी पहले ही पिटारा खोल कर बैठी है।

अब कांग्रेस और भाजपा भी उसी रास्ते की ओर प्रवृत्त है। एक तथ्य ध्यान देने योग्य है कि आम आदमी पार्टी के पास कुछ नया नहीं है क्योंकि वह पिछले चार विधानसभा चुनाव से इसी राह पर चल रही है। मुफ्त की योजनाओं के वादे करना आम आदमी पार्टी की फितरत बन गई है। इससे अलग अपेक्षा नहीं की जा सकती क्योंकि यह मार्ग उसके लिए लाभकारी साबित होता रहा है। इसलिए आम आदमी पार्टी के नेता और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल को इस बार भी उन्हीं के नाम बाजी होने का पूरा विश्वास है।

वर्तमान में दिल्ली विधानसभा चुनाव के प्रचार में राजनीतिक दलों के नेताओं की ओर रेवड़ियों की झड़ी लगाई जा रही है। ऐसा लगता है कि दिल्ली की जनता रेवड़ी की आदी हो चुकी है। इसका राजनीतिक आशय यह भी निकाला जा सकता है कि अपना नायक चुनने के लिए किसकी रेवड़ी स्वार्थ पूर्ति करने वाली है, यह ही देखा जाएगा। इस कवायद को लालच देकर वोट प्राप्त करने का माध्यम भी माना जा सकता है क्योंकि मुफ्त में खजाना लुटाना किसी प्रकार से न्यायसंगत नहीं माना जा सकता क्योंकि इसका बोझ उस समाज पर आता है, जो योजना का लाभ लेने के पात्र नहीं होते। हालांकि सरकार की तरफ से आम जनता का ध्यान रखा ही जाना चाहिए लेकिन इसके लिए मुफ्त की योजना की जगह अन्य तरीके अपनाए जाएं तो बेहतर होगा। नहीं तो एक दिन यही योजनाएं विकास योजनाएं न होकर विनाशकारी मार्ग तैयार कर सकती हैं।

दिल्ली में एक दशक पहले भाजपा और कांग्रेस के बीच ही चुनावी लड़ाई होती रही थी, लेकिन कांग्रेस सरकार के भ्रष्टाचार के विरोध में एक धूमकेतु की तरह अरविन्द केजरीवाल ने आम आदमी पार्टी उभरी, जिसने लोक लुभावने वादे कर आम जनता का छप्पर फाड़ समर्थन प्राप्त करके दिल्ली के सिंहासन को कब्जे में ले लिया। मौजूदा चुनाव में एकबार फिर बहुकोणीय मुकाबला होने की तस्वीर बन रही है। आम आदमी पार्टी साथी दलों को हाथ छुड़ा कर अकेले ही चुनावी मैदान में उतरी है। लेकिन उसकी सबसे बड़ी परेशानी यह है कि उसके नेता अरविन्द केजरीवाल पर भ्रष्टाचार के आरोप हैं। ऐसा कहना भी समुचित होगा कि केजरीवाल की कथनी और करनी में जमीन-आसमान का अंतर है। एक समय सुविधाओं को त्याग कर राजनीति करने की कसम खाने वाले केजरीवाल की जीवन शैली भौतिक सुख-सुविधाओं से भरी मालूम पड़ती है। शीशमहल के नाम से भाजपा द्वारा प्रचारित उनके आवास में लग्जरी सुविधाएं हैं। जो उनके कथन से कतई मेल नहीं रखती। ऐसे में यह कहना तर्कसंगत होगा कि इस बार केजरीवाल की राह उतनी आसान नहीं है, जो पहले थी। दूसरी बड़ी बात यह है कि इस बार के चुनाव में आम आदमी पार्टी के समक्ष गंभीर चुनौतियाँ भी हैं। केजरीवाल जमानत पर बाहर हैं, वे दोष मुक्त नहीं हुए। उनके मुख्यमंत्री कार्यालय जाने पर प्रतिबन्ध उसी समय लगा दिया गया, जब वे मुख्यमंत्री थे, ऐसी स्थिति में केजरीवाल फिर से दिल्ली के मुख्यमंत्री बनेंगे, इसकी गुंजाइश भी नहीं है। आम आदमी पार्टी के समक्ष एक बड़ी चुनौती यह भी है कि इस बार के चुनाव में कांग्रेस और भाजपा के अलावा बहुजन समाज पार्टी और औवेसी की पार्टी भी मैदान में है। यह दोनों राजनीतिक दल जितने प्रभावी होंगे, उसका खामियाजा आम आदमी पार्टी को ही भुगतना होगा। एक गणित यह भी है कि पिछले चुनाव में अंदरूनी तौर पर कांग्रेस पार्टी का समर्थन आम आदमी पार्टी को मिला लेकिन इस बार पूरी गंभीरता के साथ कांग्रेस चुनावी मैदान में है। कांग्रेस और भाजपा दोनों ने केजरीवाल के समक्ष वजनदार प्रत्याशी उतार कर यह संदेश तो दिया कि इस बार केजरीवाल की पार्टी आसानी से विजय प्राप्त नहीं करेगी। क्योंकि बसपा और औवेसी के आने से केजरीवाल की पार्टी को मुस्लिम और दलित मत हासिल करने में कमी आ सकती है। ये मतदाता अतीत में कांग्रेस के वोटर रहे हैं, जिससे लगता है कि इसबार यह मतदाता कांग्रेस को ही वोट देगा। आम आदमी पार्टी के साथ यह विसंगति जुड़ती जा रही है कि वह गठबंधन का हिस्सा केवल उन राज्यों में है, जहाँ आम आदमी पार्टी का अस्तित्व नहीं है। जहाँ केजरीवाल की पार्टी का अस्तित्व है, वहां गठबंधन के मायने बदल जाते हैं। इसका तात्पर्य यही है कि केजरीवाल स्वार्थ सिद्धि के लिए ही गठबंधन करते हैं। यह बात सही है कि केजरीवाल को अब राजनीति की समझ आ गई है। वे एक चतुर राजनीतिक नेता की तरह चुनाव लड़ रहे हैं, लेकिन विपक्ष की एकता के सपने को चकनाचूर कर रहे हैं। हालांकि राजनीतिक विश्लेषक गठबंधन में दरार आने का ठीकरा कांग्रेस पर फोड़ रहे हैं। कुल मिलाकर यह कहना उचित होगा कि गठबंधन अब बिखरने की ओर है। खैर, मूल विषय रेवड़ी का है। मुफ्त की रेवड़ी बांटना निश्चित ही इस बात की ओर संकेत करता है कि आज राजनीतिक दलों ने आम जनता के बीच अपनी विश्वसनीयता खोई है इसीलिए चुनाव जीतने के जनता को प्रलोभन देकर वोट कबाड़ने की राजनीति की जा रही है। अब देखना यह है दिल्ली का सिंहासन किसका इंतजार कर रहा है। फिलहाल यही समझा जा रहा है कि मुख्य मुकाबला भाजपा और आदमी पार्टी के बीच है। प्रचार के लिए भाजपा के पास नेताओं की भारी भरकम फौज है तो आम आदमी पार्टी के पास केवल केजरीवाल हैं। चुनावी प्रचार के माध्यम से भाजपा अपनी बात को नीचे तक पहुंचाने का प्रयास करेगी और इसका प्रभाव भी हो सकता है। लेकिन फिर वही बात, क्या रेवड़ी के सहारे ही इस बार भी दिल्ली की सरकार बनेगी।

अब कांग्रेस और भाजपा भी उसी रास्ते की ओर प्रवृत्त है। एक तथ्य ध्यान देने योग्य है कि आम आदमी पार्टी के पास कुछ नया नहीं है क्योंकि वह पिछले चार विधानसभा चुनाव से इसी राह पर चल रही है। मुफ्त की योजनाओं के वादे करना आम आदमी पार्टी की फितरत बन गई है। इससे अलग अपेक्षा नहीं की जा सकती क्योंकि यह मार्ग उसके लिए लाभकारी साबित होता रहा है। इसलिए आम आदमी पार्टी के नेता और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल को इस बार भी उन्हीं के नाम बाजी होने का पूरा विश्वास है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप 'टोक्यो 25' के लिए ऑफिशियल मोटो और विजुअल आईडेंटिटी की घोषणा

एजेंसी

टोक्यो। विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप टोक्यो 25 (डब्ल्यूसीएच टोक्यो 25) की स्थानीय आयोजन समिति ने इस वर्ष के बहुप्रतीक्षित आयोजन के लिए आधिकारिक मोटो (आदर्श वाक्य) और विजुअल आईडेंटिटी (दृश्य पहचान) का अनावरण किया। विजुअल आईडेंटिटी को एक आधिकारिक पोस्टर द्वारा दर्शाया गया है जो एक खेल के रूप में एथलेटिक्स की गतिशीलता का एक शक्तिशाली दृश्य प्रतिनिधित्व करता है और इसे दुनिया भर के दर्शकों को लुभाने और प्रेरित करने के लिए डिजाइन किया गया था। पोस्टर में चैंपियनशिप के 20वें संस्करण का आधिकारिक आदर्श वाक्य दिखाया गया है; हर सेकेंड, सुगोई। डब्ल्यूसीएच टोक्यो 25 का आधिकारिक आदर्श वाक्य, 'हर सेकंड, सुगोई', एक शक्तिशाली संदेश देता है - जो जापानी शब्द 'SUGOI' (अद्भुत, असाधारण) को विस्मय और प्रेरणा की वैश्विक अभिव्यक्ति बनाने की आकांक्षा रखता है। 'हर सेकंड, सुगोई' दर्शाता है कि इस साल की चैंपियनशिप का हर पल, शुरू से अंत तक, असाधारण होगा, जिससे एक ऐसा आयोजन होगा जहां 'सुगोई' की भावना हर किसी के साथ गूंजती है।

आईसीसी अंडर-19 महिला टी20 विश्व कप में भारत ने मलेशिया को 10 विकेट से हराया

क्रालालांपुर। महिला अंडर-19 टी20 विश्व कप के अपने दूसरे मुकाबले में भारत की अंडर-19 टीम ने मेजबान मलेशिया को 10 विकेट से हराकर अपने विजयी अभियान को जारी रखा है। भारत ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। भारत के फैसले को सही साबित करते हुए दो बाएं हाथ के स्पिनरों वैष्णवी शर्मा और आयुषी शुक्ला ने मलेशिया की पारी को 31 रन पर ही समेट दिया।वैष्णवी शर्मा ने चार ओवर के स्पेल में पांच रन खर्च कर 5 विकेट अपने नाम किए। इस दौरान शर्मा ने हैट्रीक भी लगाई। जबकि आयुषी शुक्ला ने आठ रन देकर तीन विकेट चटकाए। मलेशिया का कोई भी बल्लेबाज़ दहाई के आंकड़े को नहीं छू सका। टीम की ओर से सर्वाधिक व्यक्तिगत स्कोर एक्स्ट्रा के नाम रहा, जिसके खाते में 11 रन रहे। मलेशिया की ओर से मिले 32 रन के लक्ष्य को भारतीय सलामी बल्लेबाज जी. तृषा और जी. कमलिनी ने 2.5 ओवर में ही हासिल कर लिया। तृषा ने 12 गेंदों में पांच चौकों की मदद से 27 रनों की एक आतिशी पारी खेली।

बैडमिंटन एशिया मिश्रित टीम चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम की घोषणा

नई दिल्ली। भारतीय बैडमिंटन संघ (बीएआई) ने 11 से 16 फरवरी तक चीन के किंगदाओ में होने वाली बैडमिंटन एशिया मिश्रित टीम चैंपियनशिप के लिए 14 सदस्यीय मजबूत भारतीय टीम की घोषणा कर दी है। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु और पेरिस ओलंपिक सेमीफाइनलिस्ट लक्ष्य सेन 14 सदस्यीय भारतीय टीम का नेतृत्व करेंगे। भारत ने 2023 में दुबई में आयोजित चैंपियनशिप के पिछले संस्करण में कांस्य पदक जीता था और इस बार उसका लक्ष्य उस प्रदर्शन में सुधार करना होगा।भारतीय बैडमिंटन संघ के महासचिव संजय मिश्रा ने बीएआई ने जारी विज्ञप्ति में कहा कि बैडमिंटन एशिया मिश्रित टीम चैंपियनशिप एक प्रतिष्ठित प्रतियोगिता है, जहां टीमों की गहराई और गुणवत्ता का परीक्षण किया जाता है। हमने दो साल पहले कांस्य पदक जीतकर अच्छा प्रदर्शन किया था, लेकिन इस साल हमारा लक्ष्य फाइनल तक पहुंचना है और फिर कुछ भी संभव है, हम पूरी ताकत लगाएंगे।

बैडमिंटन एशिया मिश्रित टीम चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम:

पुरुष: लक्ष्य सेन, एचएस प्रणय, सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी, चिराग शेट्टी, ध्रुव कपिला, एमआर अर्जुन, सतीश कुमार के

महिलाए: पीवी सिंधु, मालविका बंसोड़, गायत्री गोपीचंद, ट्रीसा जॉली, अश्विनी पोनप्पा, तनीषा क्रैस्टो, आद्या वारियथ।

वैभव ने की शानदार बल्लेबाजी, राज गार्डेन पहुंचा सेमीफाइनल में

लखनऊ। बाबू बनारसी दास क्रिकेट लीग के सी डीविजन के क्वार्टर फाइनल मैच में मल्टी फेसीलिटी क्रिकेट को हराकर राज गार्डेन ने सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। इस मैच में वैभव यादव ने धुआंधार बल्लेबाजी करते हुए 53 रन बनाये। राज गार्डेन ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 40 ओवर में पांच विकेट गवांकर 217 रन बनाये। सलामी बल्लेबाज प्रमोद कुमार ने 26 रन का योगदान दिया। वहीं शिवम ने 31 रन बनाये। वहीं अविनाश यादव ने पांच चौकों की मदद से 51 रन बनाये। वहीं वैभव यादव ने नौ चौकों की मदद से 53 बाल पर 53 रन का योगदान दिया। अनुज ने 34 रन बनाये। वहीं मल्टी फेकेल्टी की पूरी टीम 214 रन बनाकर आउट हो गयी और राज ने तीन रन से मैच को जीतकर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। अपनी टीम में सबसे अधिक गोविंद ने 55 रन बनाये, जबकि उमाकांत ने 36 रन, गुरुवीर ने 34 रन बनाये।

भारत ने इंग्लैंड को सात विकेट से हराया

एजेंसी

कोलकाता। वरुण चक्रवर्ती (तीन विकेट) , हार्दिक पांड्या, अर्शदीप सिंह और अक्षर पटेल (दो-दो विकेट) की शानदार गेंदबाजी के बाद अभिषेक शर्मा की (79) रनों की आतिशी अर्धशतकीय पारियों की बदौलत भारत ने पहले टी-20 मुकाबले में इंग्लैंड को सात विकेट से हरा दिया है। इसी के साथ भारत ने पांच मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली हैं।

इंग्लैंड के132 रनों के स्कोर के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी भारत की संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए (41) जोड़े। पांचवें ओवर में जोफ्रा आर्चर ने संजू सैमसन को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। संजू सैमसन ने 20 गेंदों में चार चौके और एक छक्का लगाते हुए (26) रनों की पारी खेली। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये कप्तान सूर्यकुमार यादव (शून्य) को भी जोफ्रा आर्चर ने इसी ओवर में आउट कर इंग्लैंड को दूसरी सफलता दिलाई। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये तिलक वर्मा ने अभिषेक शर्मा के साथ पारी को

संभाला। हालांकि अभिषेक ने अपनी लय बरकरार रखी और तेजी के साथ रन बनाते रहे। जीत की ओर बढ़ रही भारतीय टीम को आदिल रशीद ने 12वें ओवर में अभिषेक शर्मा को आउटकर तीसरा झटका दिया। अभिषेक शर्मा ने आतिशी बल्लेबाजी करते हुए 34 गेंदों में पांच चौके और आठ छक्कों की मदद से (79)रन बनाये। तिलक वर्मा (19) और हार्दिक पंड्या (तीन) रन बनाकर नाबाद रहे। भारत ने 12.5 ओवर में तीन विकेट पर 133 रन बनाकर मुकाबला सात विकेट से जीत लिया।

इंग्लैंड की ओर से जोफ्रा आर्चर ने दो विकेट लिये। आदिल रशीद को एक विकेट मिला। इससे पहले आज यहां भारत के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। भारतीय गेंदबाज कप्तान की उम्मीदों पर खरे उतरे और उन्होंने इंग्लैंड के बल्लेबाजों को खुल कर खेलने का मौका नहीं दिया। हालांकि इस दौरान इंग्लैंड टीम के कप्तान जॉस बटलर ने कुछ आकर्षक शॉट लगाये। उन्होंने अपनी इस पारी में 44 गेंदों में आठ चौके और दो छक्के लगाते हुए (68) रनों की अर्धशतकीय पारी खेली। इंग्लैंड की शुरुआत खराब रही और उसने 17 रन पर अपने दो विकेट गवां दिये। फिल सॉल्ट (शून्य) और बेन डकेट (चार) रन बनाकर आउट हुये। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये कप्तान जॉस बटलर ने हैरी ब्रूक के साथ पारी को संभलाने का प्रयास किया। आठवें ओवर में वरूण चक्रवर्ती ने हैरी ब्रूक (17) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद तो भारतीय गेंदबाजी आक्रमण के आगे इंग्लैंड के अधिकतर बल्लेबाजों ने हथियार डाल दिये। जोफ्रा आर्चर (12) रन बनाकर आउट हुये। इंग्लैंड की पूरी टीम निर्धारित 20 ओवरों में 132 के स्कोर पर सिमट गई। भारत की ओर से वरुण चक्रवर्ती ने 23 रन देकर तीन विकेट लिये। हार्दिक पांड्या, अर्शदीप सिंह और अक्षर पटेल को दो-दो विकेट मिले।

अर्शदीप भारत के लिए सबसे ज्यादा टी-20 विकेट लेने वाले गेंदबाज बने

एजेंसी

कोलकाता। भारतीय टीम के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में देश के सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गये है। अर्शदीप ने ईडन गार्डन्स में इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी-20 मैच में बेन डकेट को आउट अपने 61वें मैच में यह उपलब्धि हासिल की। इसी के साथ उनके विकेटों की संख्या 97 हो गई। उन्होंने हमवतन स्पिनर युजवेंद्र चहल के 80 मैचों में 96 विकेट के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है।

भारत के लिए अंतरराष्ट्रीय टी-20 विकेट लेने वालों की सूची में अब अर्शदीप शीर्ष पर हैं, उसके बाद दूसरे नंबर पर चहल हैं। शीर्ष पांच में गेंदों में भुवनेश्वर कुमार (87 मैचों में 90 विकेट), जसप्रीत बुमराह (70 में 89) और हार्दिक पांड्या (110 में 89) शामिल हैं।

श्राची राढ़ बंगाल टाइगर्स ने दिल्ली एसजी पाइपर्स को हराकर फाइनल की दौड़ में बनाए रखी उम्मीदें

एजेंसी

रांची। श्राची राढ़ बंगाल टाइगर्स ने मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में हुए हीरो महिला हॉकी इंडिया लीग (2024-25) के मुकाबले में दिल्ली एसजी पाइपर्स को हराया। कैथरीन मल्लन (21फीसदी और 33फीसदी) ने बंगाल टाइगर्स के लिए दो गोल किए। पहले क्वार्टर में दोनों टीमों के बीच मिडफील्ड पर नियंत्रण की जंग चलती रही। इस दौरान गोल करने का एकमात्र मौका बंगाल टाइगर्स को 13वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर के रूप में मिला। हालांकि, कप्तान उदिता के प्रयास को एसजी पाइपर्स की रक्षा पंक्ति ने विफल कर दिया।दूसरे क्वार्टर की शुरुआत दिल्ली एसजी पाइपर्स ने अच्छे अंदाज में की और पहला पेनल्टी कॉर्नर अर्जित किया। दीपिका के ड्रैग फ्लिक को बंगाल टाइगर्स की गोलकीपर जेनिफर रिज़ो ने शानदार तरीके से बचा लिया। 21वें मिनट में मल्लन ने बंगाल टाइगर्स को बढ़त दिला दी। आयरलैंड की इस खिलाड़ी ने गेंद को सर्कल के किनारे तक ले जाकर, गोलकीपर बंसरी सोलंकी को पीछे छोड़ते हुए गोल किया।

बंगाल टाइगर्स ने शानदार तरीके से मैच का नियंत्रण बनाए रखा, अपने 23 मीटर जोन की मजबूती से रक्षा की और काउंटर अटैक में एसजी पाइपर्स की रक्षापंक्ति को चुनौती दी।

तीसरे क्वार्टर की शुरुआत में ही टाइगर्स ने दूसरा गोल कर बढ़त को दोगुना कर दिया। मल्लन ने अपना दूसरा गोल किया, लेकिन इसका श्रेय लालरेमसियामी को जाता है, जिन्होंने दाईं ओर से बेहतरीन सोलो रन करते हुए गेंद को गोललाइन तक पहुंचाया और मल्लन को आसान टप-इन पास दिया। एसजी पाइपर्स ने इसके बाद गोल करने के लिए हर संभव कोशिश की और तीसरे क्वार्टर में 13 बार सर्कल में प्रवेश किया। हालांकि, बंगाल टाइगर्स की रक्षा पंक्ति ने उन्हें केवल तीन शॉट्स तक सीमित रखा। चौथे क्वार्टर में भी कहानी कुछ वैसी ही रही। एसजी पाइपर्स ने लगातार दबाव बनाया, लेकिन भाग्य उनके साथ नहीं था। बंगाल टाइगर्स ने मजबूत डिफेंस दिखाते हुए अहम जीत दर्ज की। इस जीत के साथ बंगाल टाइगर्स के सात अंक हो गए हैं, जो जेएसडब्ल्यू सूरमा क्लब और ओडिशा वॉरियर्स से तीन अंक कम हैं। बंगाल टाइगर्स को फाइनल में जगह बनाने के लिए अपने आखिरी मैच में सूरमा हॉकी क्लब के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज करनी होगी।

रोहित के चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान जाने पर फैसला होना शेष है: सैकिया

एजेंसी

मुंबई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के नवनियुक्त सचिव देवजीत सैकिया ने कहा कि कप्तान रोहित शर्मा के आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान में टूर्नामेंट से पहले होने वाले कार्यक्रमों में भाग लेने पर अभी फैसला होना बाकी है।

सैकिया ने कहा कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड में रोहित शर्मा के पाकिस्तान जाने पर विचार-विमर्श चल रहा है। उन्होंने कहा, 'रोहित शर्मा आईसीसी मीडिया कार्यक्रमों के लिए पाकिस्तान जाएंगे या नहीं, इस पर अभी फैसला नहीं हुआ है।' ऐसी अटकलें लगाई जा रही हैं कि आईसीसी इन कार्यक्रमों को यूएई में स्थानांतरित कर सकता है। हालांकि, इस तरह के कदम से पाकिस्तान में खेलने वाली टीमों के लिए चुनौतियाँ पैदा होंगी। उल्लेखनीय है कि कप्तानों की बैठक और लाहौर में होने वाले प्री-इवेंट संवाददाता सम्मेलन सहित

विचाराधीन कार्यक्रम पारंपरिक रूप से आईसीसी टूर्नामेंट की शुरुआत करते हैं और टीम के कप्तानों को अपनी योजनाओं और लक्ष्यों को रेखांकित करने का अवसर प्रदान करते हैं। हालांकि, भारत द्वारा पाकिस्तान का दौरा करने से मना करने के बाद, जिसके कारण चैंपियंस ट्रॉफी के लिए हाइब्रिड मॉडल को अपनाया गया है।

स्कॉटलैंड को हराकर बंगलादेश की महिला टीम अंडर -19 विश्वकप के सुपर सिक्स में

एजेंसी

बंगी (मलेशिया)। कप्तान सुमैया अख्तर (नाबाद 28) के बाद अनीसा अख्तर सोबा (चार विकेट) के शानदार प्रदर्शन की बदौलत बंगलादेश की महिला टीम ने महिला अंडर-19 टी-20 विश्वकप में स्कॉटलैंड को 17 रनों से हराकर सुपर सिक्स में जगह बना ली हैं।बंगलादेश के 120 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी स्कॉटलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 19 के स्कोर पर अपने दो विकेट गवां दिये। इसके बाद पिप्पा स्प्राउल और निअम मुइर ने पारी को संभालने का प्रयास किया। 15वें ओवर में कप्तान निअम मुइर (22) रन बनाकर आउट हुई। इसके बाद स्कॉटलैंड का कोई भी बल्लेबाज पिच पर अधिक देर तक नहीं टिक सका। पिप्पा स्प्राउल ने 41 गेंदों में चार चौकों और एक छक्के की मदद से (41) रनों की पारी खेली।

बंगलादेशी गेंदबाजी आक्रमण के आगे स्कॉलैंड की पूरी टीम 103 रन पर सिमट गई।

बंगलादेश की ओर से अनीसा अख्तर सोबा ने चार विकेट लिये। निशिता अख्तर निशी और हबीबा इस्लाम ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले आज यहां स्कॉटलैंड की महिला टीम ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी बंगलादेश की महिला टीम के बल्लेबाज स्कॉटलैंड के गेंदबाजों के आगे संघर्ष करती नजर आयी। फहमीदा चोया (14), जुएरिया फिरदौस (20), आफिया आशिमा (21) और कप्तान सुमैया अख्तर (नाबाद 28) रनों की पारियों के योगदान से बंगलादेश ने निर्धारित 20 ओवरों में नौ विकेट पर 120 का स्कोर खड़ा किया। स्कॉटलैंड की ओर से नयमा शेख और मैसी मैसीरा ने दो-दो विकेट लिये। गैब्रिएला फोंटेनला, एमी बाल्डी और किर्स्टी मैक्कॉल ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

टेलर और कैटरीना की जोड़ी ऑस्ट्रेलिया ओपन महिला युगल के सेमीफाइनल में

एजेंसी

मेलबर्न। अमेरिका की टेलर टाउनसेंड और चेक गणराज्य की कैटरीना सिनियाकोवा की जोड़ी ने चीन की झांग शुआई और फ्रांस की क्रिस्टीना म्लादेनोविच की जोड़ी को हराकर ऑस्ट्रेलियाई ओपन के महिला युगल के सेमीफाइनल में जगह बना ली हैं।

आज यहां खेले गये मुकाबले में नौवीं वरीयता प्राप्त झांग और म्लादेनोविच को टेलर टाउनसेंड और कैटरीना सिनियाकोवा की शीर्ष वरीयता प्राप्त जोड़ी ने 70 मिनट में 6-1, 7-5 से हराया।

टेलर टाउनसेंड और कैटरीना सिनियाकोवा की शीर्ष वरीयता प्राप्त जोड़ी सेमीफाइनल में रूस की मीरा एंड्रीवा और डायना श्नाइडर की जोड़ी से भिड़ेगी।

सोनीपत में हाफ मैराथन होगी नौ फरवरी को

एजेंसी

सोनीपत। हरियाणा के सोनीपत में हाफ मैराथन आगामी 09 फरवरी को होगा। यह जानकारी उपायुक्त (डॉक्टर) मनोज कुमार ने दी। उन्होंने बताया कि हाफ मैराथन में अलग-अलग श्रेणियों में हजारों धावक भागीदारी करेंगे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मुख्य अतिथि होंगे।

उपायुक्त ने बताया कि दिल्ली और मुंबई जैसे देश के प्रमुख शहरों में आयोजित होने वाले ऐसे आयोजन पिछले कुछ समय में हरियाणा के बड़े शहरों फरीदाबाद, गुरुग्राम और पानीपत में आयोजित किए गए हैं। उसी तर्ज पर सोनीपत हॉफ मैराथॉन भी आयोजित होगा।उन्होंने बताया कि हाफ मैराथन में हिस्सा लेने के लिए रजिस्ट्रेशन वेबसाइट पर शुरू हो चुका है। मैराथन का शुभारंभ दीनबंधु छोटू राम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय मुरथल परिसर से होगा और यह शहर के मुरथल रोड

सेक्टर 14-15 डिवाइडिंग रोड, महाराणा प्रताप चौक, ट्रक यूनियन, दीवान फार्म से होते हुए वापस मुरथल विश्वविद्यालय जाएगा। डॉ. कुमार ने बताया कि 21 किलोमीटर ओपन केटेगरी में हॉफ मैराथन में विजेता को (महिला व पुरुष) एक-एक लाख रुपये, फर्स्ट रनर को (पुरुष और महिला) को 75 हजार रुपये, सेकेंड रनर को 50 हजार रुपये ईनाम दिया जाएगा। इसके अलावा भी विभिन्न श्रेणियों में कुल दस लाख रुपये से अधिक के पुरस्कार दिए जाएंगे।

केन्द्रीय खेल मंत्री मांडविया ने खो-खो विश्व कप विजेता भारतीय टीमों को सम्मानित किया

एजेंसी

नई दिल्ली। केन्द्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने नई दिल्ली में विश्व कप विजेता भारतीय खो-खो टीमों को सम्मानित किया। इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में 19 जनवरी को खेले गए पहले खो-खो विश्व कप का खिताब जीतकर भारतीय पुरुष और महिला टीमों ने इतिहास रच दिया। दोनों टीमों ने अपने-अपने फाइनल में नेपाल को हराया था। पुरुष और महिला खो-खो टीमों के पूरे खिलाड़ियों से केन्द्रीय खेल मंत्री मांडविया ने मुलाकात की। खिलाड़ियों के साथ कोच, भारतीय खो-खो महासंघ के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल और मंत्रालय तथा भारतीय खेल प्राधिकरण के अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे। इस दौरान केन्द्रीय मंत्री ने खिलाड़ियों को बधाई दी और उनके प्रदर्शन की सराहना की। देश में पारंपरिक खेलों के बारे में बात करते हुए केन्द्रीय मंत्री मांडविया ने कहा कि पारंपरिक खेल लचीलापन, सामुदायिक भावना को दर्शाते हैं और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि ये हमारे पारंपरिक खेल मूल्यों को बनाए रखते हैं। दुनिया को इन पारंपरिक खेलों की समृद्धि से बहुत कुछ सीखना है।

इंडो नेपाल इंटरनेशनल ताइक्वांडो चैंपियनशिप में छाए खिलाड़ी, जीता एक स्वर्ण, चार रजत और दो कांस्य

एजेंसी

मुरादाबाद। 5वीं इंडो नेपाल इंटरनेशनल ताइक्वांडो चैंपियनशिप में मुरादाबाद का दबदबा छा गया। मुरादाबाद जिले के 7 खिलाड़ियों ने चैंपियनशिप में प्रतिभाग कर शानदार प्रदर्शन किया।

स्थानीय खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता में एक स्वर्ण, चार रजत और दो कांस्य पदक अपने नाम कर पीतलनगरी का नाम रोशन किया। मुरादाबाद पहुंचने पर विजेता खिलाड़ियों का स्वागत अभिनंदन किया गया।

ताइक्वांडो के हेड कोच तकी इमाम ने बताया कि 16 से 19 जनवरी तक नई दिल्ली के पहाड़गंज स्थित करनाल सिंह स्टेडियम 5वीं इंडो नेपाल इंटरनेशनल ताइक्वांडों चैंपियनशिप का आयोजन किया गया। जिसमें मुरादाबाद जिले से सात खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया था। इसमें अकरश स्वर्ण पदक अपने नाम किया। वंशिका, हिमांशु, मनीष शर्मा, सैयद मीर हाशमी ने रजत पदक जीता, इल्मा हसन व अकरश ने कांस्य पदक जीता। विजेता खिलाड़ियों के मुरादाबाद आगमन पर

हेड कोच तकी इमाम व कोच मोहम्मद नोमान ने सभी को शुभकामनाएं व बधाई।

जे एस डब्ल्यू सूरमा हॉकी क्लब ने दिल्ली एसजी पाइपर्स को 2-1 से हराया

एजेंसी

रांची। जे एस डब्ल्यू सूरमा हॉकी क्लब ने आज रांची के मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा एस्ट्रो टर्फ हॉकी स्टेडियम में खेले गए पुरुष हीरो हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) 2024-25 के मैच में दिल्ली एस जी पाइपर्स को 2-1 से हराया। हरजीत सिंह (9फीसदी) और गुरजंत सिंह (17फीसदी) ने सूरमा को शुरुआत में ही बढ़त दिलाई। हालांकि, कोरी वियर (59%) ने आखिरी क्वार्टर में एक गोल कर पाइपर्स को वापसी की उम्मीद दी, लेकिन वे नतीजे को बदलने में असफल रहे। जे एस डब्ल्यू सूरमा हॉकी क्लब ने मैच की शुरुआत में तेज आक्रमण करते हुए पिच पर दबाव बनाने की कोशिश की, लेकिन पाइपर्स ने कड़ी प्रेसिंग करते हुए अधिकतर समय गेंद पर कब्जा बनाए रखा। पहले क्वार्टर में, एक काउंटर अटैक के दौरान, प्रभजोत ने हरजीत सिंह को गेंद पास की, जिन्होंने सर्कल के ऊपर से एक जोरदार शॉट लगाकर पाइपर्स के गोलकीपर पवन को छकाते हुए सूरमा को बढ़त दिला दी। सूरमा ने नियंत्रण बनाए रखा लेकिन और गोल नहीं कर पाए। दूसरे क्वार्टर की शुरुआत सूरमा ने आक्रामक अंदाज में की और पाइपर्स को उनके आधे हिस्से में रोक दिया। कुछ ही मिनटों बाद, गुरजंत सिंह ने सर्कल के ऊपर से गेंद उठाई, अपने डिफेंडर को छकाया और बेंजामिन रेनी को गोलकीपर में मात देकर सूरमा की बढ़त को दोगुना कर दिया। पाइपर्स ने धीरे-धीरे अपनी लय पकड़नी शुरू की और दिलराज सिंह और काई विलियट के शॉट्स

के जरिए गोल करने की कोशिश की, लेकिन सूरमा की मजबूत रक्षापंक्ति को भेद नहीं सके। तीसरा क्वार्टर काफी रोमांचक रहा, जिसमें दोनों टीमों ने आक्रामक खेल दिखाया। सूरमा और पाइपर्स ने सर्कल में प्रवेश करते हुए एक-दूसरे पर हमले किए। सूरमा के पास क्वार्टर के अंत में एक और मौका था, जब गुरजंत ने काउंटर अटैक पर प्रभजोत सिंह को पास देने की कोशिश की, लेकिन पवन ने इसे रोक दिया। पाइपर्स ने जवाब में पेनल्टी कॉर्नर अर्जित किया, लेकिन विन्सेंट वानाश और सूरमा की डिफेंस लाइन ने इसे नाकाम कर दिया।

आखिरी क्वार्टर में, पाइपर्स ने मैन-टू-मैन डिफेंस का सहारा लिया, लेकिन सूरमा ने गेंद को अपने पास रखते हुए उसे बैकलाइन पर रोटेट किया। सूरमा ने एक और काउंटर अटैक में गोल करने की कोशिश की, लेकिन फिल रोपर का पास पाइपर्स के रोहित ने रोक लिया। पाइपर्स ने मैच के अंत में सूरमा पर दबाव बनाया और कोरी वियर ने विन्सेंट वानाश के बचाव के बाद उछलती गेंद को गोल में तब्दील कर पाइपर्स के लिए एक गोल किया। आखिरी सेकंड में पाइपर्स ने पेनल्टी कॉर्नर अर्जित किया, लेकिन टॉमस डोमिन के तेज शॉट को वानाश ने शानदार तरीके से बचा लिया और सूरमा ने 2-1 से जीत दर्ज की।

काबरा ज्वेल्स की धांसू लिस्टिंग से खिले निवेशकों के चेहरे, पहले दिन ही दोगुना हुआ पैसा

एजेंसी

नई दिल्ली। गोल्ड और डायमंड की ज्वेलरी बनाने वाली कंपनी काबरा ज्वेल्स ने आज शेयरों की लिस्टिंग के जरिए स्टॉक मार्केट में शानदार शुरुआत की। इस जोरदार शुरुआत के कारण कंपनी के आईपीओ निवेशकों का पैसा पहले दिन ही लगभग दोगुना हो गया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 128 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर ये शेयर 90 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 243.20 रुपये के स्तर पर लिस्ट हुए। लिस्टिंग के बाद खरीदारों ने इसे हाथों हाथ लिया, जिसकी वजह से थोड़ी ही देर में ये शेयर उछल कर 255.35 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गया काबरा ज्वेल्स का 40 करोड़ रुपये का आईपीओ 15 से 17 जनवरी के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जोरदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 356.02 गुना सब्सक्राइब हो गया था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 154.53 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 556.90 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 384.90 गुना सब्सक्राइब हुआ था।

स्टॉक मार्केट में रिखव सिक्योरिटीज की जोरदार एंट्री, पहले दिन ही डबल हुआ निवेशकों का पैसा

नई दिल्ली। ब्रोकरेज, बैंकिंग सर्विसेज और इन्वेस्टिंग फैसिलिटी मुहैया कराने वाली कंपनी रिखव सिक्योरिटीज के शेयरों की आज स्टॉक मार्केट में जोरदार एंट्री हुई। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 86 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग एसएमई सेगमेंट के लिए तय मैक्सिमम परमीसिबल लिमिट 90 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 163.40 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद खरीदारी के सपोर्ट से इस शेयर में और तेजी आ गई, जिसके कारण थोड़ी ही देर में ये उछल कर 171.57 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गया। इस तरह पहले ही दिन कंपनी के आईपीओ निवेशकों का पैसा लगभग डबल हो गया। रिखव सिक्योरिटीज का 71.62 करोड़ रुपये का आईपीओ 15 से 17 जनवरी के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जोरदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 307 गुना सब्सक्राइब हो गया था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 170.92 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 616.42 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 251.36 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 71.62 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए गए हैं। इसके अलावा 5 रुपये फेस वैल्यू वाले 20 लाख शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के तहत बेचे गए हैं।

बीपीसीएल का मुनाफा 36.85 प्रतिशत बढ़ा

मुंबई। सरकारी तेल रिफाइनर भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) ने चालू वित्त वर्ष की दिसंबर 2024 में समाप्त तिमाही में एकल शुद्ध लाभ 4649 करोड़ रुपये रहा है जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के 3397 करोड़ रुपये की तुलना में 36.85 प्रतिशत अधिक है। बीपीसीएल ने निदेशक मंडल की बैठक के बाद आज जारी वित्तीय लेखाजोखा में कहा कि हालांकि दिसंबर 2024 को समाप्त तिमाही के लिए परिचालन राजस्व में 1.86 प्रतिशत की गिरावट आई, जो पिछले साल की समान अवधि में 1,29,946.95 करोड़ की तुलना में कुल 1,27,520.50 करोड़ रहा। कंपनी ने चालू वित्त वर्ष के लिए 5 रुपये प्रति शेयर अंतरिम लाभांश की भी घोषणा की है और लाभांश भुगतान के लिए 29 जनवरी को रिकॉर्ड तिथि निर्धारित की गई है।

एस्सार रिन्यूएबल्स ने महाराष्ट्र सरकार के साथ किया करार

मुंबई। हरित ऊर्जा क्षेत्र की अग्रणी कंपनी एस्सार रिन्यूएबल्स लिमिटेड (ईआरएल) ने महाराष्ट्र सरकार के साथ दो गीगावाट अक्षय ऊर्जा क्षमता विकसित करने के लिए करार किया है। कंपनी ने बयान जारी कर बताया कि ईआरएल) ने महाराष्ट्र सरकार के साथ दावोस में वर्ल्ड इकनॉमिक फोरम (डब्ल्यूईएफ) के दौरान एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। यह समझौता राज्य में एस्सार रिन्यूएबल्स की दो गीगावाट अक्षय ऊर्जा क्षमता विकसित करने और ग्रीन मोबिलिटी को सशक्त बनाने की योजना को आगे बढ़ाता है।कंपनी ने बताया कि इस परियोजना के तहत 8,000 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा।चौबीसों घंटे चलने वाली अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं का निर्माण, जो इलेक्ट्रिक वाहन ट्रकों के चार्जिंग इकोसिस्टम (ब्लू एनर्जी मोटर्स और ग्रीनलाइन) का समर्थन करेगी। इससे 2000 से अधिक प्रत्यक्ष रोजगार का सृजन होगा। परियोजनाएं वित्तीय वर्ष 2026-27 में शुरू होंगी। एस्सार रिन्यूएबल्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अंकुर कुमार ने कहा, हम महाराष्ट्र सरकार के साथ इस महत्वपूर्ण साझेदारी को लेकर उत्साहित हैं। यह कदम हमारी अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं को नया आयाम देगा और हमें इस क्षेत्र में अग्रणी बनाएगा।

रेड मॉल मामले में जीडीए को मिला दो सौ सत्रह करोड़ अट्ठारह लाख वसूलने के अधिकार

एजेंसी

गाजियाबाद। एनसीएलटी (नेशनल कम्पनी लॉ ट्रिब्यूनल) ने रेड मॉल मामले ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। एनसीएलटी ने रेड मॉल के वित्तीय विवाद को सुलझाते हुए प्राधिकरण को वित्तीय ऋणदाता के रूप में मान्यता दी है। इस जीत के साथ ही प्राधिकरण को दो सौ सत्रह करोड़ अट्ठारह लाख रुपये की धनराशि की वसूली का अधिकार मिल गया है। यह धनराशि 28 फरवरी 2022 तक बकाया थी। जीडीए ने इस धनराशि को एनसीएलटी में क्लेम किया था।

माना जा रहा है कि जीडीए द्वारा मजबूत पक्ष रखने के कारण यह ऐतिहासिक जीत मिली है। जीडीए उपाध्यक्ष अतुल वत्स को इस

ऐतिहासिक जीत का श्रेय जा रहा है। क्योंकि उन्होंने समय-समय पर इस मामले में एनसीएलटीसी में अपना पक्ष मजबूत करने के लिए संबंधित अधिकारियों को लगातार प्रेरित किया था। आपको बता दें कि विवादित संपत्ति (खसरा संख्या 352, 353, 354, 355, 358, 371, 372) के स्वामित्व, भुगतान और परियोजना निर्माण से जुड़े मुद्दों को लेकर रेड मॉल ग्रुप के साथ विवाद एनसीएलटी में लंबित था। जिस पर जीडीए ने मजबूती से अपना पक्ष रखा। जिसमे प्रत्येक सुनवाई पर प्राधिकरण से उपाध्यक्ष के निर्देशन मे अधिकारियों द्वारा प्रतिभाग किया गया और बारीकी से केस की प्रगति पर निगरानी रखी गयी और उस पर उपाध्यक्ष से चर्चा कर आगे की रणनीति तय की गयी। इस निर्णय के बाद जीडीए उपाध्यक्ष अतुल वत्स ने कहा है कि गाजियाबाद विकास प्राधिकरण ने यह साबित किया है कि वह क्षेत्र के विकास के साथ-साथ विवादित मामलों को निष्पक्षता और प्रभावी तरीके से सुलझाने में भी सक्षम है। यह सफलता प्राधिकरण की प्रतिबद्धता और कुशलता का प्रमाण है।

एनएसई ने 5 माह में एक करोड़ निवेशक जोड़े, आंकड़ा 11 करोड़ के पार

एजेंसी

नई दिल्ली। शेयर बाजार के प्रमुख सूचकांक नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर पंजीकृत निवेशकों की संख्या 11 करोड़ पार हो गई है। इसमें एक करोड़ पंजीकरण सिर्फ पांच महीनों में हुए हैं। एक्सचेंज के मुख्य व्यवसाय विकास अधिकारी श्रीराम कृष्णन ने कहा, एनएसई में पंजीकृत निवेशकों की संख्या 11 करोड़ के आंकड़े को पार कर गई है। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही एक्सचेंज में पंजीकृत क्लाइंट कोड (खातों) की कुल संख्या 21 करोड़ हो गई है, जिसमें आज तक किए गए सभी पंजीकरण शामिल हैं। साल 1994 में एनएसई के परिचालन की शुरुआत के बाद से 1 करोड़ निवेशकों तक पहुंचने में इसको 14 साल लग गए। इसके बाद यह गति तेज हुई। वहीं, अगले एक करोड़ पंजीकरण में करीब सात साल लगे, उसके बाद अगले एक करोड़ के लिए 3.5 साल और चौथे करोड़ को जोड़ने में एक साल से थोड़ा ज्यादा वक्त लगा। पिछले साल मानक

सूचकांक निफ्टी 50 ने 8.8 फीसदी का रिटर्न दिया जबकि निफ्टी 500 सूचकांक में 15.2 फीसदी की शानदार बढ़त देखने को मिली। उल्लेखनीय है कि पिछले नौ साल से भारतीय बाजारों में सकारात्मक रिटर्न देखने को मिल रहा है। विशेष बात यह है कि कोई ग्राहक एक से अधिक ट्रेडिंग सदस्यों के साथ पंजीकरण करा सकते हैं।

एचडीएफसी बैंक को तीसरी तिमाही में 16,736 करोड़ रुपये का मुनाफा

एजेंसी

नई दिल्ली। निजी क्षेत्र के सबसे बड़े बैंक एचडीएफसी ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही के नतीजे का ऐलान कर दिया है। 31 दिसंबर, 2024 को समाप्?त (अक?टूबर-दिसंबर) तिमाही में बैंक का मुनाफा सालाना आधार पर 2.2 फीसदी बढ़कर 16,736 करोड़ रुपये रहा है। पिछले वित्त वर्ष 2023-24 की समान तिमाही में बैंक को 16,373 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था।

एचडीएफसी बैंक ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि चालू वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही में एकल आधार पर शुद्ध लाभ दो फीसदी बढ़कर 16,736 करोड़ रुपये रहा है। पिछले वित्त वर्ष 2023-25 की समान अवधि में बैंक को 16,373 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। बैंक ने बताया कि तीसरी तिमाही में एकल आधार पर उसकी कुल आय बढ़कर 87,460 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में 81,720 करोड़ रुपये थी। बैंक के मुताबिक तीसरी तिमाही में एकीकृत आधार पर उसका लाभ मामूली

सुधार के साथ 17,258 करोड़ रुपये से बढ़कर 17,657 करोड़ रुपये हो गया। हालांकि, एकीकृत कुल आय घटकर 1,12,194 करोड़ रुपये रह गई है, जो पिछले वित्त वर्ष की अक्टूबर-नवंबर तिमाही में 1,15,016 करोड़ रुपये रही थी। परिसंपत्ति की गुणवत्ता के मामले में बैंक की सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) दिसंबर, 2024 के अंत तक कुल कर्ज का 1.42 फीसदी रह गई, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 1.26 फीसदी थी। इसके अलावा शुद्ध एनपीए यानी फंसा कर्ज बढ़कर 0.46 फीसदी रहा है, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में 0.31 फीसदी था।

भारत की अक्षय ऊर्जा क्रांतिः 2024 की उपलब्धियां और 2025 का लक्ष्य

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत की कुल गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित ऊर्जा क्षमता 20 जनवरी, 2025 तक 217.62 गीगावाट तक पहुंच गई है। इसमें वर्ष 2024 में रिकॉर्ड तोड़ 24.5 गीगावाट सौर ऊर्जा क्षमता और 3.4 गीगावाट पवन ऊर्जा क्षमता जोड़ी गई, जो 2023 की तुलना में सौर प्रतिष्ठानों में दोगुने से ज?यादा और पवन ऊर्जा प्रतिष्ठानों में 21 फीसदी की वृद्धि को दर्शाता है। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि भारत जैसे-जैसे एक स्थायी भविष्य की ओर अपने को बढ़ा रहा है, इसके नवीकरणीय ऊर्जा (आरई) क्षेत्र में अभूतपूर्व वृद्धि देखी जा रही है। वर्ष 2024 में देश ने सौर और पवन ऊर्जा प्रतिष्ठानों, नीतिगत प्रगति तथा बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए महत?वपूर्ण प्रगति की है, जिससे वर्ष 2025 में महत्वाकांक्षी लक्ष्यों के लिए मंच तैयार हो गया है। मंत्रालय के मुताबिक वर्ष 2030 तक 500 गीगावाट गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित ऊर्जा क्षमता हासिल करने की प्रतिबद्धता के साथ भारत स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में ग्लोबल लीडर के रूप में उभर रहा है। वर्ष

2024 में रिकॉर्ड तोड़ 24.5 गीगावाट सौर क्षमता और 3.4 गीगावाट पवन क्षमता जोड़ी गई, जो 2023 की तुलना में सौर प्रतिष्ठानों में दोगुने से अधिक वृद्धि और पवन प्रतिष्ठानों में 21 फीसदी की वृद्धि को दर्शाती है। मंत्रालय के मुताबिक यह बढ़ोतरी सरकारी प्रोत्साहन, नीतिगत सुधारों और घरेलू सौर और पवन टरबाइन विनिर्माण में बढ़े हुए निवेश के कारण संभव हुआ। भारत की अक्षय ऊर्जा वृद्धि में सौर ऊर्जा प्रमुख योगदानकर्ता के रूप में बनी रही, जो कुल स्थापित अक्षय ऊर्जा क्षमता का 47 फीसदी है। पिछले साल 18.5 गीगावाट सौर क्षमता की स्थापना हुई, जो 2023 की तुलना में करीब 2.8 गुना अधिक है। राजस्थान, गुजरात और तमिलनाडु शीर्ष प्रदर्शन करने वाले राज्यों के रूप में उभरे, जिनका भारत के कुल सौर ऊर्जा उत्पादन में 71 फीसदी का योगदान रहा।

दूरसंचार क्षेत्र में वृद्धि के लिए प्रभावी स्पेक्ट्रम प्रबंधन महत्वपूर्णः ट्राई प्रमुख

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) के अध्यक्ष अनिल कुमार लाहोटी ने कहा कि दूरसंचार क्षेत्र में नवाचार, सार्वभौमिक कनेक्टिविटी और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रभावी स्पेक्ट्रम प्रबंधन रणनीति महत्वपूर्ण है।संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने जारी बयान में बताया कि ट्राई के अध्यक्ष अनिल कुमार लाहोटी ने एशिया प्रशांत दूरसंचार समुदाय (एपीटी) के महासचिव मसनोरी कोंडो की उपस्थिति में स्पेक्ट्रम पर दक्षिण एशियाई दूरसंचार विनियामक परिषद (एसएटीआरसी) कार्यशाला का उद्घाटन किया।

मंत्रालय के मुताबिक तीन दिवसीय कार्यशाला में एसएटीआरसी के सदस्य देशों के प्रतिनिधि, कार्य समूह के सदस्य, उद्योग विशेषज्ञ, कई सरकारी विभागों के प्रतिनिधि आदि भाग लेंगे। इस कार्यशाला का आयोजन एशिया प्रशांत दूरसंचार समुदाय की ओर से किया गया है, जिसकी मेजबानी भारतीय दूरसंचार विनियामक गोवा के होटल डबल ट्री बाय हिल्टन में कर रहा है। इस कार्यशाला का उद्देश्य तेजी से विकसित हो रहे दूरसंचार परिदृश्य में प्रभावी स्पेक्ट्रम प्रबंधन के महत्व पर चर्चा करना है।

कार्यशाला के प्रमुख बिंदु

-स्पेक्ट्रम पर इस एसएटीआरसी कार्यशाला से प्रतिभागियों के बीच स्पेक्ट्रम प्रबंधन के प्रमुख मुद्दों के बारे में बेहतर समझ विकसित होने की उम्मीद है, जिससे एसएटीआरसी कार्य समूह के लिए कार्रवाई योग्य दिशा-निर्देश तैयार होंगे। इसके अतिरिक्त, कार्यशाला का उद्देश्य सदस्य देशों और उद्योग विशेषज्ञों के बीच सहकार्यता को बढ़ावा देना है।

डीपीआईआईटी ने जॉब्स पैदा करने और प्रतिभा को बढ़ावा देने के लिए 'अपना' के साथ साझेदारी की

एजेंसी

नई दिल्ली। उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) और रोजगार एवं पेशेवर नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म 'अपना' ने प्रतिभा खोज के लिए हाथ मिलाया है, ताकि डीपीआईआईटी-पंजीकृत स्टार्टअप्स को उच्च कुशल जनशक्ति से लैस किया जा सके और इस प्रकार बेरोजगार युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा किए जा सकें। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि ये समझौता ज्ञापन (एमओयू) के जरिए औपचारिक रूप से की गई है। इस साझेदारी से भारत स्टार्टअप रजिस्ट्री (भास्कर) प्लेटफॉर्म पर पंजीकृत 7 लाख संस्थाओं में से प्रत्येक के लिए अपना के प्लेटफॉर्म पर हायरिंग क्रेडिट में 2000 रुपये प्रति इकाई का मौद्रिक मूल्य मिलेगा। वर्तमान में इसका मूल्य 140 करोड़ रुपये होगा। जैसे-जैसे स्टार्टअप इकोसिस्टम धीरे-धीरे

विकसित होगा, इस पहल का मूल्य बढ़कर अनुमानित 300 करोड़ रुपये तक पहुंच जाएगा। मंत्रालय के मुताबिक यह आपसी सहयोग डीपीआईआईटी पंजीकृत स्टार्टअप को अपना के प्लेटफॉर्म पर 2000 रुपये के क्रेडिट प्रदान करने का प्रयास करता है। यह क्रेडिट जॉब पोस्टिंग को सक्षम करके और अनुरूप प्रतिभा पूल तक पहुंच को अनलॉक करके बेहतर भर्ती का समर्थन करेंगे। भास्कर पर सात लाख पंजीकरणों के साथ यह पहल 140 करोड़ रुपये से अधिक के मूल्य का प्रतिनिधित्व करती है। जैसे-जैसे पारिस्थितिकी तंत्र के भीतर स्टार्टअप की संख्या बढ़ती है, मूल्य 300 करोड़ रुपये तक बढ़ जाएगा, जो भारत की उद्यमशीलता का समर्थन करने के लिए महत्वपूर्ण संसाधन प्रदान करेगा। वाणिज्य मंत्रालय के मुताबिक क्रेडिट स्टार्टअप को अपना के व्यापक भर्ती उपकरणों तक पहुंचने में सक्षम करेगा, जिससे बेहतर जॉब मैचिंग और दक्षता को बढ़ावा मिलेगा।

प्रतिभा तक बेहतर पहुंच नई पहलों के लिए बाजार में लगने वाले समय में कमी लाएगी, जिससे परिचालन को बढ़ाने में स्टार्टअप को मदद मिलेगी। इसके अलावा अपना का प्लेटफॉर्म कुशल श्रमिकों के लिए भारत के उभरते उद्यमी पारिस्थितिकी तंत्र से जुड़ने के लिए रास्ते तैयार करेगा। क्रेडिट स्टार्टअप को अपना की जॉब पोस्टिंग और एआई-संचालित मिलान सुविधाओं का उपयोग करने में सक्षम बनाएगा, जो उनकी भर्ती आवश्यकताओं के अनुरूप होगा।

गैर निवासी क्रूज शिप संचालकों के लिए आयकर अधिनियम में संशोधन अधिसूचित

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने गैर-निवासी क्रूज शिप ऑपरेटरों के लिए अनुमानित कराधान व्यवस्था की प्रयोज्यता के लिए शर्तें निर्धारित करने हेतु आयकर नियमों में संशोधन को अधिसूचित किया है। आयकर विभाग ने जारी एक बयान में कहा कि निवेश और रोजगार को बढ़ावा देने के उपाय के रूप में वित्त अधिनियम, 2024 ने क्रूज जहाजों के संचालन के व्यवसाय में लगे गैर-निवासियों के लिए एक अनुमानित कराधान व्यवस्था शुरू की गई है। इसके अलावा किसी विदेशी कंपनी को भारत में ऐसे जहाजों का संचालन करने वाली संबंधित कंपनी से प्राप्त क्रूज जहाजों के पट्टा किराये से होने वाले इनकम के लिए भी छूट प्रदान की गई है।

सीबीडीटी की ओर से जारी अधिसूचना के मुताबिक इस

प्रकल्पित कराधान व्यवस्था की प्रयोज्यता निर्धारित शर्तों के अधीन है। इसमें गैर-निवासियों के लिए निर्धारित इन शर्तों के अनुसार संचालित किए जाने वाले यात्री जहाज की वहन क्षमता 200 से अधिक यात्रियों की होनी चाहिए या इसकी लंबाई 75 मीटर या उससे अधिक होनी चाहिए तथा इसमें यात्रियों के लिए मनोरंजन और मनोरंजन के लिए उपयुक्त भोजन और केबिन की सुविधा होनी चाहिए।

अधिसूचना के मुताबिक

संचालित किए जाने वाले जहाज को भारत के कम से कम दो समुद्री बंदरगाहों या भारत के एक ही समुद्री बंदरगाहों को दो बार छूते हुए निर्धारित यात्रा या तटीय भ्रमण पर होना चाहिए। यह भी अनिवार्य है कि संचालित किया जाने वाला जहाज मुख्य रूप से यात्रियों को ले जाने के लिए हो, न कि माल ढोने के लिए। इसके अलावा जहाज को पर्यटन मंत्रालय या शिपिंग मंत्रालय द्वारा जारी प्रक्रिया और दिशानिर्देशों के अनुसार संचालित किया जाना होगा।

इन संशोधनों का प्रस्ताव केन्द्रीय बजट में क्रूज-शिपिंग उद्योग को बढ़ावा देने के लिए किया गया था, जिसका उद्देश्य भारत को एक आकर्षक क्रूज पर्यटन स्थल बनाना, देश में क्रूज शिपिंग के लिए वैश्विक पर्यटकों को आकर्षित करना और घरेलू पर्यटकों के बीच क्रूज शिपिंग को लोकप्रिय बनाना था।

उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार ने पांच वर्षीय क्रूज भारत मिशन भी शुरू किया है, जिसका लक्ष्य 2029 तक 10 लाख यात्रियों तक पहुंच कर तथा 4,00,000 नौकरियां सृजित करके भारत में क्रूज पर्यटन को बढ़ावा देना है। इस मिशन में एक समर्पित कोष की स्थापना, कैबोटेज विनियमों को आसान बनाना और वित्तीय प्रोत्साहन शामिल हैं।

ईपीएफओ ने नवंबर महीने के दौरान शुद्ध 14.63 लाख सदस्य जोड़े

एजेंसी

नई दिल्ली। रोजगार के मोर्चे पर अच्छी खबर है। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने नवंबर महीने में शुद्ध रूप से (नेट) 14.63 लाख सदस्य जोड़े हैं। पिछले महीने अक्टूबर, 2024 के दौरान ईपीएफओ ने 13.41 लाख सदस्यों को जोड़ा था। श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने बताया कि ईपीएफओ ने नवंबर, 2024 में 14.63 लाख नेट सदस्यों को जोड़ा है, जबकि अक?टूबर, 2024 के दौरान ईपीएफओ ने 13.41 लाख सदस?यों को जोड़ा था। इस तरह ईपीएफओ से जुड़ने वाले सदस्यों की संख?या में शुद्ध 9.07 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है। वहीं, सालाना आधार पर नवंबर 2023 की तुलना में शुद्ध सदस्यों की संख?या में 4.88 फीसदी की वृद्धि है। अनंतिम पेरोल डेटा के मुताबिक ईपीएफओ ने नवंबर, 2024 में करीब 8.74 लाख नए सदस्य जोड़े हैं। अक्टूबर, 2024 की तुलना में नए सदस्यों की संख्या में 16.58 फीसदी की वृद्धि दर्ज हुई है।

नए सदस्यों के सालाना आधार पर विश्लेषण से पता चलता है कि नवंबर 2023 में पिछले वर्ष की तुलना में नए सदस्यों की संख्या में 18.80 फीसदी की वृद्धि दर्ज हुई है।आंकड़ों के मुताबिक इस दौरान ईपीएफओ से जुड़ने वालों में 18-25 आयु वर्ग के सदस?यों का दबदबा रहा है। नवंबर, 2024 के दौरान 18-25 आयु वर्ग में 4.81 लाख नए सदस्य जुड़े हैं, जो इस दौरान जोड़े गए कुल नए सदस्यों का 54.97 फीसदी है। वहीं, 18-25 आयु वर्ग के नए सदस्यों की संख?या पिछले महीने अक्टूबर की तुलना में 9.56 फीसदी ज?यादा है, जबकि नवंबर 2023 की तुलना में 13.99 फीसदी की वृद्धि है। श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने कहा कि ईपीएफओ के जारी आंकड़ों के मुताबिक यह पहले की प्रवृत्ति के अनुरूप है, जो दर्शाता है कि संगठित कार्यबल में शामिल होने वाले अधिकांश व्यक्ति युवा हैं।

रुपया 26 पैसे मजबूत

मुंबई । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की टैरिफ योजनाओं पर स्पष्टता की कमी के कारण वित्तीय बाजारों में अनिश्चितता से दुनिया की प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर के दो सप्ताह के निचले स्तर तक लुढ़कने की

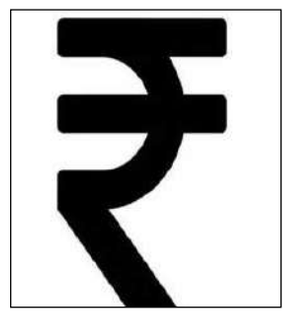

बदौलत आज अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया 26 पैसे मजबूत होकर 86.33 रुपये प्रति डॉलर पर पहुंच गया। वहीं, इसके पिछले कारोबारी दिवस रुपया 86.59 रुपये प्रति डॉलर पर रहा था। शुरूआती कारोबार में रुपया सात पैसे की बढ़त लेकर 86.52 रुपये प्रति डॉलर पर खुला और सत्र के दौरान आयातकों एवं बैंकरों की डॉलर बिकवाली होने से 86.30 रुपये प्रति डॉलर के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। वहीं, लिवाली के दबाव में यह 86.60 रुपये प्रति डॉलर के निचले स्तर पर भी रहा। अंत में पिछले दिवस के 86.59 रुपये प्रति डॉलर की तुलना में 26 पैसे चढ़कर 86.33 रुपये प्रति डॉलर पर पहुंच गया।

इंडेक्स शेयरों में हुई खरीदारी से शेयर बाजार में तेजी, बढ़त के साथ बंद हुए सेंसेक्स और निफ्टी

एजेंसी

नई दिल्ली।बड़ी गिरावट के बाद आज घरेलू शेयर बाजार इंडेक्स शेयरों में हुई खरीदारी के कारण मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा। आज के कारोबार की शुरुआत भी तेजी के साथ हुई थी। हालांकि दिन के कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक कुछ देर के लिए लुढ़क कर लाल निशान में भी पहुंचे लेकिन इसके बाद खरीदारी का सपोर्ट मिल जाने के कारण दोनों सूचकांकों में तेजी आ गई। पूरे दिन उतार चढ़ाव का सामना करने के बाद सेंसेक्स 0.75 प्रतिशत और निफ्टी 0.57 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुए। आज के कारोबार में आईटी और फार्मास्यूटिकल सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही। इसके साथ ही बैंकिंग और टेक इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद हुए। रियल्टी, पीएसई और एनर्जी सेक्टर के शेयरों में जम कर बिकवाली होती रही। इसके अलावा ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल, एफएमसीजी, मेटल और ऑयल एंड गैस इंडेक्स भी गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 1.20 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 1.56 प्रतिशत की गिरावट के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई मजबूती के बावजूद ब्रॉडर मार्केट में हुई जोरदार बिकवाली के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 421.96 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। पिछले कारोबारी दिन यानी मंगलवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 424.07 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 2.11 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,059 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,147 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,797 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 115 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,559 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 635 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,914 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 21 शेयर बढ़त के साथ और 9 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 27 शेयर हरे निशान में और 23 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 276.06 अंक की मजबूती के साथ 76,114.42 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के बाद कुछ देर तक ये सूचकांक मामूली उतार चढ़ाव के साथ कारोबार करता रहा लेकिन दोपहर 11 बजे के करीब बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से ये सूचकांक सारी बढ़त गंवा कर 21.86 अंक की कमजोरी के साथ 75,816.50 अंक तक गिर गया। हालांकि दोपहर 2 बजे के बाद खरीदारों ने एक बार फिर जोर लगाया, जिसकी वजह से सेंसेक्स 566.63 अंक की मजबूती के साथ 76,404.99 अंक के स्तर पर बंद होने में सफल रहा। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 74.50 अंक की मजबूती के साथ 23,099.15 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के बाद लिवालों और बिकवालों के बीच एक दूसरे पर हावी होने की कोशिश शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में भी उतार-चढ़ाव होने लगा।

काठमांडू से हांगकांग जा रहे चीनी नागरिक 16 किलो ड्रग्स के साथ गिरफ्तार

एजेंसी

काठमांडू। काठमांडू के त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय विमानस्थल से एक चीनी नागरिक को 16 किलो प्रतिबंधित ड्रग्स के साथ गिरफ्तार किया गया है। काठमांडू से हांगकांग जा रहे चीनी नागरिक के बैगेज के 16 किलो ड्रग्स बरामद होने के बाद हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। विमस्थल के सुरक्षा प्रमुख एसएसपी सोमेंद्र सिंह राठौड़ ने बताया कि कैथे पैसेफिक विमान से हांगकांग के तरफ जा रहे समय उसके लगेज की जांच के दौरान यह ड्रग्स बरामद किया गया। गिरफ्तार किए गए चीनी नागरिक और जब्त किए गए ड्रग्स को नारकोटिक्स ब्यूरो को सौंप दिया गया है। ब्यूरो के प्रवक्ता रामेश्वर कार्की ने कहा कि ड्रग्स की जांच के लिए लैब में भेज दिया गया है। उन्होंने बताया कि इनमें कई तरह के ड्रग्स हैं। इसलिए जांच के बाद इसकी कीमत का अंदाजा लगाया जा सकता है।

अमेरिका के एक स्कूल में गोलीबारी, दो की मौत

वाशिंगटन । अमेरिकी राज्य टेनेसी के नैशविले में एक स्कूल में गोलीबारी हुई है। फायरिंग में हमलावर छात्र समते दो की मौत हो गई। मेट्रो नैशविले पुलिस विभाग ने कहा है कि सुबह 11:09 बजे गोलीबारी की पहली कॉल 911 आपातकालीन नंबर पर आई थी। पुलिस ने कहा कि शूटर ने एक छात्र की हत्या करने के बाद खुद को भी गोली से उड़ा लिया। इस हादसे में एक अन्य छात्र को हल्की चोट आई है। पुलिस ने मृतक की पहचान 16 वर्षीय जोसेलिन कोरिया एस्केलेंटे और शूटर की पहचान 17 वर्षीय सोलोमन हेंडरसन के रूप में की है। स्कूल डिस्ट्रिक्ट (मेट्रो स्कूल) ने एक्स पर एक बयान जारी करते हुए कहा, एंटिओक हाई स्कूल की इमारत के अंदर गोलीबारी हुई जिसकी वजह से स्कूल को बंद कर दिया गया है। मेट्रो पुलिस मौके पर है। गोलीबारी के लिए जिम्मेदार व्यक्ति से अब कोई खतरा नहीं है। हम छात्रों को ऑडिटोरियम में एकत्रित करेंगे। हुई गोलीबारी की घटना लगभग दो साल पहले हुई वारदात की याद दिला दी। तब एक स्कूल में हुई गोलीबारी में नौ वर्षीय तीन छात्रों और तीन वयस्क कर्मचारियों की मौत हो गई थी। शूटर को भी पुलिस ने मार गिराया था। बुधवार की वारदात राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में पहली गोलीबारी की घटना है। व्हाइट हाउस ने एक बयान में कहा, राष्ट्रपति और उनकी टीम नैशविले से आने वाली खबरों पर नजर रख रही है।

जंगल की आग के बीच प्रदूषित हवा की चुनौती, प्रशासन की सलाह - घर से बाहर निकलने से बचें

कैलिफोर्निया । यूएस नेशनल वेदर सर्विस (एनडब्ल्यूएस) ने जंगल में लगी आग और खराब वायु गुणवत्ता की वजह से कैलिफोर्निया के लोगों को घरों से बाहर नहीं जाने की सलाह दी गई है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, एनडब्ल्यूएस ने साउथ कोस्ट एयर बेसिन, कोचेला वैली और पूर्वी रिवरसाइड काउंटी में हवा की गुणवत्ता को लेकर कई चेतावनियां जारी की हैं। सोमवार से लॉस एंजिल्स और वेंचुरा काउंटियों के कुछ हिस्सों में तेज 'सांता एना' हवा चलने की संभावना जताई जो आग को भड़का सकती हैं। एनडब्ल्यूएस के अनुसार, लॉस एंजिल्स और वेंचुरा काउंटियों के कुछ हिस्सों में रातभर तेज और 'सांता एना' हवाएं चलने की संभावना है। साउथ कोस्ट एयर क्वालिटी मैनेजमेंट डिस्ट्रिक्ट ने मंगलवार शाम तक तेज़ 'सांता एना' हवाओं के कारण हवा में उड़ने वाली धूल और राख को लेकर भी चेतावनी जारी की। एनडब्ल्यूएस ने ज्यादातर क्षेत्र के लिए रेड फ्लैग चेतावनियां, तेज़ हवा की चेतावनी और हवा से संबंधित सलाह जारी की है। पिछले हफ्ते, दक्षिणी कैलिफोर्निया में भीषण जंगल की आग में 27 लोगों की मौत हो गई है। आग एक हफ्ते से ज्यादा समय तक चली। इस दौरान कम से कम 12,300 इमारतें नष्ट हो गईं।

कौन हैं वो बिशप जिनके भाषण ने मचाया तहलका, ट्रंप को सुनाई खरी-खरी

वाशिंगटन। वाशिंगटन की बिशप, मैरिएन एडगर बुडे का भाषण सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। दुनिया भर के यूजर्स इस पर प्रतिक्रिया दे रहे हैं। उन्होंने यह भाषण वाशिंगटन नेशनल कैथेड्रल में डोनाल्ड ट्रंप की 'इनॉगरल प्रेयर सर्विस' के दौरान दिया और राष्ट्रपति से उन लोगों पर 'दया' करने अपील की, जो 'अब डरे हुए हैं', इनमें एलजीबीटीक्यू+ सदस्यों और आप्रवासी परिवार शामिल हैं। अपने 15 मिनट भाषण दौरान, बुडे ने सीधे ट्रंप को संबोधित किया, जो आगे की पंक्ति में पत्नी मेलानिया के साथ बैठे थे। उन्होंने कहा, हमारे भगवान के नाम पर, मैं आपसे (ट्रंप) हमारे देश के उन लोगों पर दया करने के लिए कहती हूं जो अब डरे हुए हैं। बुडे ने देश भर में डेमोक्रेटिक, रिपब्लिकन और स्वतंत्र परिवारों में समलैंगिक, लेस्बियन और ट्रांसजेंडर बच्चों का उल्लेख किया जिन्हें अपने जीवन के लिए डर सता रहा है। बिशप ने अप्रवासी श्रमिकों के लिए भी आवाज उठाई, जिनमें वे लोग भी शामिल हैं जिनके पास उचित दस्तावेज़ नहीं हैं। उन्होंने कहा कि उनमें से अधिकांश अपराधी नहीं बल्कि अच्छे पड़ोसी हैं। ट्रंप बिशप के भाषण से खासे नाराज हैं।

हमास सप्ताहांत तक अर्बेल येहुद को भी छोड़ देगा, इजराइल को उम्मीद

एजेंसी

तेल अवीव। इजराइल को हमास से उम्मीद है कि वह गाजा में संघर्ष विराम और बंधक रिहाई समझाते के अंतर्गत सप्ताहांत तक अर्बेल येहुद को भी रिहा कर देगा। हमास ने शनिवार तक गाजा पट्टी से चार बंधकों की रिहाई की घोषणा की है। इजराइल ने कहा है कि 29 वर्षीय अर्बेल येहुद सात अक्टूबर, 2023 से हमास के आतंकवादियों के चंगुल में है। द टाइम्स ऑफ इजराइल की खबर के अनुसार, अर्बेल येहुद इजराइल की महिला नागरिक हैं। ऐसा माना जाता है कि उसे फिलिस्तीनी इस्लामिक जिहाद आतंकवादी समूह ने पकड़ रखा है। इजराइल ने हमास से अपेक्षा की है कि वह मुक्त होने वाली चार महिला बंधकों के नाम उनकी निर्धारित रिहाई से एक दिन पहले शुक्रवार तक प्रदान करेगा। येहुद को उसके प्रेमी एरियल कुनियो के साथ सात अक्टूबर को उनके किबुत्ज निर ओज स्थित घर से

बंधक बनाया गया था। इन दोनों को बचाने के प्रयासों के दौरान येहुद के भाई डोलेव येहुद की जान चली गई थी। अर्बेल येहुद बंधक रिहाई समझौते के तहत रिहा होने वाली 33 लोगों की सूची में से शेष सात महिला बंधकों में से एक है। अन्य हैं 33 वर्षीय शिरी सिल्बरमैन बिबास, 19 वर्षीय लिरी अल्बाग, 20 वर्षीय करीना एरिएव, 21 वर्षीय अगम बर्जर, 20 वर्षीय डेनिएल गिल्बोआ और 20 वर्षीय नामा लेवी। इनमें येहुद और सिल्बरमैन बिबास दोनों नागरिक हैं। अल्बाग, एरिएव, बर्जर, गिल्बोआ और लेवी सैनिक हैं। बिबास के दो छोटे बेटे पांच वर्षीय एरियल और दो वर्षीय केफिर और पति यार्डन भी हमास के कब्जे में हैं। प्रत्येक महिला सैनिक के बदले इजराइल 50 फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा करेगा। इनमें से 30 आतंकवादी भी शामिल हैं। यह आजीवन कारावास की सजा काट रहे हैं। इस बीच हमास के एक अधिकारी ने पुष्टि की है कि समझौते के तहत शनिवार को चार इजराइली महिला बंधकों को रिहा कर दिया जाएगा। हालांकि उन्होंने चारों महिलाओं के नाम नहीं बताए। जबकि समझौते में कहा गया है कि हमास को बंधकों के नाम उनकी रिहाई से कम से कम 24 घंटे पहले बताने होंगे।

येओल काफिले के साथ संवैधानिक न्यायालय पहुंचे, महाभियोग पर होगी सुनवाई

एजेंसी

सियोल। पिछले दिनों औपचारिक रूप से गिरफ्तार किए गए दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक येओल काफिले के साथ संवैधानिक न्यायालय पहुंचे। संवैधानिक न्यायालय 14 दिसंबर को येओल के खिलाफ नेशनल असेंबली में पारित महाभियोग प्रस्ताव पर सुनवाई कर रहा है। इससे पहले तीन बार न्यायालय सुनवाई कर चुका है। येओल दो बार नहीं पहुंचे। वह तीसरी सुनवाई में व्यक्ति रूप से हाजिर हुए थे। द कोरिया टाइम्स की खबर के अनुसार, यून सुक येओल को तीन दिसंबर को अल्पकालिक मार्शल लॉ लगाए जाने के बाद कड़े विरोध का सामना करना पड़ रहा है। येओल का काफिला सियोल के दक्षिण में उइवांग में सियोल डिटेंशन सेंटर से रवाना हुआ और संवैधानिक न्यायालय पहुंचा। सुनवाई में पूर्व रक्षामंत्री किम योंग-ह्यून भी शामिल होंगे। उन्हें मार्शल लॉ की घोषणा में कथित भूमिका के लिए गिरफ्तार किया गया था। येओल के वकीलों ने मुकदमे के लिए किम को गवाह के रूप में चुना है।

जापान के साथ नेताजी सुभाष चंद्र बोस का विशेष संबंध था : मुख्यमंत्री

एजेंसी

टोक्यो। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने टोक्यो स्थित भारतीय दूतावास में नेताजी सुभाष चंद्र बोस को पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा, नेताजी की जापान यात्रा और उपनिवेशी शासन के खिलाफ जापान का समर्थन पाने के उनके कठिन प्रयासों उन्होंने को याद किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि नेताजी के विचार और भारत के इतिहास में उनके अतुलनीय योगदान से हम गहराई से प्रेरित हैं।

डॉ. सरमा ने कहा, आज मैंने टोक्यो में भारतीय दूतावास में नेताजी को पुष्पांजलि अर्पित करके अपने दिन की शुरुआत की। मैंने उनकी जापान यात्राओं और औपनिवेशिक शासन के खिलाफ लड़ाई में जापान

का समर्थन हासिल करने के लिए उनके अथक प्रयासों को याद किया। उन्होंने कहा, हम नेताजी के विचारों और भारत के इतिहास में उनके अद्वितीय योगदान से गहराई से प्रभावित हैं। नेताजी सुभाष चंद्र बोस, जो भारत के स्वतंत्रता संग्राम के एक प्रमुख नेता थे, ने द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान जापान की मदद से भारतीय राष्ट्रीय सेना (आईएनए) का गठन किया और ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन को चुनौती दी। जापान के साथ उनका सहयोग दोनों देशों के साझा इतिहास का एक महत्वपूर्ण अध्याय है। डॉ. सरमा की यह यात्रा नेताजी के विजन और भारत के स्वतंत्रता संग्राम में उनकी भूमिका के प्रति सम्मान को दर्शाती है। साथ ही, उनके बयान से भारत-जापान संबंधों को मजबूत करने के ऐतिहासिक और आपसी सम्मान के महत्व पर भी प्रकाश पड़ता है।

नेपाल एपीएफ ने भारत और चीन की सीमा सुरक्षा के लिए 425 नए बॉर्डर आउट पोस्ट बनाने का प्रस्ताव रखा

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल की सीमा सुरक्षा का जिम्मा संभाल रहे सशस्त्र प्रहरी बल (एपीएफ) ने भारत और चीन की सीमा पर 425 नए बॉर्डर आउट पोस्ट (बीओपी) बनाने का प्रस्ताव दिया है। इस समय एपीएफ के पास दोनों अंतरराष्ट्रीय सीमाओं पर सिर्फ 254 सुरक्षा पोस्ट है, जो सीमा निगरानी के लिहाज से नाकाफी हैं। एपीएफ के आईजीपी राजू अर्याल ने बताया कि सीमा सुरक्षा को मजबूत करने और सीमापार से अपराध नियंत्रण के लिए गृह मंत्रालय को भेजे प्रस्ताव में 425 नए बीओपी बनाने की बात कही गई है। उन्होंने बताया कि इनमें से 350 बीओपी भारत-नेपाल सीमा पर और शेष चीन की सीमा पर बनाए जाने का प्रस्ताव है।आईजीपी बताया कि हाल ही में भारत के सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) महानिदेशक के साथ हुई सीमा सुरक्षा संबंधी द्विपक्षीय बैठक में भी बीओपी स्थापना की आवश्यकता पर चर्चा की गई थी।

सशस्त्र प्रहरी बल ने गृह मंत्रालय को सौंपी गई रिपोर्ट में कहा है कि इन बीओपी के साथ ही आवश्यक जनशक्ति, हथियार, सीसीटीवी कैमरा सहित अन्य सुरक्षा संयंत्र की आवश्यकता भी होगी। भारत के साथ खुली सीमा होने के कारण वहां पर तस्करी से लेकर सीमा पार आपराधिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। हाल ही में भारत में अपराध कर आसानी से नेपाल में छिपने की घटनाएं बढ़ी हैं। कॉन्टैक्ट किलिंग जैसी घटनाओं के कारण सीमा सुरक्षा पर निगरानी और अधिक बढ़ाने की आवश्यकता है। मानव तस्करी, ड्रग्स तस्करी में खुली सीमा का इस्तेमाल होने के कारण भी सुरक्षा पोस्ट की संख्या बढ़ाया जाना जरूरी हो गया है।

नेपाल टेलीकॉम का डेटा सेंटर बनाने की जिम्मेदारी विवादास्पद चीनी कंपनी हुवावे को दिया गया

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल सरकार ने सरकारी टेलीकॉम कंपनी का अपना डेटा सेंटर बनाने के लिए चीन की विवादित कंपनी हुवावे को देने का फैसला किया है। वैसे तो यह प्रक्रिया पिछले दो साल से रोक कर रखी गई थी लेकिन वर्तमान सरकार ने इसे चीनी कंपनी को देने का फैसला कर लिया है। नेपाल टेलीकॉम की तरफ से एक सूचना जारी करते हुए डेटा सेंटर बनाने के लिए चीन की हुवावे कंपनी को देने की जानकारी दी गई है। इस सूचना के मुताबिक हुवावे को काठमांडू और भैरहवा में डेटा सेंटर बनाने की जिम्मेदारी मिली है। नेपाल टेलीकॉम के प्रवक्ता हरि ढकाल ने बताया कि हुवावे को करीब 50 करोड़ रुपये में दोनों स्थानों पर डेटा सेंटर के लिए भौतिक पूर्वाधार निर्माण का काम दिया गया है। प्रवक्ता के मुताबिक डेटा सेंटर के लिए आवश्यक पावर बैकअप, पावर सप्लाई, सिक्योरिटी और कनेक्टिविटी का काम की जिम्मेदारी हुवावे को सौंपी गई है।

अमेरिकी विदेश मंत्री ने इजरायली पीएम से की बात, बोले - हमारा समर्थन बरकरार

एजेंसी

वाशिंगटन । अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से फोन पर बातचीत की। उन्होंने इजरायली प्रधानमंत्री को आश्वस्त किया कि अमेरिका हर स्थिति में उनके साथ खड़ा है। रुबियो ने नेतन्याहू से बंधक संकट पर भी बात की। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन के शुरू होने के बाद रुबियो की इजरायल को की गई पहली कॉल थी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके पूर्ववर्ती डेमोक्रेटिक राष्ट्रपति जो बाइडेन ने गाजा और लेबनान में युद्ध के दौरान इजरायल का समर्थन किया था। विदेश विभाग ने एक बयान में कहा कि रुबियो ने यह स्पष्ट किया कि ÷इजरायल के लिए अमेरिका का मजबूत समर्थन बनाए रखना ट्रंप की सबसे बड़ी प्राथमिकता है। विदेश विभाग ने कहा कि रुबियो ने नेतन्याहू से कहा कि वाशिंगटन गाजा में बाकी बंधकों को छुड़ाने के लिए लगातार

काम करता रहेगा। इजरायली और फिलिस्तीन के बीच संघर्ष की शुरुआत 7 अक्टूबर, 2023 को हुई थी। इजरायली अधिकारियों के अनुसार, हमास के आतंकवादियों ने इजरायल पर हमला किया था। इस हमले में 1,200 लोग मारे गए थे और लगभग 250 लोग बंधक बनाए गए थे। वहीं, गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इजरायल के सैन्य हमलों में 47,000 से ज्यादा फिलिस्तीनी मारे गए थे। इजरायल पर नरसंहार और युद्ध के आरोप भी लगाए गए थे, लेकिन इजरायल ने इन आरोपों को खारिज कर दिया था। इस हमले से गाजा के लोग बेघर हो गए। इसके साथ भुखमरी जैसे हालात भी पैदा हो गए। युद्धविराम लागू हुआ, जिसके बाद गाजा में कुछ इजरायली बंधकों और इजरायल द्वारा बंदी बनाए गए फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा कर दिया गया। कुछ संगठनों ने इजरायल के सैन्य हमलों के कारण बढ़ते मानवीय संकट की आलोचना की है। वाशिंगटन ने अपना समर्थन जारी रखते हुए कहा है कि वह गाजा में हमास, लेबनान में हिजबुल्लाह और यमन में हूती विद्रोहियों जैसे ईरान समर्थित आतंकवादी समूहों के खिलाफ अपने सहयोगी इजरायल की मदद कर रहा है।

ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका से संबंधों में बदलाव की संभावना, विश्लेषकों का अनुमान

एजेंसी

ढाका। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप की सत्ता में वापसी के बाद बांग्लादेश से संबंधित नीतियों में भी बदलाव की संभावना है। ढाका में कई विश्लेषकों का मानना है कि बांग्लादेश के लिए अब अमेरिका के साथ रिश्ते असहज हो सकते हैं, विशेष रूप से मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के सत्ता में आने के बाद से बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों, खासकर हिंदुओं के खिलाफ बढ़ते हमलों को लेकर अमेरिका में चिंता है। राष्ट्रपति चुनाव अभियान के दौरान ट्रंप ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों, विशेष रूप से हिंदुओं और ईसाइयों के खिलाफ बढ़ती हिंसा की निंदा की थी। ट्रंप ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा था, ÷मैं बांग्लादेश में हिंदुओं, ईसाइयों और अन्य अल्पसंख्यकों के खिलाफ बर्बर हिंसा की कड़ी निंदा करता हूं, जहां भीड़ द्वारा हमले और लूटपाट हो रही है। यह पूरी तरह से अराजकता की स्थिति है। उन्होंने कहा, ÷मेरे कार्यकाल में ऐसा कभी नहीं हुआ, हम कट्टरपंथी वामपंथियों के धर्म-विरोधी एजेंडे से हिंदू अमेरिकियों की रक्षा करेंगे। हम आपकी स्वतंत्रता के लिए लड़ेंगे। यूनुस सरकार ने अमेरिकी प्रशासन से अच्छे संबंध बनाने की कोशिश की है और यह दावा किया है कि ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में दोनों देशों के रिश्तों में कोई बदलाव नहीं होगा। लेकिन ढाका में कई विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिका के साथ संबंधों में मुश्किलें आ सकती हैं। सेंटर फॉर पार्टनरशिप इनिशिएटिव के संस्थापक रकीब अल हसन ने एक लेख में कहा कि बांग्लादेश को अमेरिकी नीति के विकास को ध्यान से देखना चाहिए और इसके लिए एक विशेष इकाई विदेश मंत्रालय में बनानी चाहिए। चीन के बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) में बांग्लादेश की भागीदारी पर अमेरिका पहले ही अपनी चिंता व्यक्त कर चुका है और ट्रंप के मुखर रुख से बांग्लादेश को कड़े फैसलों का सामना करना पड़ सकता है। इसके अलावा, अमेरिका बांग्लादेश को सालाना लगभग 20 करोड़ डॉलर की विकास सहायता प्रदान करता है और बांग्लादेश का सबसे बड़ा निर्यात बाजार भी है, विशेष रूप से रेडीमेड गारमेंट (आरएमजी) क्षेत्र में। हालांकि, हाल की रिपोर्टों के अनुसार, बांग्लादेश में नए अमेरिकी निवेश और द्विपक्षीय व्यापार में वृद्धि की संभावना सीमित दिख रही है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि बांग्लादेश में वर्तमान में कई निवेशक पीछे हट रहे हैं और कुछ संभावित निवेशक स्थिति को देखकर फैसला लेने की रणनीति अपना रहे हैं। एक पूर्व बांग्लादेशी राजनयिक ने बताया कि नए निवेशकों को स्थिति का आकलन करने थोड़ा इंतजार करना पड़ सकता है। इस बीच, ढाका में अमेरिकी दूतावास के प्रभारी राजदूत ट्रेसी एन जैकबसन ने हाल ही में बांग्लादेश के विभिन्न नेताओं से मुलाकात की है। गत 11 जनवरी को कार्यभार संभालने के बाद, उन्होंने यूनुस से मुलाकात की और बांग्लादेश के लोगों के लिए एक स्थिर और लोकतांत्रिक भविष्य की दिशा में अमेरिका के समर्थन पर चर्चा की।

अमेरिका में अवैध प्रवासियों के खिलाफ कार्रवाई में चार बांग्लादेशी गिरफ्तार

एजेंसी

ढाका। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा अवैध घुसपैठ पर कड़ी नीति अपनाने की घोषणा के बाद से कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने बिना दस्तावेज वाले अवैध अप्रवासियों पर कार्रवाई शुरू कर दी है। इसी के तहत अमेरिकी आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन (आईसीई) ने चार बांग्लादेशी नागरिकों को न्यूयॉर्क से गिरफ्तार किया है। बांग्लादेश का प्रमुख समाचार पत्र प्रोथोम अलो की रिपोर्ट के मुताबिक, आईसीई ने चार बांग्लादेशियों को न्यूयॉर्क के ब्रुकलिन बोरो के फुल्टन इलाके से गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई से स्पष्ट है कि ट्रंप के शपथ लेने और आव्रजन से संबंधित कार्यकारी आदेशों की एक श्रृंखला पारित करने के बाद से गैर-दस्तावेजी अवैध अप्रवासी डर में जी रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है, जमीन पर देखा गया है कि बंगाली बहुल इलाकों में सड़कें और रेस्तरां, जहां लोगों की भारी भीड़

हुआ करती थी, अब लगभग पूरी तरह से खाली हैं। सुरक्षा व्यवस्था पहले से ही मजबूत कर दी गई है।रिपोर्ट में न्यूयॉर्क में अप्रवासियों के साथ काम करने वाली कानून प्रवर्तन अधिकारी खदीजा मुंतहा रूबा के हवाले से कहा गया है कि बिना दस्तावेज वाले बांग्लादेशियों को उस समय गिरफ्तार किया गया जब वे क्षेत्र में घूम रहे थे। मुंतहा ने बांग्लादेशियों को सतर्क रहने की सलाह देते हुए कहा है कि किसी भी कानून प्रवर्तन एजेंसी के सदस्यों द्वारा पूछताछ किए जाने पर उन्हें सहयोग करना चाहिए। साथ ही, किसी और के वर्क परमिट पर काम करना भी बंद कर देना चाहिए। इस कठिन समय में, उन्हें अनावश्यक पुलिस या अन्य विवादों में शामिल नहीं होना चाहिए।

स्की रिसॉर्ट होटल में आग लगने से 66 की मौत, 50 से ज्यादा घायल

अंकारा। तुर्की में एक स्की रिसॉर्ट होटल में लगी आग में कम से कम 66 लोगों की मौत हो गई और 50 से ज्यादा लोग घायल हो गए। यह हादसा उस समय हुआ जब बोलू प्रांत के कार्तलकाया स्की रिसॉर्ट में स्थित एक होटल में आधी रात के बाद आग लग गई। इमारत में एक मंजिल पर रेस्त्रां चलता है। आग रेस्तरां में लगी। स्थानीय अधिकारियों ने बताया, कई लोग घबराहट में होटल की इमारत से कूद गए, जिससे उनकी मौत हो गई। बोलू प्रांत के गवर्नर अब्दुलअजीज आयडिन ने बताया कि आग लगने का कारण अभी तक स्पष्ट नहीं हो सका है, लेकिन आग की लपटों ने बहुत तेजी से होटल को अपनी चपेट में ले लिया। आग लगने की सूचना मिलने पर अग्निशमन दल, खोज एवं बचाव इकाइयां तथा चिकित्सा दल शहर मौके पर पहुंचे। फायर ब्रिगेड और बचाव टीमों ने मिलकर लगभग 230 लोगों को सुरक्षित निकाला। तुर्की के न्याय मंत्री यिलमाज़ टुनक ने बताया कि इस हादसे की जांच के लिए बोलू प्रांत के मुख्य लोक अभियोजक कार्यालय द्वारा एक न्यायिक जांच शुरू की गई है। इस जांच में छह लोक अभियोजक और पांच विशेषज्ञों की एक समिति बनाई गई है। कार्तलकाया रिसॉर्ट तुर्की के प्रमुख शीतकालीन पर्यटन स्थलों में से एक है, जो स्की सीजन में हजारों पर्यटकों को आकर्षित करता है।

ट्रंप के तीन फैसलों से नेपाल सरकार की चिंता बढ़ी

काठमांडू। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पहले दिन किए गए कई फैसलों में से तीन ने नेपाल की चिंता बढ़ा दी है। इन तीन फैसलों में विश्व स्वास्थ्य संगठन, क्लाइमेट चेंज और अवैधानिक प्रवासी संबंधी फैसला शामिल है। 20 जनवरी को राष्ट्रपति पद का शपथ लेने के साथ ही डोनाल्ड ट्रंप ने 60 से अधिक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किया था। इनमें विश्व स्वास्थ्य संगठन को किए जा रहे फंडिंग और पेरिस जलवायु समझौते से अमेरिका को अलग किए जाने का असर नेपाल पर भी पड़ने वाला है। इसके अलावा अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों पर होने वाली कार्रवाई ने भी नेपाल सरकार के लिए चिंता का विषय बना हुआ है। नेपाल में स्वास्थ्य मंत्रालय के विभिन्न कार्यक्रमों में सबसे अधिक आर्थिक सहयोग विश्व स्वास्थ्य संगठन का ही रहता है। स्वास्थ्य मंत्रालय की अतिरिक्त सचिव संगीता मिश्रा ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति के नए घोषणा से नेपाल में विश्व स्वास्थ्य संगठन के सहयोग से चल रहे कई कार्यक्रमों को बंद करने की नौबत आ सकती है। उन्होंने बताया कि नेपाल में पोलियो उन्मूलन से लेकर मातृ तथा बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम, नवजात और बालबालिका संबंधी रोग, मातृ तथा प्रसवकालीन मृत्यु, प्रजनन तथा महिला स्वास्थ्य जैसे महत्वपूर्ण कार्यक्रम विश्व स्वास्थ्य संगठन के आर्थिक सहयोग से चल रहा था। उनका कहना है कि अमेरिका के द्वारा इससे अलग होने के कारण अब बजट पर बहुत बड़ा

असर पड़ सकता है तथा नेपाल जैसे गरीब देशों के बजट में कटौती की जा सकती है। यदि विश्व स्वास्थ्य संगठन के द्वारा बजट में कटौती की गई तो इनमें से कुछ कार्यक्रम को बंद करना होगा या फिर नेपाल को अपना बजट देना होगा। अमेरिकी राष्ट्रपति के द्वारा हस्ताक्षर किए गए एक और कार्यकारी आदेश का नेपाल में प्रत्यक्ष असर दिखाई देने वाला है औरवाह है अमेरिका का पेरिस जलवायु संबंधी पेरिस समझौता से अलग होना। अभी दो दिन पहले ही जलवायु परिवर्तन को आधार बनाकर नेपाल ने सागरमाथा संवाद की घोषणा की थी। उस कार्यक्रम को संयुक्त राष्ट्र के आर्थिक सहयोग से किए जाने की बात कही गई थी। अमेरिकी राष्ट्रपति के नए आदेश के बाद नेपाल। जैसे विकासशील देश को जलवायु परिवर्तन के कारण हो रहे नुकसान के एवज में करोड़ों डॉलर सहयोग मिलता था जिससे नेपाल में जलवायु परिवर्तन को लेकर कई परियोजनाएं चलाई जा रही थी। अमेरिका के तरफ से इस क्षेत्र में फंडिंग बंद होने से नेपाल में जलवायु परिवर्तन से संबंधित कार्यक्रमों को बंद करना पड़ सकता है। नेपाल में जलवायु संबंधी कार्य करने वाली अंतराष्ट्रीय संस्था इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड माउंटेन के प्रमुख पेमा ज्ञामत्सो ने कहा कि कार्बन गैस उत्सर्जन करने वाले देश के द्वारा दिए गए बजट से ही विकासशील देशों को उससे होने वाले नुकसान की भरपाई दी जाती थी।

स्थानीय समाचार

सकीना इत्तू ने जीएमसी जम्मू, एसएमजीएस शालामार का दौरा किया

जम्मू 23 जनवरी। स्वास्थ्य एवं चिकित्सा, समाज कल्याण एवं शिक्षा मंत्री सकीना इत्तू ने राजौरी जिले के बदहाल गांव के मरीजों का हालचाल जानने के लिए सरकारी मेडिकल कॉलेज जम्मू और एसएमजीएस अस्पताल, शालामार का दौरा किया।

इस अवसर पर बनिहाल के विधायक सज्जाद शाहीन, जीएमसी जम्मू के प्रिंसिपल, दोनों अस्पतालों के चिकित्सा अधीक्षक और अन्य संबंधित चिकित्सा पेशेवर भी उपस्थित थे।

दौरे के दौरान सकीना इत्तू ने मरीजों से बातचीत की और उन्हें सरकार की ओर से हर संभव सहायता और समर्थन का आष्वासन दिया।

उन्होंने प्रभावित परिवारों को आष्वासन दिया कि त्रासदी के कारणों का पता लगाने के लिए विस्तृत जांच चल रही है।

मंत्री ने कहा, स्वास्थ्य विभाग, पुलिस विभाग और जिला प्रशासन इस त्रासदी के पीछे वास्तविक कारण का पता लगाने के लिए 24 घंटे अथक प्रयास कर रहा है।

इन रोगियों के चल रहे उपचार और देखभाल की व्यक्तिगत रूप से समीक्षा करते हुए, मंत्री ने अस्पताल प्रशासन से नियमित आधार पर उनकी स्वास्थ्य स्थितियों की निगरानी करने को कहा।

उन्होंने उन्हें निरंतर निगरानी के लिए पर्याप्त संख्या में डॉक्टर और पैरामेडिक्स उपलब्ध रखने का निर्देश दिया। उन्होंने उनसे इन रोगियों की भलाई के बारे में मंत्रालय को अपडेट रखने को भी कहा।

डीडीसी द्वारा पुंछ में स्वरोजगार योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की

पुंछ 23 जनवरी। जिला विकास आयुक्त पुंछ, विकास कुंडल ने जिला उद्योग केंद्र और खादी एवं ग्राम बोर्ड पुंछ द्वारा कार्यान्वित किए जा रहे जम्मू-कश्मीर ग्रामीण रोजगार सृजन कार्यक्रम, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के तहत स्वरोजगार को बढ़ावा देने में हुई प्रगति की समीक्षा के लिए एक बैठक की अध्यक्षता की।

उपायुक्त ने संबंधित विभागों से कहा कि वे अधिक से अधिक बेरोजगार युवाओं को सरकारी योजनाओं के तहत उद्यम स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित करें।

उन्होंने बैंकरों से वांछित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए ऋण वितरण की प्रक्रिया में तेजी लाने और इच्छुक उद्यमियों को बिना देरी के अपनी आय-उत्पादक इकाइयां स्थापित करने में सुविधा प्रदान करने का आग्रह किया।

जेकेआरईजीपी और पीएमईजीपी योजनाओं का उद्देश्य उत्पादन और सेवा क्षेत्रों में उद्यम स्थापित करने में युवाओं की क्षमता का दोहन करना है, जिससे रोजगार के अवसर पैदा हों।

इसके अतिरिक्त, यह नए स्वरोजगार उद्यमों और एमएसएमई की स्थापना के माध्यम से ग्रामीण बेरोजगार युवाओं के बीच उद्यमशीलता कौशल विकसित करने पर ध्यान केंद्रित करता है।

बैठक में डीआईसी के महाप्रबंधक, केवीआईबी के जिला अधिकारी, अग्रणी जिला प्रबंधक और अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

उपायुक्त ने डीपीएल राजौरी में गणतंत्र दिवस 2025 के लिए किए जा रहे प्रबंधों की समीक्षा की

राजौरी 23 जनवरी। उपायुक्त राजौरी अभिषेक शर्मा ने जिला पुलिस लाइन्स राजौरी में गणतंत्र दिवस 2025 समारोह के लिए किए जा रहे प्रबंधों का स्थलीय निरीक्षण किया। उनके साथ अतिरिक्त जिला विकास आयुक्त डॉ. राज कुमार थापा तथा अन्य सम्बंधित वरिष्ठ जिला अधिकारी भी उपस्थित थे।

दौरे के दौरान, उपायुक्त ने कार्यक्रम के सुचारू संचालन के लिए बैठने की व्यवस्था, मंच की व्यवस्था, सुरक्षा उपायों और रसद व्यवस्था सहित तैयारियों की व्यापक समीक्षा की। उन्होंने इस अवसर की भावना को दर्शाते हुए कार्यक्रम को भव्यता और अनुशासन के साथ आयोजित करने के लिए सावधानीपूर्वक योजना बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

उपायुक्त ने संबंधित विभागों को पहले से ही व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने के लिए समन्वय में काम करने का निर्देश दिया। उन्होंने सार्वजनिक सुविधा सुनिश्चित करने पर जोर दिया, खासकर गणमान्य व्यक्तियों, स्कूली बच्चों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेने वालों के लिए।

प्रशासन जिले की एकता और देशभक्ति को उजागर करते हुए इस कार्यक्रम को एक शानदार सफलता बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

उपमुख्यमंत्री ने स्मार्ट सिटी कार्यों का निरीक्षण किया, जम्मू के सौंदर्यीकरण में तेजी लाने को कहा

जम्मू 23 जनवरी। उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी ने जम्मू के रेजीडेंसी रोड पर चल रहे स्मार्ट सिटी कार्यों का निरीक्षण किया।

उपमुख्यमंत्री के साथ जम्मू नगर निगम के नगर आयुक्त देवांश यादव और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी थे।

चल रहे कार्यों का निरीक्षण करते हुए उपमुख्यमंत्री ने सख्त गुणवत्ता निगरानी और परियोजना के तेजी से क्रियान्वयन के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से जम्मू शहर में चल रहे सौंदर्यीकरण कार्यों को तेजी से पूरा करने को कहा, ताकि लोगों को इन विकास पहलों का लाभ मिल सके।

उपमुख्यमंत्री ने कहा, कार्य करने वाली एजेंसियों को पहले से स्वीकृत योजनाओं के अनुसार काम करने के निर्देश दिए जा चुके हैं और काम की गुणवत्ता के साथ कोई समझौता नहीं किया जाना चाहिए। किसी भी विचलन और कम गुणवत्ता वाले काम के मामले में सख्त कार्रवाई की जाएगी। स्थानीय आवश्यकताओं और आकांक्षाओं के अनुरूप विकास कार्य करने का आह्वान करते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि विकास योजनाएं क्षेत्र के लोगों की मांग और सुविधा के अनुरूप बनाई जानी चाहिए।

ईसबगोल एक अत्यंत महत्वपूर्ण औषधीय फसल

ईसबगोल एक अत्यंत महत्वपूर्ण औषधीय फसल है। औषधीय फसलों के निर्यात में इसका प्रथम स्थान हैं। वर्तमान में हमारे देश से प्रतिवर्ष 120 करोड के मूल्य का ईसबगोल निर्यात हो रहा है। विश्व में ईसबगोल का सबसे बडा उपभोक्ता अमेरिका है। विश्व में इसके प्रमुख उत्पादक देश ईरान, ईराक, अरब अमीरात, भारत, फिलीपीन्स इत्यादि हैं। भारत का स्थान ईसबगोल उत्पादन एवं क्षेत्रफल में प्रथम है। भारत में इसका उत्पादन प्रमुख रूप से गुजरात ,राजस्थान ,पंजाब , हरियाणा, उत्तर प्रदेश एवं मध्य प्रदेश में करीब 50 हजार हेक्टर में हो रहा हैं। म. प्र. में नीमच, रतलाम, मंदसौर, उज्जैन एवं शाजापुर जिले प्रमुख है।

जम्मू कश्मीर में जम्मू क्षेत्र के राजौरी, उधमपुर, सांबा और जम्मू जिलों के गर्म और शुष्क क्लस्टर्स में फसल विविधीकरण के अंतर्गत कृषि वैज्ञानिकों की सलाह पर महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है ईसबगोल की फसल।

ईसबगोल का औषधीय उपयोग अधिक होने के कारण विश्व बाजार में इसकी मांग तेजी से बड रही हैं। ईसबगोल के बीज पर पाएं जाने वाला छिलका ही इसका औषधीय उत्पाद हैं जिसे ईसबगोल की भूसी के नाम से जाना जाता हैं। भूसी और बीज का अनुपात 25-75 रहता है।इसकी भूसी में पानी सोखने की क्षमता अधिक होती हैं ।इसलिए इसका उपयोग पेट की सफाई , कब्जीयत, दस्त आव पेचिस , अल्सर, बवासीर , जैसी शारीरिक बीमारियों के उपचार में आयुर्वेदिक दवा के रूप में किया जाता हैं।इसके अलावा आइसक्रीम रंग रोगन , प्रिंटिंग आदि उद्योगों में भी इसका उपयोग किया जाता हैं ।इसकी मांग एवं उपयोगिता को ध्यान में रखते हुए इसकी खेती वैज्ञानिक तकनीक से करना आवश्यक हैं ।

▶▶ भूमि एवं जलवायु

ईसबगोल के लिए ठंडी एवं शुष्क जलवायु उपयुक्त हैं।फसल पकते समय वर्षा व ओस का होना फसल के लिए बहुत ही हानिकारक होता हैं । कभी कभी फसल 100 प्रतिशत तक नष्ट हो जाती हैं। अधिक आद्रता एवं नमीयुक्त जलवायु में इसकी खेती नहीं करना चाहिए । इसके अंकुरण के लिए 20-25 डिग्री सेल्सियस तथा फसल की परिपक्वता के समय 30-35 डिग्री सेल्सियस तापक्रम उपयुक्त हैं। इसके लिए अच्छे जल निकास वाली दोमट या बलुई दोमट भूमि उपयुक्त हैं। भूमि की पी-एच मान 7-8 तक होना चाहिए।

▶▶भूमि की तैयारी

दो बार आडी खडी जुताई एवं एक बार बखर चलावें तथा पाटा चलाकर मिटटी भुरभुरी एवं समतल कर लेवें। छोटी क्यारियां बना लें। क्यारियों की लम्बाई चैडाई खेत के ढलान एवं सिंचाई की सुविधानुसार रखें। क्यारियों की लम्बाई 8 से 12 मीटर व चैडाई 3 मीटर से अधिक रखना उचित नहीं होता हैं।

खेत में जल निकास का प्रबंध अच्छा होना चाहिए। क्योंकि खेत में पानी का भराव ईसबगोल के पौधे सहन नहीं कर सकते हैं।

उन्नत जातियां -

जवाहर ईसबगोल 4 - यह प्रजाति 1996 में औषधीय एवं सुगन्धित पौध की अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के अंतर्गत कैलाश नाथ काटजू उद्यानिकी महाविघालय ,मंदसौर (राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय,ग्वालियर) द्वारा म.प्र. के लिए अनुमोदित एवं जारी की गई है। इसका उत्पादन 13-15 क्विंटल प्रति हेक्टर लिया जा सकता है।

गुजरात ईसबगोल 2 - यह प्रजाति 1983 में अखिल भारतीय समन्वित औषधीय एवं सुगन्धित पौध परियोजना, आणंद, गुजरात से विकसित की गई हैं। इसका उत्पादन 9-10 क्विंटल प्रति हेक्टर लिया जा सकता हैं।

हरियाणा ईसबगोल 5 - यह प्रजाति अखिल भारतीय समन्वित औषधीय एवं सुगन्धित पौध परियोजना, चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार द्वारा 1989 में निकाली गई हैं। इसका उत्पादन 10-12 क्विंटल प्रति हेक्टर लिया जा सकता हैं।

अन्य किस्मों में गुजरात ईसबगोल 1, हरियाणा ईसबगोल - 2, निहारिका, ट्राबे सलेक्शन 1 से 10 आदि का चयन कर बुवाई की जा सकती है।

▶▶बोआई का समय-

ईसबगोल की अगेती बोआई करने पर फसल की ज्यादा वानस्पतिक वृद्धि हो जाती हैं परिणामस्वरुप फसल आडी पड जाती हैं तथा मदुरोमिल आसिता का प्रकोप बढ जाता हैं। वही पर देरी से बुवाई करने पर प्रकोप का वानस्पतिक विकास कम होता हैं और मानसून पूर्व की वर्षा से बीज झडने का अंदेशा बना रहता हैं। इसलिए किसान भाई ईसबगोल की बोआई अक्टूबर के अंतिम सप्ताह से नवम्बर के द्वितीय सप्ताह तक करते हैं तो यह अच्छा समय होता हैं। दिसम्बर माह तक बोआई करने पर उपज में भारी कमी आ जाती हैं।

बडे आकार का, रोग रहित बीज की 4 किग्रा मात्रा प्रति हेक्टर की दर से उपयोग लेने पर फसल का अच्छा उत्पादन लिया जा सकता हैं। बीज दर ज्यादा होने की दशा में मदुरोमिल आसिता का प्रकोप बढ जाता हैं व उत्पादन प्रभावित हो जाता है।

ईसबगोल के बीज को मैटालैक्विजल 35 एस. डी. की 5 ग्राम मात्रा प्रति किलो बीज के मान से बीजोपचार कर बुवाई करें। किसान भाई मृदा उपचार हेतु जैविक फफंदी नाशक ट्राइकोडर्मा विरिडी की 2.5 किग्रा मात्रा प्रति हेक्टर की दर से अच्छी पकी हुई गोबर की खाद अथवा वर्मीकम्पोस में मिला कर नमी युक्त खेत में प्रयोग करें।

किसानों में ईसबगोल की छिटकाव पद्धति से बुवाई करना प्रचलित हैं। परंतु इस विधि से अंत:सस्य क्रियाएं करने में कठिनाई आती हैं। परिणामस्वरुप उत्पादन प्रभावित हो जाता है। अत: किसान भाई ईसबगोल की बुवाई कतारों में करते हुए कतार से कतार की दूरी 30 से. मी. एवं पौधे की दूरी 5 से. मी. रखे । बुवाई करते समय बीज में महीन बालू रेत अथवा छनी हुई गोबर की खाद मिलाकर बुवाई करें जिससे वांछित बीज दर का प्रयोग हो सके। बीज की गहराई 2-3 से.मी. रखे। इससे ज्यादा गहरा बीज न बोयें । छिटकाव पद्धति से बोने पर मिट्टी में ज्यादा गहरा न मिलावें।

▶▶खाद एवं उर्वरक

ईसबगोल का अच्छा उत्पादन हेतु अच्छी पकी हुई गोबर की खाद 15-20 टन प्रति हेक्टर डालें। 10-15 किलो नत्रजन , 40 किलो स्फुर एवं 20 किलो पोटाश प्रति हेक्टर बुवाई के समय डालें। नत्रजन की 10-15 किलो प्रति हेक्टर बुवाई के 40 दिन बाद छिटकाव कर डालें।

अच्छे अंकुरण के लिए बुवाई के तुरंत बाद हल्की सिंचाई धीमी गति से करें। अंकुरण कमज़ोर होने पर दूसरी सिंचाई 5-6 दिन बाद देवें । इसके बाद प्रथम सिंचाई 30 दिन बाद एवं दूसरी सिंचाई 70 दिन बाद देवें। फूल एवं दाना भरने की अवस्था पर सिंचाई न दें। इनमें दो से ज्यादा सिंचाई देने पर रोगों का प्रकोप बढ जाता हैं तथा उपज में कमी आ जाती हैं। पुश्पक्रम / बाली आने के बाद स्प्रिंकलर से सिचाई ना करें ।बुवाई के 20-25 दिन बाद एक बार निंदाई-गुडाई अवश्य करें । इसी समय छनाई का काम भी कर देवें तथा पौधों की दूरी 5 से.मी. रखें । इस फसल में रासायनिक नींदा नियंत्रण के लिए सल्फोसल्फुरोन की 25 ग्राम मात्रा अथवा आइसोप्रोटूरोंन की 500-750 ग्राम सक्रिय तत्व की मात्रा 500 लीटर पानी में घोलकर बोनी के 20 दिन पर छिडकाव करें ।डाउनी मिल्ड्यू (मदुरोमिल आसिता)-मृदुल रोमिल आसिता के लक्षण पौधों में बाली (स्पाइक) निकलते समय दिखाई देते हैं। सर्वप्रथम पत्तियों की ऊपरी सतह पर सफेद या कत्थई रंग के धब्बे दिखाई देते हैं तथा पत्ती के निचले भाग में सफेद चूर्ण जैसा कवक जाल दिखाई देता हैं।

बाद में पत्तियां सिकुड जाती हैं तथा पौधों की बढवार रुक जाती हैं जिसके परिणामस्वरूप डंठल की लम्बाई , बीज बनना एवं बीज की गुणवत्ता प्रभावित होती हैं। रोग नियंत्रण हेतु स्वस्थ व प्रमाणित बीज बोयें , बीजोपचार करें एवं कटाई के बाद फसल अवशेषों को जला देवें।

प्रथम छिडकाव रोग का प्रकोप होने पर मैटालैक्विजल . मैंकोजेब की 2-2.5 ग्राम मात्रा अथवा कापर ऑक्सीक्लोराइड 3 ग्राम प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिडकाव करें। छिडकाव 10-15 दिन के अंतराल पर दोहराए।

मोयला - माहू का प्रकोप सामान्यत: बुवाई के 60-70 दिन की अवस्था पर होता है।यह सुक्ष्म आकार का कीट पत्तियों, तना एवं बालियों से रस चूसकर नुकसान पहुंचाता है। अधिक प्रकोप होने की दषा में पूरा पौधा मधु स्त्राव से चिपचिपा हो जाता हैं तथा फसल पर क क्रिया बाधित हो जाती हैं जिससे उत्पादन प्रभावित होता हैं। इसकी रोकथाम हेतु आक्सी मिथाइल डेमेटान 25 प्रतिशत ई.सी. अथवा डाइमिथोएट 30 प्रतिशत ई.सी. की 1.5 मिली मात्रा प्रति लीटर पानी में अथवा इमिडाइक्लोप्रिड 17.8 प्रतिशत एस.एल. अथवा एसिटामिप्रिड 20 प्रतिशत एस. पी. की 5 मिली/ग्राम मात्रा प्रति 15 लीटर पानी में मिलाकर छिडकाव करें एवं आव यकतानुसार छिडकाव को दोहराए ।

फसल 110-120 दिन में पककर तैयार हो जाती हैं , फसल पकने पर पौधों की ऊपरी पत्तियां पीली एवं नीचे की पत्तियां सूख जाती हैं। बालियों को हथेली में मसलने पर दाने आसानी से निकल जाते हैं। इसी अवस्था पर फसल की कटाई करें। कटाई सुबह के समय करने पर झडने की समस्या से बचा जा सकता हैं। फसल कटाई देर से न करें अन्यथा दाने झडने से उपज में बहुत कमी आ जाती हैं। मावठा आने की स्थिति में फसल कटाई 2-3 दिन जल्दी कर लेवें।

उन्नत तकनीक से खेती करने पर 15-16 क्विंटल प्रति हेक्टर उपज मिल जाती हैं ।

खजूर शुष्क जलवायु में उगाया जाने वाला प्राचीनतम फलदार वृक्ष

- स्रोत- भूपेंद्र चौधरी, दैनिक जागृति

खजूर शुष्क जलवायु में उगाया जाने वाला प्राचीनतम फलदार वृक्ष है । इस वृक्ष का वानस्पतिक नाम फीनिक्स डेक्टीलीफेरा है। यह मानव सभ्यता के सबसे पुराने खेती किये जाने वाले फलों में से एक है। इसकी उत्पत्ति फारस की खाड़ी में समझी जाती है। दक्षिण इराक (मेसोपोटोमिया) में इसकी खेती ईसा से 4000 वर्ष पूर्व प्रचलित थी। मोहनजोदड़ों की खुदाई के अनुसार भारत - पाकिस्तान में भी ईसा से 2000 वर्ष पूर्व विद्यमान था। पुरातन विश्व में खजूर की व्यवसायिक खेती पूर्व में सिन्धु घाटी से दक्षिण में तुर्की-परशियन-अफगान पहाड़ियों, इराक किरकुक - हाईफा तथा समुद्री तटीय सीमा के सहारे-2 ट्यूनिशिया तक बहुतायत में की जाती थी।

इसकी व्यवसायिक खेती की शुरूआत सर्वप्रथम इराक में शुरू हुई। ईराक, सऊदी अरब, इरान, मिश्र, लिबिया, पाकिस्तान, मोरक्को, ट्यूनिशिया, सूडान, संयुक्त राज्य अमेरिका और स्पेन विश्व के मुख्य खजूर उत्पादक देश है। हमारे देश में सर्वप्रथम 1955 से 1962 के मध्य संयुक्त राज्य अमेरिका व पाकिस्तान से खजूर की कुछ व्यवसायिक किस्मों के पौधे मंगवाये गये थे।

राजसथान के जैसलमेर, बारमेर, बीकानेर और जोधपुर आदि के शुष्क जलवायु वाले पश्चिमी क्षेत्र खजूर की खेती के लिए उपयुक्त पाए गये है। खजूर पर सामान्यत: अधिक तापक्रम और पाले का असर नही होने तथा लवण सहन करने की क्षमता के कारण राज्य का काफी बड़ा क्षेत्र खजूर की खेती के अन्तर्गत प्रभावी रूप से उपयोग में लाया जा सकता हैं। ऐसे क्षेत्र जो बहुत अधिक लवणीय हैं अथवा जहा जल निकास की पर्याप्त व्यवस्था नही है अथवा सिंचाई हेतु लवणीय जल ही उपलब्ध है जो अन्य फसलों के लिए उपयुक्त नही वहा पर भी इसकी खेती की जा सकती है।

जम्मू कश्मीर के बागबानी विभाग ने भी जम्मू क्षेत्र के सांबा जिले में खजूर की खेती को बढ़ावा देने के लिए प्रयास आरंभ किए हैं।

खजूर की खेती मुख्यत: शुष्क और अर्द्ध शुष्क क्षेत्र जहां लम्बी गर्म हवायें व गर्मी, अत्यधिक कम वर्षा व बहुत कम आर्द्रता होती है, में की जाती है। अरब देशें में मान्यता है कि अधिक बढ़वार और उपज के लिए खजूर के पेड़ों के सिर तपती आगनुमा गर्मी में तथा जड़ें पानी में रहनी चाहिए। खजूर के फल जुलाई- -अगस्त में पकते हैं। इस समय भी वर्षा और अधिक वातावरणीय नमी होने पर फल समुचित रुप से नही पक पाते तथा सड़कर नष्ट हो जाते हैं। भारत के अधिकांश भागों में इस समय मानसून सक्रिय हो जाते है।

पश्चिमी राजसथान के जैसलमेर, बीकानेर, बाड़मेर और जोधपुर आदी ऐसे क्षेत्र हैं जहां मानसून की वर्षा प्राय: कम होती है। खजूर की खेती के लिए उपयुक्त क्षेत्रों में औसतन वार्षिक वर्षा जैसलमेर में 100-250 मिलीमीटर, बीकानेर में 304 मिलीमीटर, बारमेर में 330 मिलीमीटर तथा जोधपुर में 366 मिलीमीटर और गुजरात के कच्छ क्षेत्र में 322 मिलीमीटर तक होती है। फल पकते समय हल्की वर्षा भी शुरु की अवस्था में भारी वर्षा से अधिक हानीकारक होती है।

खजूर के फलों एवं फलों के समुचित विकास के लिए गर्म तथा शुष्क जलवायु की आवश्यकता पड़ती हैं। यह गर्मीयों में 50 डिग्री सेल्सियस और सर्दीयों में 5 डिग्री सेल्सियस से नीचे तक के तापमान को भी सह लेता है। । डिग्री सेल्सियस से 32 डिग्री सेल्सियस तापमान इसकी वानस्पतिक बढ़वार के लिये सर्वाधिक उपयुक्त है। खजूर में पुष्पन और फलों के पकने हेतु क्रमश: 24 डिग्री सेल्सियस व 40 डिग्री सेल्सियस तापमान उपयुक्त पाया गया है। देश के खजूर उत्पादन योग्य क्षेत्रों को लगभग 4 भागों में बाटा जा सकता है। जो इस प्रकार है, जैसे-

1. जैसलमेर तथा बारमेर, बीकानेर और जोधपुर जिलों के अधिक शुष्क पश्चिमी भाग।
2. कच्छ का समुद्री तटीय क्षेत्र तथा सौराष्ट्र का कुछ भाग।
3. जोधपुर, बीकानेर और बारमेर के पूर्वा भाग और नागौर, चुरु व श्रीगंगानगर जिलोंके पश्चिमी भाग।
4. अबोहर, सिरसा, श्रीगंगानगर, चुरु जिलों के पूर्वी भाग और सीकर का पश्चिमी भाग।

खजूर की खेती ऐसी लवणीय मृदायें जिनका पीएच मान 8 से 9 तक हो सफलतापूर्वक की जा सकती हैं। खजूर का वृक्ष भूमि में 3 से 4 प्रतिशत तक क्षारीयता सहन कर सकता है, यद्यपि जड़ों की सामान्य कार्य शक्ति के लिए एक प्रतिशत से अधिक क्षारीयता नही होनी चाहिए। भूमि में अधिक पीएच लवण और क्षार पौधों की वानस्पतिक वृद्धि पर प्रतिकूल प्रभाव डालते है। बलुई दोमट मिट्टी इसकी खेती के लिए सबसे अधिक उपयुक्त होती हैं। भूमि में 2 मीटर गहराई तक कंकड़ अथवा पत्थर या कैल्शियम कार्बोनेट की सख्त परत नही होनी चाहिए। अच्छी जल धारण क्षमता और जल निकास की समुचित व्यवस्था वाली मिट्टी खजूर की खेती के लिए उत्तम रहती है।

▶▶खजूर की खेती के लिए किस्में

भारत में खजूर की किस्में अरब देशों से लाई गई हैं। वैसे तो अरब देशों में खजूर की एक हजार से भी अधिक किस्में हैं, लेकिन इनमें से कुछ ही व्यावसायिक रुप से पैदा की जाती है, जैसे- इराक की हलावी, खदरावी, सायर, बरही और जाहिदी, उत्तर अफ्रीकी देशों की डेग्लेटनूर, मैडजूल, घार्स तथा पाकिस्तान की बेगम जंगी एवं ढक्की मुख्य हैं।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा वर्ष 1955-1962 के दौरान खजूर की कुछ किस्में इन देशों से लाई गई तथा उनका पंजाब कृषि विश्वविद्यालय के फल अनुसंधान केन्द्र, अबोहर में मूल्यांकन किया गया। इस परियोजना के अन्तर्गत देश के चार केन्द्रों (अबोहर, बीकानेर, जोधपुर, मुन्द्रा (कच्छ) पर अनुसंधान प्रगति पर है।

▶▶खजूर का प्रवर्धन

खजूर के पौधें में नर और मादा फूल अलग-अलग पौधों पर आते हैं। एक बीजपत्री होने के कारण खजूर के पौधें कायिक प्रवर्धन के अन्य तरीकों, जैसे कलम बांधना (ग्राफ्टिंग), चश्मा चढाना (बडिंग), गुटी व कलम विधियों द्वारा तैयार नही किये जा सकते। इसका प्रसारण बीज, सकर्स (अंत:भूस्तारी) व टिश्यूकल्चर तीन विधियों से किया जाता है, जैसे-

बीज द्वारा- खजूर के एकलिंगी (डायोसिस) होने से बीज से तैयार किये पौधों में नर और मादा का अनुपात 50-50 रहने की सम्भावना रहती है।

UNION TERRITORY OF JAMMU AND KASHMIR MOTOR VEHICLES DEPARTMENT

Be part of the digital transformation that's shaping the future of J&K

TRANSPARENCY | ACCESSIBILITY | ACCOUNTABILITY

'WHAT DOES A 'FACELESS' SERVICE MEAN?

- Online applications
- Virtual RTO services
- Online fee Payment
- Aadhaar based authentication : Data and photo porting from Aadhaar
- Aadhaar based e-signature
- Service delivery through speed post or electronically
- Learners license from home
- Auto generation of e-learners license

PROCEDURE FOR FACELESS SERVICES

- Apply online on vahan.parivahan.gov.in
- Register on vahan portal & create login ID
- Aadhaar based e-sign
- Avail any service & Online fee Payment
- Approval & service delivery through speed post or electronic mode.

FACELESS SERVICES AVAILABLE :

- Change of Address in RC
- Transfer of Ownership
- Hypothecation Addition
- Hypothecation Termination
- Hypothecation Continuation
- Issue of Duplicate RC
- Renewal of Permit
- Fresh Permit
- Transfer of Permit
- Temporary Permit
- Additional MV Tax
- Permanent surrender of Permit
- Duplicate FC
- Permit Application
- RC Particulars Against Fee
- Duplicate Permit
- Issue Of Duplicate DL
- Issue of Conductor Licence
- Change Of Address In DL
- Change Of Biometrics In CL
- Change Of Biometrics In DI
- Renewal of DL
- Issue Of Learners Licence
- Change Of Biometrics In DI
- Change Of Name In CL
- Change Of Name In DL
- Change Of Name In LL
- DI Extract
- Endorsement To Drive vehicles carrying Hazardous Material
- Replacement Of DL
- Surrender Of Covs In DL
- Updation Of Mobile Number In RC/DL

DIP/J-9458/24 Dtd:23-1-2025